दिल्ली सरकार ने डीयूएमटीए के लिए... 02

राष्ट्रीय शिखर

खबरों की स्वतंत्रता

भारतीय महिलाएं ही असली हीरो... 11

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र गाजियाबाद, गौतमबुद्धनगर, नई दिल्ली, देहरादून और लखनऊ से एक साथ प्रसारित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

वर्ष - 01, अंक - 306 | गाजियाबाद / शनिवार 07 फरवरी 2026 | PRGI No. - UPHIN/25/A0086 | पृष्ठ -12, मूल्य - 04 रूपए

पीएम ने देशभर से आए बच्चों संग 'परीक्षा पर चर्चा' में किया संवाद

'परीक्षा में आत्मविश्वास ही सफलता की गारंटी'

- हड़बड़ी में गड़बड़ी से बचने को लेकर किया आगाह

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि छात्रों को परीक्षा के लिए तनाव पालने और ज्यादा नंबर लाने की होड़ की सोच पर ध्यान देने की बजाय जीवन के लक्ष्य की कसौटी पर खुद को कसते हुए निरंतर और धैर्य तथा आत्मविश्वास के साथ काम करते रहने की जरूरत पर ज्यादा ध्यान देना चाहिए।

मोदी ने शुक्रवार को यहां अपने आवास पर 'परीक्षा पर चर्चा' को लेकर देश के विभिन्न हिस्सों से आए बच्चों से संवाद कर रहे थे। उन्होंने बच्चों से बात करते हुए कहा कि परीक्षा को बोझ नहीं मानना है और उसे आसानी से लेते हुए अपनी पढ़ाई करनी है। उन्होंने पुराने पेपर देखकर तैयारी करने को पुरानी बीमारी बताया और कहा कि नए दौर ने इसका कोई औचित्य नहीं है। यह एक तरह की बीमारी है इसलिए सहज रूप से अपने लक्ष्य को हासिल करने के लिए तैयारी करनी चाहिए और परीक्षा को तनाव की वजह या बोझ नहीं बनाना चाहिए।

प्रधानमंत्री से एक बच्चे ने सवाल किया कि जीवन में सपना पलना ज़रूरी है, मोदी ने कहा कि सपना ना देखना जीवन के साथ सबसे बड़ा अपराध है। सपने से ही लक्ष्य बनते हैं। और उससे शक्ति के साथ जीवन मे आगे बढ़ाने की प्रेरणा मिलती है। कठिन से कठिन सपने को पाने के लिए अनुकूल मेहनत कर ही उसे पूरा किया जा सकता है।

आत्मविश्वास ही सफलता की कुंजी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि परीक्षा में सफलता के लिए आत्मविश्वास सबसे अहम है। आत्मविश्वास तभी आता है जब छात्र सच्चे मन से अपने लक्ष्य के अनुसार पढ़ाई करते हैं। उन्होंने परीक्षा के दौरान हड़बड़ी न करने की सलाह देते हुए कहा कि जल्दबाजी से सही सवाल भी बिगड़ जाते हैं और पूरी मेहनत बेकार हो सकती है।

सुविधाएं नहीं, सोच और मेहनत बनाती है भविष्य

प्रधानमंत्री ने कहा कि अब वह समय नहीं रहा जब सफलता केवल सुविधाओं पर निर्भर होती थी। आज गरीब से गरीब परिवार के बच्चे भी उत्कृष्ट अंकों के साथ परीक्षा पास कर रहे हैं। इसके पीछे स्वतंत्र सोच, अनुभव और उपलब्ध संसाधनों के अनुसार पढ़ाई करने की क्षमता है।

'घूसखोर पंडत' फिल्म पर प्रतिबन्ध लगाए सरकार : मायावती

लखनऊ (एजेंसी)। बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने शुक्रवार को ओटीटी प्लेटफॉर्म पर प्रचारित-प्रसारित की जा रही फिल्म 'घूसखोर पंडत' को प्रतिबन्ध लगाने की मांग की है।

वहीं, इस फिल्म के नाम और उसकी सामग्री को लेकर ब्राह्मण समाज और विभिन्न सामाजिक संगठनों में आक्रोश है। विभिन्न संगठनों ने शुक्रवार को इसके विरोध में कई जिलों में उग्र प्रदर्शन किया।

बसपा प्रमुख मायावती ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा, यह बड़े दुख व चिन्ता की बात है कि पिछले कुछ समय से अकेले यूपी में ही नहीं बल्कि अब तो फिल्मों में भी 'पंडत' को घूसखोर आदि बताकर पूरे देश में जो इनका अपमान व अनादर किया जा रहा है। इससे समूचे ब्राह्मण समाज में इस समय जबरदस्त रोष व्याप्त है, इसकी हमारी पार्टी भी कड़े शब्दों में निन्दा करती है।

उन्होंने कहा कि पार्टी मांग करती है कि ऐसी इस जातिसूचक फिल्म (वेब सीरीज) 'घूसखोर पंडत' पर केन्द्र सरकार को तुरन्त प्रतिबन्ध लगाना चाहिए। इसको लेकर लखनऊ पुलिस द्वारा प्राथमिकी दर्ज करना उचित कदम है। उल्लेखनीय है कि फिल्म 'घूसखोर पंडत' के निर्देशक के खिलाफ राजधानी की कोतवाली हजरतगंज में एफआईआर दर्ज की गई है।

विदेशों में भारतीय नागरिकों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकताः सरकार

ईरान में 9 से 10 हजार भारतीय नागरिक

नई दिल्ली (एजेंसी)। केन्द्र सरकार ने कहा है कि वह विदेशों में भारतीय नागरिकों की सुरक्षा, संरक्षा और कल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता देती है। विदेश राज्य मंत्री कीर्तिवर्धन सिंह ने लोकसभा में शुक्रवार को एक सवाल के लिखित जवाब में कहा कि सरकार विदेशों में भारतीय नागरिकों की सुरक्षा, संरक्षा और कल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता देती है। सरकार विदेशों में उभरती प्रतिकूल परिस्थितियों पर कड़ी नजर रखती है और आवश्यकता सलाह जारी करती है ताकि भारतीय नागरिक अनावश्यक यात्रा से बचें, स्थानीय अधिकारियों द्वारा सुरक्षा दिशानिर्देशों का पालन करें और भारतीय मिशनों के संपर्क में रहें। सिंह ने कहा कि ईरान में चल रहे विरोध प्रदर्शनों की शुरुआत में पांच जनवरी और 14 जनवरी को सलाह जारी की गई थी ताकि भारतीय नागरिक ईरान की गैर जरूरी यात्रा से बचें, उचित सावधानी बरतें, विरोध प्रदर्शनों वाले क्षेत्रों से दूर रहें और नवीनतम जानकारी प्राप्त करने और जुड़े रहने के लिए दूतावास की वेबसाइट पर सोशल मीडिया हैंडल पर नजर रखें।

फिर हंगामे की भेंट चढ़ी लोकसभा की कार्यवाही

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा में विपक्षी दलों का हंगामा शुक्रवार को लगातार पांचवें दिन भी जारी रहा, जिसके कारण सदन नहीं चला और लोकसभा की कार्यवाही दिनभर के लिए स्थगित कर दी गई। पीठासीन अधिकारी कृष्ण प्रसाद तेन्नेटी ने एक बार के स्थगन के बाद दोपहर 12 बजे जैसे ही सदन की कार्यवाही शुरू की, तो विपक्षी दलों के सदस्य नारेबाजी और हंगामा में करते हुए सदन के बीचों बीच आ गए। इस दौरान उन्होंने हंगामे के बीच ही जरूरी कागजात सदन के पटल पर रखवाए। हंगामा कर रहे सदस्यों से उन्होंने अपनी सीटों पर जाने का आग्रह किया और कहा कि हंगामे के बीच वह सदन की कार्यवाही नहीं चला सकते हैं, इसलिए सभी सदस्य शांत होकर अपनी सीटों पर बैठ जाए। लेकिन किसी ने उनकी बात नहीं सुनी और हंगामा तेज होता गया जिसकी कारण उन्होंने सदन की कार्यवाही दिन भर के लिए स्थगित कर दी। इससे पहले 11 बजे जैसे ही सदन की कार्यवाही शुरू हुई, विपक्षी सदस्यों में भारी हंगामा किया।

अबुझमाड़ के जंगल में मुठभेड़ एक कमांडो शहीद, तीन नक्सली ढेर

गढ़चिरौली (एजेंसी)। महाराष्ट्र और छत्तीसगढ़ की सीमा पर स्थित अबूझमाड़ के घने जंगलों में नक्सलियों के साथ भीषण मुठभेड़ में गढ़चिरौली पुलिस का एक सी-60 कमांडो शहीद हो गया और तीन नक्सली मारे गए। अधिकारियों ने शुक्रवार को इस घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि भामरागढ़ उपखंड के जंगलों में नक्सलियों की गतिविधियों की खुफिया सूचना मिलने के बाद यह ऑपरेशन शुरू किया गया था। पुलिस को जानकारी मिली थी कि छत्तीसगढ़ के कुछ नक्सली इस क्षेत्र में मौजूद है। सूचना मिलने के बाद 14 कमांडो टीमों ने बड़े पैमाने पर नक्सल विरोधी अभियान छेड़ा। मुठभेड़ के दौरान सुरक्षाबलों ने नक्सलियों के दो शिविरों को पूरी तरह ध्वस्त कर दिया। पुलिस ने मौके से एक महिला नक्सली सहित कुल तीन नक्सलियों के शव बरामद किए। इलाके की तलाशी के दौरान घटनास्थल से एक एके-47 और एक एसएलआर राइफल भी जब्त की गई। इस संघर्ष में अहेरी तालुका के रहने वाले 38 वर्षीय सी-60 जवान दीपक चिन्ना मडावी नक्सलियों की गोलीबारी में गंभीर रूप से घायल हो गए थे। उन्हें हेलीकॉप्टर के जरिए जंगल से एयरलिफ्ट कर अस्पताल ले जाया गया, लेकिन इलाज के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया। इस ऑपरेशन में एक अन्य सी-60 जवान जोगा मडावी भी घायल हुए और उन्हें बेहतर इलाज के लिए गढ़चिरौली भेजने की व्यवस्था की गई। उनकी हालत फिलहाल स्थिर बताई जा रही है।

पंजाब में आप नेता की गोली मारकर हत्या

जालंधर (एजेंसी)। पंजाब में जालंधर के मॉडल टाउन इलाके में शुक्रवार सुबह आम आदमी पार्टी के नेता लक्की ओबेरॉय पर ताबड़तोड़ गोलियां मारकर हत्या कर दी गई। बताया जा रहा है कि गोली लगने से लक्की घायल हो गए थे, मगर अस्पताल में उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, हमलावरों ने अचानक थार गाड़ी में सवार लक्की ओबेरॉय पर हमला कर दिया। ताबड़तोड़ गोलियों की आवाज से पूरे इलाके में अफरा-तफरी मच गई। लोग इधर-उधर भागने लगे और आसपास के दुकानदारों ने तुरंत शटर बंद कर दिए। इस घटना में लक्की ओबेरॉय को पांच-6 गोलियां लगीं।

अभिनेता विजय पर 1.5 करोड़ रुपए का जुर्माना बरकरार

चेन्नई (एजेंसी)। मद्रास उच्च न्यायालय ने अभिनेता विजय पर अपनी 2015 की फिल्म 'पुली' से हुई 15 करोड़ की कमाई को छिपाने पर लगाए गए 1.5 करोड़ रुपये के जुर्माने को बरकरार रखा है। अभिनेता ने आयकर विभाग द्वारा लगाए गए जुर्माने को चुनौती देते हुए एक याचिका दायर की थी, लेकिन न्यायमूर्ति सेंथिलकुमार राममूर्ति ने आयकर विभाग के निर्णय को सही ठहराया। विभाग ने कर निर्धारण वर्ष 2016-17 के लिए आयकर रिटर्न दाखिल करते समय आय छिपाने के कारण यह जुर्माना लगाया था। सूचनाओं के आधार पर आयकर अधिकारियों ने 2015 में उनके आवास और कार्यालय परिसरों पर छापे मारे थे और इस दौरान कई आपत्तिजनक दस्तावेज बरामद किए गए थे।

हंगामे के चलते लोकसभा की कार्यवाही 9 फरवरी तक स्थगित

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों के लगातार हंगामे के चलते शुक्रवार को लोकसभा की कार्यवाही पहले दोपहर 12 बजे तक और बाद में पूरे दिन के लिए स्थगित कर दी गई। सदन की अगली कार्यवाही अब सोमवार, 9 फरवरी को सुबह 11 बजे पुनः शुरू होगी।

सदन की कार्यवाही पूर्वाह्न 11 बजे शुरू होते ही प्रश्नकाल के दौरान विपक्षी सदस्यों ने नारेबाजी शुरू कर दी और हाथों में प्लेकार्ड लेकर सदन के बीचोंबीच आ गए। इस पर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कड़ी नाराजगी जताते हुए कहा कि बजट सत्र में अब तक सदन के 19 घंटे 13 मिनट हंगामे की भेंट चढ़ चुके हैं। अध्यक्ष ने कहा कि प्रश्नकाल सभी सदस्यों का समय होता है और जनता ने सांसदों को चर्चा और संवाद के लिए भेजा है, न कि पोस्टर और नारेबाजी के लिए। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि नियोजित तरीके से गतिरोध पैदा कर सदन की मयार्दा समाप्त की जाती है, तो ऐसे सदन को चलाना संभव नहीं है।

अध्यक्ष के बार-बार आग्रह के बावजूद हंगामा नहीं थमने पर सदन की कार्यवाही पहले 12 बजे तक स्थगित की गई। दोपहर में कार्यवाही पुनः शुरू होने पर भी विपक्ष का शोर-शराबा जारी रहा। पीठासीन सदस्य कृष्ण प्रसाद तेन्नेटी ने बताया कि स्थगन प्रस्ताव की किसी भी सूचना को अध्यक्ष ने अनुमति नहीं दी है।

नारेबाजी के बीच स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जेपी नड्डा सहित कई मंत्रियों ने सभा पटल पर प्रस्ताव रखे। पीठासीन अधिकारी ने विपक्षी सदस्यों से अपील की कि बजट पर चर्चा के दौरान वे अपने सभी विषय उठा सकते हैं और कार्यवाही को बाधित न करें। उन्होंने स्पष्ट किया कि सदन में प्लेकार्ड लाना नियमों के विरुद्ध है।

अमित शाह ने कठुआ में अंतरराष्ट्रीय सीमा से लगे अग्रिम इलाकों का किया दौरा

जम्मू (एजेंसी)। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को जम्मू-कश्मीर के अपने दो दिवसीय दौरे की शुरूआत करते हुए कठुआ में अंतरराष्ट्रीय सीमा से लगे अग्रिम इलाकों का दौरा किया।

गृहमंत्री ने हीरानगर सेक्टर में गुरनाम और बोबिया की सीमा चौकियों का दौरा किया और सीमा की रक्षा कर रहे सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के जवानों से बातचीत की। उनकी यात्रा आतंकवादियों की घुसपैठ और हथियारों और नशीले पदार्थों की तस्करी को रोकने के लिए सीमा प्रबंधन पर ध्यान केंद्रित करने और आतंकवाद विरोधी अभियानों में तेजी लाने के बीच हो रही है, जिसमें पिछले दो हफ्तों में कठुआ, उधमपुर और किश्तवाड़ जिलों में लगभग एक दर्जन मुठभेड़ों में जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम) के चार कट्टर पाकिस्तानी आतंकवादी मारे गए हैं।

शाह गुरुवार देर रात जम्मू पहुंचे और उपराज्यपाल मनोज सिन्हा, मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला और विधानसभा में विपक्ष के नेता सुनील शर्मा सहित भाजपा के वरिष्ठ नेताओं ने उनका स्वागत किया।

रांची सिविल कोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी, पुलिस अलर्ट

रांची (एजेंसी)। झारखंड की राजधानी रांची के सिविल कोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी देने का मामला शुक्रवार को सामने आया है। यह धमकी कोर्ट की आधिकारिक मेल आईडी पर एक संदेश के जरिए भेजी गई। इस घटना के बाद से कोर्ट परिसर की सुरक्षा को चाक-चौबंद कर दिया गया है। धमकी भरा मेल मिलने के तुरंत बाद पुलिस और सुरक्षा एजेंसियां हरकत में आ गईं। कोर्ट परिसर में आने-जाने वाले हर व्यक्ति की सघन तलाशी ली जा रही है। कोर्ट के मुख्य द्वारों और संवेदनशील हिस्सों पर पुलिस जवानों की संख्या बढ़ा दी गई है। पूरे परिसर की बारीकी से जांच की जा रही है ताकि किसी भी संदिग्ध वस्तु का पता लगाया जा सके।

सफेदपोश' आतंकी मॉड्यूल, अनंतनाग मेडिकल कॉलेज में एनआईए की छापेमारी

श्रीनगर (एजेंसी)। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने पिछले साल नवंबर में भंडाफोड़ किए गए 'सफेदपोश' आतंकी मॉड्यूल के सिलसिले में शुक्रवार को जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग जिले में सरकारी मेडिकल कॉलेज में तलाशी ली। अधिकारियों ने कहा कि एनआईए अधिकारियों की एक टीम जीएमसी अनंतनाग पहुंची और तलाशी ली। यह तलाशी पिछले साल नवंबर में एक डॉक्टर के लॉकर से राइफल की बरामदगी के संबंध में थी। डॉ. अदील अहमद राथर उन नौ लोगों में शामिल थे, जिन्हें आतंकी मॉड्यूल की जांच के सिलसिले में गिरफ्तार किया गया था।

भारत-अमेरिका व्यापार समझौते के खिलाफ दिल्ली में विपक्ष का प्रदर्शन

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस सहित विपक्षी दलों ने भारत और अमेरिका के बीच व्यापार समझौते को भारतीय किसानों और छोटे व्यापारियों के भविष्य के साथ खिलवाड़ बताया है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के नेतृत्व में शुक्रवार को संसद भवन परिसर में विपक्ष के सांसदों ने मोदी सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया।

विरोध-प्रदर्शन के दौरान खरगे ने पत्रकारों से बातचीत के दौरान सरकार पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि भारत-अमेरिका व्यापार समझौता भारत के किसानों और व्यापारियों पर सीधा हमला है। यह समझौता पूरी तरह से अमेरिका की शर्तों पर आधारित है। उन्होंने कहा कि यह समझौते के तहत भारतीय कृषि क्षेत्र को अमेरिकी उत्पादों के लिए खोला जाएगा, जो हमारे किसानों को आर्थिक रूप से तबाह कर देगा। विपक्ष ने सरकार पर संसद में आवाज दबाने का भी आरोप लगाया। विपक्ष ने कहा कि लोकसभा में विपक्ष के नेता को देशहित के मुद्दों पर बोलने नहीं दिया जा रहा है, जो सीधे तौर पर लोकतंत्र का अपमान है।

बिहार के राजगीर में चार जैन सैलानियों की सदिग्ध अवस्था में मिली लाश

राजगीर (एजेंसी)। बिहार के नालंदा जिले के प्रसिद्ध पर्यटक स्थल राजगीर में दिगंबर जैन धर्मशाला के एक कमरे से शुक्रवार को चार लोगों के शव संदिग्ध अवस्था में मिलने से सनसनी फैल गई। चारों पर्यटक बेंगलुरु से आए थे और धार्मिक यात्रा पर थे। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पुलिस पहुंच कर मामले की छानबीन में जुट गई है और धर्मशाला और आस-पास के इलाकों को सील कर दिया गया है। चारों पर्यटक जैन धर्म के अनुयायी थे और धार्मिक यात्रा पर 31 जनवरी को राजगीर आए थे। धर्मशाला के रिकॉर्ड के अनुसार 2 फरवरी तक उन्हें परिसर में देखा गया, इसके बाद से कमरा नहीं खुला। लंबे समय तक दरवाजा बंद रहने और बदबू आने पर धर्मशाला प्रबंधन ने पुलिस को सूचना दी। धर्मशाला इंचार्ज मुकेश जैन ने बताया कि चारों पर्यटकों ने नेपाल घूमने के बाद राजगीर आने की बात कही थी। एक व्यक्ति ने आधार कार्ड दिया था, जिसमें नाम जीआर नाग प्रसाद और पता बेंगलुरु दर्ज है। अन्य तीन लोगों के पहचान पत्र नहीं मिले हैं। पुलिस मृतकों की पूरी पहचान और पारिवारिक पृष्ठभूमि खंगाल रही है। घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस-प्रशासन ने तत्काल कमरे को सील कर दिया।

'परीक्षा पे चर्चा' की पहल विद्यार्थियों में नई ऊर्जा का संचार करेगीः योगी

परीक्षा के क्षणों में सही मार्गदर्शन विद्यार्थियों में ऊर्जा भर देता है

लखनऊ (एजेंसी)।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज 'परीक्षा पे चर्चा' के माध्यम से विद्यार्थियों से संवाद करने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का आभार जताते हुए विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य और सफलता की शुभकामनाएं दी है।

मुख्यमंत्री ने अपने सोशल मीडिया एकाउंट पर लिखा कि परीक्षा आत्मविश्वास, अनुशासन और धैर्य की कसौटी होती है। ऐसे क्षणों में सही मार्गदर्शन विद्यार्थियों के मन से भय हटाकर उनमें विश्वास और ऊर्जा भर देता है। परीक्षा पे चर्चा' की पहल करोड़ों विद्यार्थियों के मन में नई दिशा, नई ऊर्जा और नए विश्वास का संचार करेगी।प्रधानमंत्री ने परीक्षा पे चर्चा' में विद्यार्थियों को यह संदेश दिया कि तनाव नहीं, संतुलन को अपनाइए। प्रतिस्पर्धा नहीं, आत्म-विकास पर ध्यान दीजिए और परिणाम नहीं, निरंतर प्रयास पर भरोसा रखिए। उनके शब्दों में सकारात्मक दृष्टि, लक्ष्य की स्पष्टता और हर चुनौती का मुस्कुराकर सामना करने की प्रेरणा समाहित है।

योगी ने लिखा कि यह संवाद केवल परीक्षा कक्ष तक सीमित नहीं, बल्कि जीवन की हर परीक्षा में स्थिर रहने, आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने और अपने सामर्थ्य पर विश्वास बनाए रखने का संदेश देता है।

छात्रों के लिए सर्वश्रेष्ठ मार्गदर्शक 'परीक्षा पे चर्चा' : धर्मेंद्र प्रधान

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की पहल 'परीक्षा पे चर्चा' देश के करोड़ों विद्यार्थियों को नई दिशा दिखा रही है। प्रधानमंत्री द्वारा दिए गए छोटे-छोटे सुझाव और सरल उदाहरण छात्रों के मन से परीक्षा का भय दूर कर उनका आत्मविश्वास बढ़ाने में सहायक सिद्ध हो रहे हैं। यह कार्यक्रम छात्रों, शिक्षकों और अभिभावकों के लिए एक सशक्त मार्गदर्शक के रूप में उभरा है। यह बातें केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कही।

केंद्रीय मंत्री प्रधान शुक्रवार को यहां के जीएमसी बालयोगी ऑडिटोरियम में आयोजित 'परीक्षा पे चर्चा-2026' की विशेष स्क्रीनिंग में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने सहयोगी सांसदों, मंत्रियों और बड़ी संख्या में उपस्थित छात्रों के साथ बैठकर प्रधानमंत्री के मास्टरक्लास को देखा और विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया।

'परीक्षा पे चर्चा' के नौवें संस्करण में दिए गए उपयोगी सुझावों के लिए प्रधानमंत्री का आभार व्यक्त करते हुए प्रधान ने कहा कि यह कार्यक्रम बच्चों के बौद्धिक और समग्र विकास पर केंद्रित है। यह विद्यार्थियों की प्रतिभा को पहचानने और उन्हें भयमुक्त वातावरण में बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित करता है। आज 'परीक्षा पे चर्चा' एक राष्ट्रीय जनआंदोलन का रूप ले चुकी है। शिक्षा मंत्री ने कहा कि कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री द्वारा समय प्रबंधन, मानसिक स्वास्थ्य और पोषणयुक्त आहार पर दिए गए सुझाव न केवल छात्रों बल्कि शिक्षकों और अभिभावकों के लिए भी अत्यंत प्रासंगिक हैं।

कार का साइड मिरर टूटने के विवाद में युवक की हत्या, साथी घायल

नई दिल्ली (एजेंसी)। बदरपुर के गौतमपुरी इलाके में सेंट्रो कार का साइड मिरर टूटने को लेकर हुए विवाद में दो नाबालिगों तथा उसके साथियों ने दो युवकों पर चाकू से हमला कर दिया। गंभीर रूप से घायल दोनों को एम्स ट्रॉमा सेंटर ले जाया गया। जहां पर डॉक्टरों ने एक युवक को मृत घोषित कर दिया। दूसरे की हालत गंभीर बनी है। मृतक की पहचान अरुण (25) के रूप में हुई है। घायल का नाम शिवम (25) है। उसके पेट में चाकू लगा है। पुलिस ने छापेमारी कर वारदात में शामिल नाबालिगों व उनके दो साथियों को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपितों से वारदात में इस्तेमाल चाकू बरामद हुआ है। दक्षिण पूर्वी जिले के पुलिस उपायुक्त डॉ. हेमंत तिवारी ने बताया कि 5 फरवरी की रात लगभग 10 बजे गौतमपुरी में सार्वजनिक शौचालय और आयुर्वेद अस्पताल के पास चाकूबाजी की घटना की पीसीआर कॉल मिली। तत्काल बदरपुर एसएचओ तथा वरिष्ठ पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे। घटनास्थल पर भीड़ के अलावा काफी संख्या में खून फैला हुआ था। पता लगा घायलों को एम्स टॉमा अस्पताल में ले जाया गया है। पुलिस ने घटनास्थल को सुरक्षित कर क्राइम टीम व फोरेंसिक टीम को मौके पर साक्ष्य संकलन के लिए बुलाया। घटना के चश्मदीदों ने पुलिस को बताया कि सेंट्रो कार का साइड मिरर टूटने पर दोनों युवकों का स्थानीय दो नाबालिगों व उनके साथियों से विवाद हुआ था। दोनों पक्ष में पुरानी रंजिश की बात भी सामने आई। इसी के चलते नाबालिगों व उनके दो साथियों ने अरुण तथा शिवम से मारपीट के बाद चाकू से वार कर घायल कर दिया। पुलिस जांच में सामने आया कि अरुण कपड़ा विक्रेता था जबकि शिवम एम्स अस्पताल में सफाई का काम करता है। अरुण के कूल्हे पर चाकू का घाव था। अधिक मात्रा में खून बह जाने से उसकी मौत हो जबकि शिवम के पेट के ऊपरी हिस्से में चाकू लगा है। उसका उपचार चल रहा है। आला अधिकारियों के निर्देश पर बदरपुर पुलिस की कई टीमें बनाकर वारदात में शामिल आरोपितों को पकड़ने के लिए कई टीमों का गठन किया गया। पुलिस ने 16 साल के दो नाबालिगों समेत अमर तथा विक्की नामक आरोपितों को पकड़कर उनके कब्जे से वारदात में प्रयुक्त चाकू तथा खून से सने कपड़े बरामद कर लिए। पूछताछ में पता चला कि झगड़े के दौरान एक नाबालिग ने ही दोनों युवकों पर चाकू से हमला किया था। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

ड्रग्स तस्करी के मामले में आरोपित गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तरी जिला एंटी नारकोटिक्स सेल ने नशे के कारोबार के खिलाफ बड़ी सफलता हासिल करते हुए सिविल लाइंस इलाके से एक ड्रग्स सप्लायर को गिरफ्तार किया है। आरोपित के कब्जे से 339.5 ग्राम उच्च गुणवत्ता की हेरोइन बरामद की गई है, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब डेढ़ करोड़ रुपये आंकी गई है। आरोपित बुलेट मोटरसाइकिल पर नशे की खेप लेकर सप्लाई के लिए जा रहा था। गिरफ्तार आरोपित की पहचान मजनूं का टीला निवासी गुड्डू (24) के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार आरोपित पिछले 3 से 4 वर्षों से नशे की सप्लाई के धंधे में सक्रिय था। उत्तरी जिले के अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त सुमित कुमार झा ने शुक्रवार को बताया कि जिले की एंटी नारकोटिक्स सेल को 4 फरवरी की शाम गुप्त सूचना मिली थी कि गुड्डू नामक युवक स्मैक की सप्लाई के लिए चांदगीराम अखाड़ा से रिंग रोड की ओर जाएगा। वह रॉयल एनफील्ड बुलेट मोटरसाइकिल पर सवार होगा और सिविल लाइंस के इलाके से गुजरेगा। सूचना मिलते ही इंस्पेक्टर संजय कुमार के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया। पुलिस टीम ने ट्रॉमा सेंटर, सिविल लाइंस के पास रणनीतिक तरीके से जाल बिछाया। शाम करीब 7:40 बजे चांदगीराम अखाड़ा की ओर से आती बुलेट मोटरसाइकिल को गुप्त सूचना के आधार पर रोका गया। तलाशी लेने पर आरोपित के पास से काले रंग की पॉलीथिन में 339.5 ग्राम हेरोइन बरामद हुई। पूछताछ में आरोपित ने खुलासा किया कि वह यह नशा बरेली से लेकर आया था और ट्रांस यमुना इलाके में सप्लाई करने जा रहा था। उसने बताया कि वह पिछले कई वर्षों से नशे की अवैध सप्लाई में लिप्त है। आरोपित ने जिस बुलेट मोटरसाइकिल का इस्तेमाल किया था, वह उसने मजनूं का टीला निवासी अपने एक दोस्त से निजी काम का बहाना बनाकर ली थी।

एक दिन पहले बिजली कंपनी को दी शिकायत, अगले दिन जालसाजों ने साढ़े चार लाख रुपये ठगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। दक्षिण-पूर्वी दिल्ली में हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। एक शख्स ने एक दिन बिजली कंपनी को घर में बिजली नहीं आने की शिकायत दी। दूसरे ही दिन उसी शिकायत का जिक्र करते हुए जालसाजों ने उसके फोन को हैक का 4.72 लाख रुपये निकाल लिए। पीड़ित की शिकायत पर छह माह बाद पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर ली है। साइबर थाना पुलिस मामले की जांच कर रही है। मामले में बड़ा सवाल यह है कि जालसाजों को पीड़ित के घर का मीटर खराब होने की जानकारी कैसे मिली। पुलिस अधिकारी ने बताया कि पीड़ित मुमताज अली खान परिवार के साथ मोती मस्जिद, जाकिर नगर इलाके में रहते हैं। 08 जुलाई को वह बिजली कम्पनी बीएसईएस के एनएफसी स्थित कार्यालय में बिजली के मीटर में बिजली नहीं आने की शिकायत देकर आए थे। अगले दिन यानि 9 जुलाई 2025 को उनके फोन पर व्हाट्सएप कॉल आई और उन्हें बताया गया कि वह बिजली कम्पनी से बात कर रहे हैं। आपके मीटर में बिजली नहीं आ रही है, जिसके चलते मीटर बदला जाएगा। मीटर के चार्ज देने होंगे। इसके बाद कर्मचारी जाकर मीटर बदल देंगे। पीड़ित ने पूछा कि चार्ज कहां देने है, तो फोन पर बात कर रहे शख्स ने एक लिंक भेज दिया और पेमेंट करने की बात कही। पीड़ित ने जैसे ही लिंक पर क्लिक किया, उसका फोन हैक हो गया। आरोपियों ने फोन हैक करने के बाद उसके बैंक खाते से और क्रेडिट कार्ड से कुल 4.72 लाख रुपये निकाल लिए। पीड़ित ने मामले की सूचना बैंक और पुलिस को दी। साइबर थाना दक्षिण-पूर्वी दिल्ली ने छह माह बाद मामले में एफआईआर दर्ज की है। फिलहाल पुलिस मामले में उन खातों की मदद से आरोपियों की जानकारी जुटा रही है, जिनमें ठगी के पैसे गए थे।

दिल्ली में शुरू होगा इको-फ्रेंडली क्रूज सफर, यमुना नदी पर दौड़ेगा पहला सोलर-हाइब्रिड क्रूज

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजधानी में नदी पर्यटन को नई पहचान दिलाने की दिशा में बड़ा कदम उठाया गया है। यमुना नदी पर लंबे समय से प्रस्तावित क्रूज सेवा अब अंतिम चरण में पहुंच चुकी है। देश का पहला इको-फ्रेंडली सोलर-हाइब्रिड क्रूज दिल्ली के सोनिया विहार पहुंच गया है और उम्मीद जताई जा रही है कि फरवरी महीने में इसका संचालन शुरू हो जाएगा। इस पहल से दिल्ली के पर्यटन को नया आयाम मिलने वाला है। सरकार द्वारा विकसित किए गए इस पर्यटन रूट के तहत यमुना नदी पर सोनिया विहार से जगतपुर तक करीब चार से आठ किलोमीटर के हिस्से में क्रूज सेवा चलाई जाएगी। यह अपस्ट्रीम वजीराबाद क्षेत्र के पास स्थित होगा, जहां से क्रूज रवाना होकर लगभग एक घंटे का राउंड ट्रिप पूरा करेगा। इस मार्ग को खास तौर पर नदी पर्यटन के लिए तैयार किया गया है। पर्यटन मंत्री कपिल मिश्रा के अनुसार, यह क्रूज सेवा दिल्ली के पर्यटन को एक नई ऊंचाई पर ले जाएगी। इससे न केवल यमुना के किनारे सुंदर और आकर्षक पर्यटन स्थल के रूप में विकसित होंगे, बल्कि स्थानीय लोगों और बाहर से आने वाले पर्यटकों को भी एक नया अनुभव मिलेगा। इस परियोजना में पूरी तरह पर्यावरण के अनुकूल सोलर-हाइब्रिड इलेक्ट्रिक क्रूज का उपयोग किया जाएगा। इनमें बायो-टॉयलेट, लाइफ जैकेट और पब्लिक अनाउंसमेंट सिस्टम जैसी आधुनिक सुविधाएं होंगी। एक क्रूज में करीब 20 से 40 यात्री एक साथ सफर कर सकेंगे। यात्रियों की सुविधा के लिए सोनिया विहार में जेट्टी और अन्य बुनियादी ढांचे का निर्माण भी लगभग पूरा हो चुका है। अधिकारियों का मानना है कि क्रूज सेवा शुरू होने के बाद यमुना नदी एक बार फिर दिल्ली के प्रमुख आकर्षणों में शामिल हो सकेगी और शहर के पर्यटन मानचित्र पर नया अध्याय जुड़ेगा।

बायोमेट्रिक गड़बड़ी से प्रभावित जेईई अभ्यर्थी को बड़ी राहत, हाईकोर्ट ने दोबारा परीक्षा देने की दी अनुमति

नई दिल्ली (एजेंसी)। बायोमेट्रिक सत्यापन में तकनीकी खामी के कारण परीक्षा प्रभावित होने के मामले में राजधानी के दिल्ली हाईकोर्ट ने एक महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है। अदालत ने जेईई मुख्य परीक्षा सत्र-एक में शामिल हुए अभ्यर्थी श्लोक भारद्वाज को दोबारा परीक्षा देने की अनुमति प्रदान की है। न्यायालय ने माना कि तकनीकी समस्या के चलते उत्पन्न मानसिक दबाव और अयोग्य घोषित होने का डर किसी भी उम्मीदवार के प्रदर्शन को गंभीर रूप से प्रभावित कर सकता है। मामले की सुनवाई करते हुए न्यायमूर्ति जसमीत सिंह की पीठ ने कहा कि समयबद्ध प्रतियोगी परीक्षाओं में हर मिनट महत्वपूर्ण होता है। ऐसे में परीक्षा से पहले और उसके दौरान लगातार बायोमेट्रिक सत्यापन में आ रही परेशानी उम्मीदवार की एकाग्रता और लय को तोड़ देती है, जिसका सीधा असर उसके प्रदर्शन पर पड़ता है। याचिकाकर्ता श्लोक भारद्वाज ने अदालत को बताया कि वह समय पर परीक्षा केंद्र पहुंच गए थे, लेकिन आधार आधारित बायोमेट्रिक प्रक्रिया बार-बार विफल होती रही। लंबे समय तक सत्यापन पूरा न होने के कारण उनका आधार अवरुद्ध रहा और परीक्षा के दौरान भी अनिश्चितता बनी रही। अंततः परीक्षा के बीच में जाकर सत्यापन पूरा हो सका, लेकिन तब तक मानसिक तनाव काफी बढ़ चुका था।

दिल्ली सरकार ने डीयूएमटीए के लिए विधेयक का मसौदा तैयार करने की प्रक्रिया शुरू की

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली सरकार ने एकीकृत परिवहन की दिशा में निर्णायक कदम उठाते हुए दिल्ली यूनिफाइड मेट्रोपॉलिटन ट्रांसपोर्ट अथॉरिटी (डीयूएमटीए) और एक समर्पित दिल्ली अर्बन ट्रांसपोर्ट फंड (डीयूटीएफ) के गठन के लिए विधेयक का मसौदा तैयार करने की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी है। यह जानकारी आज एक विज्ञप्ति के जरिए दी गई।

विज्ञप्ति के मुताबिक, प्रस्तावित कानून के शीघ्र और समावेशी मसौदे को सुनिश्चित करने के लिए मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने मुख्य सचिव की अध्यक्षता में एक उच्च स्तरीय टास्क फोर्स का गठन किया है। टास्क फोर्स को निर्देश दिए गए हैं कि वह निर्धारित समय-सीमा में विधेयक का मसौदा तैयार कर प्रस्तुत करे, जिससे सरकार की सुधारोन्मुख प्रतिबद्धता और तत्परता स्पष्ट होती है।

इस टास्क फोर्स में परिवहन, शहरी विकास, वित्त, योजना, लोक निर्माण और दिल्ली पुलिस सहित प्रमुख विभागों के वरिष्ठ अधिकारी शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए), नगर निगम (एमसीडी), दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन (डीएमआरसी), दिल्ली परिवहन निगम (डीटीसी), राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र परिवहन निगम (एनसीआरटीसी) और भारतीय रेलवे जैसे प्रमुख नागरिक एवं परिवहन संस्थानों के प्रतिनिधियों को भी इसमें सम्मिलित किया गया है। वैश्विक सर्वोत्तम प्रथाओं और स्थानीय आवश्यकताओं के संतुलित समावेश के लिए मुख्यमंत्री ने शहरी परिवहन के प्रतिष्ठित विशेषज्ञों को सह नामित करने का भी सुझाव दिया है।

इस पहल की पृष्ठभूमि स्पष्ट करते हुए मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि दिल्ली की परिवहन एजेंसियां ऐतिहासिक रूप से पृथक रूप से कार्य करती रही हैं, जिससे मार्ग योजना, अवसंरचना विकास और सेवा प्रदायगी में समन्वय की कमी रही है।

उन्होंने कहा कि 'डीयूएमटीए' दिल्ली की संपूर्ण शहरी गतिशीलता प्रणाली में समन्वय स्थापित करेगा। मेट्रो, बस, क्षेत्रीय रेल, रेलवे और फीडर सेवाओं जैसे सभी परिवहन साधनों को एकीकृत योजना क्षेत्राधिकार के अंतर्गत लाकर हम यह सुनिश्चित करेंगे कि परिवहन समाधान कुशल, समावेशी और नागरिक केंद्रित हों।

मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि डीयूएमटीए सार्वजनिक परिवहन को मजबूत करने, अंतिम मील कनेक्टिविटी सुधारने और निजी वाहनों पर निर्भरता कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा, जिससे सड़कों पर जाम में कमी आएगी। उन्होंने रेखांकित किया कि यह पहल वायु प्रदूषण से निपटने की सरकार की दीर्घकालिक रणनीति का एक अहम अंग है। वाहन उत्सर्जन प्रदूषण का एक प्रमुख स्थानीय स्रोत है और सुव्यवस्थित व विश्वसनीय सार्वजनिक परिवहन नेटवर्क का विस्तार पर्यावरणीय लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए अनिवार्य है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार प्रदूषण से निपटने के लिए अल्पकालिक, मध्यमकालिक और दीर्घकालिक समाधानों पर एक साथ काम कर रही है। यह समस्या पिछले वर्षों में संरचनात्मक सुधारों के अभाव में और गंभीर हुई। डीयूएमटीए की स्थापना निजी वाहनों पर निर्भरता घटाने और दिल्ली के प्रत्येक नागरिक को स्वच्छ, सुरक्षित और कुशल गतिशीलता उपलब्ध कराने के लिए सबसे महत्वपूर्ण दीर्घकालिक हस्तक्षेपों में से एक होगी।

राष्ट्रीय शहरी परिवहन नीति के तहत बड़े शहरों में एकीकृत महानगरीय परिवहन प्राधिकरण (यूएमटीए) की परिकल्पना की गई है, ताकि शहरी परिवहन की रणनीतिक योजना और समन्वित क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जा सके। दिल्ली एनसीआर में बढ़ती जनसंख्या, प्रदूषण, सड़कों पर दबाव और सुव्यवस्थित सार्वजनिक परिवहन की बढ़ती आवश्यकता डीयूएमटीएम की स्थापना को अत्यंत आवश्यक बनाती है।

डीयूएमटीएम की अवधारणा राष्ट्रीय शहरी परिवहन नीति 2006 के अंतर्गत प्रस्तावित यूएमटीए ढांचे के अनुरूप है। इस मॉडल में एकीकृत परिवहन प्राधिकरण को एक नोडल संस्था के रूप में परिकल्पित किया गया है, जो परिवहन संचालकों, नगर निकायों, यातायात पुलिस और सड़क अवसंरचना एजेंसियों को एक संस्थागत ढांचे में लाता है।

दिल्ली के संदर्भ में प्रस्तावित डीयूएमटीएम से रणनीतिक गतिशीलता योजना की निगरानी, मेट्रो, बस, क्षेत्रीय रेल और फीडर सेवाओं का एकीकरण, एजेंसियों के बीच समन्वय, अधिकार क्षेत्रों के ओवरलैप का समाधान और सार्वजनिक परिवहन की समग्र दक्षता में सुधार की अपेक्षा है। यह एकीकृत टिकटिंग प्रणाली, प्रभावी फीडर कनेक्टिविटी और परिवहन परियोजनाओं के समन्वित क्रियान्वयन को संभव बनाएगा।

यह पहल दिल्ली में शहरी परिवहन शासन में एक महत्वपूर्ण संस्थागत बदलाव का संकेत देती है। डीयूएमटीएम और इसके साथ प्रस्तावित डीयूटीएफ एक समर्पित वित्तीय तंत्र के रूप में शहर की दीर्घकालिक और बढ़ती परिवहन आवश्यकताओं के अनुरूप एकीकृत शहरी गतिशीलता योजना को सक्षम बनाएंगे। सरकारी अधिसूचना के अनुसार, टास्क फोर्स तीन सप्ताह के भीतर अपनी सिफारिशें प्रस्तुत करेगी, जिसके बाद विधेयक को विधायी प्रक्रिया के माध्यम से अंतिम रूप देने की प्रक्रिया प्रारंभ की जाएगी।

लापता बच्चों को लेकर अफवाहों पर दिल्ली पुलिस की सख्त चेतावनी, कहा - घबराने की जरूरत नहीं, मामलों में दर्ज हुई है कमी

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजधानी में बच्चों समेत लापता व्यक्तियों के मामलों को लेकर सोशल मीडिया और कुछ माध्यमों में फैल रही खबरों पर दिल्ली पुलिस ने स्पष्ट किया है कि ऐसी किसी भी तरह की घबराहट या भय का कोई आधार नहीं है। पुलिस के अनुसार जनवरी दो हजार छब्बीस में लापता मामलों की संख्या पिछले वर्षों की समान अवधि की तुलना में बढ़ी नहीं है, बल्कि इनमें कमी दर्ज की गई है।

पुलिस प्रवक्ता एवं संयुक्त पुलिस आयुक्त संजय त्यागी ने बताया कि राजधानी में अपराध और लापता मामलों की रिपोर्टिंग पूरी पारदर्शिता के साथ की जाती है। किसी भी व्यक्ति के लापता होने की सूचना स्थानीय थाने, ऑनलाइन माध्यम या आपात सेवा नंबर के जरिये तुरंत दर्ज कराई जा सकती है। तय प्रक्रिया के तहत हर मामले में तुरंत कार्रवाई की जाती है, जिसमें बच्चों से जुड़े मामलों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाती है।

उन्होंने बताया कि दिल्ली के सभी जिलों में विशेष लापता व्यक्ति दस्ते गठित किए गए हैं, जबकि अपराध शाखा में मानव तस्करी विरोधी इकाई सक्रिय रूप से कार्य कर रही है। इन इकाइयों के माध्यम से बच्चों और अन्य लापता व्यक्तियों की तलाश के लिए लगातार अभियान चलाए जा रहे हैं। अब तक किसी भी मामले में किसी संगठित गिरोह की संलिप्तता सामने नहीं आई है।

पुलिस ने यह भी खुलासा किया है कि कुछ लोग जानबूझकर गलत आंकड़े पेश कर डर फैलाने की कोशिश कर रहे हैं। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि ऐसी कई पोस्ट और खबरें आर्थिक लाभ के उद्देश्य से प्रचारित की जा रही हैं। पुलिस ने चेतावनी दी है कि अफवाह फैलाने वालों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

दिल्ली पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि वे सोशल मीडिया पर चल रही अपुष्ट खबरों पर भरोसा न करें और किसी भी संदिग्ध सूचना की पुष्टि आधिकारिक माध्यमों से ही करें। पुलिस का कहना है कि राजधानी में कानून व्यवस्था पूरी तरह नियंत्रण में है और लापता व्यक्तियों को उनके परिजनों से मिलाने के लिए हरसंभव प्रयास किए जा रहे हैं।

इस बीच, दिल्ली से सांसद एवं केंद्रीय मंत्री हर्ष मल्होत्रा ने भी इन खबरों को निराधार बताते हुए कहा कि लोगों में बेवजह भय का माहौल बनाया

जा रहा है। उन्होंने आम जनता से संयम बरतने और अफवाहों से दूर रहने की अपील की।

दिल्ली पुलिस ने दोहराया कि किसी भी लापता व्यक्ति की सूचना मिलते ही तुरंत कार्रवाई की जाती है और बच्चों की सुरक्षा को लेकर कोई समझौता नहीं किया जाएगा। अफवाहों के बजाय वास्तविक तथ्यों पर भरोसा करना ही समाज के हित में है।

अरविंद केजरीवाल ने जनकपुरी में हुए सड़क हादसे पर जताया दुख

नई दिल्ली (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी (आआपा) के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने जनकपुरी में हुए सड़क हादसे पर दुख व्यक्त करते हुए सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने इस घटना को हादसा नही हत्या बताया। आपा के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने शुक्रवार को एक्स पर पोस्ट कर दिल्ली जल बोर्ड की निर्माणाधीन सड़क पर गड्ढे में गिरने से एक मोटरसाइकिल सवार की मौत पर दुख जताते हुए कहा कि नोएडा की घटना से भी सरकार ने कुछ नहीं सीखा। घोर लापरवाही और गैर-जिम्मेदार रवैया अब सरकारों की पहचान बन चुका है, जिसका खामियाजा आम जनता भुगत रही है। अरविंद केजरीवाल ने कहा, 'ईश्वर उस परिवार को शक्ति दें, जिसने सरकार की लापरवाही की वजह से अपना बच्चा खो दिया।' उल्लेखनीय है कि शुक्रवार को जनकपुरी में दिल्ली जल बोर्ड की निर्माणाधीन सड़क पर गड्ढे में गिरने से कमल नामक मोटरसाइकिल सवार की मौत हो गई थी।

दिल्ली विधानसभा की विशेषाधिकार समिति ने पंजाब सरकार से 12 फरवरी तक मांगा जवाब

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष की सिख गुरुओं पर टिप्पणी का मुद्दा लगातार गर्माया हुआ है। अब दिल्ली विधानसभा की विशेषाधिकार समिति ने पंजाब सरकार के अतिरिक्त मुख्य सचिव (गृह) को पंजाब पुलिस की कार्रवाई के मामले में 12 फरवरी तक लिखित जवाब प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही, पंजाब के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) और जालंधर के पुलिस आयुक्त से भी लिखित जवाब मांगा है। यह निर्देश कैबिनेट मंत्री कपिल मिश्रा के खिलाफपंजाब पुलिस की ओर से दर्ज एफआईआर पर दिल्ली विधानसभा सचिवालय द्वारा मांगी सूचनाओं एवं दस्तावेजों को उपलब्ध न कराए जाने तथा पंजाब पुलिस अधिकारियों के आचरण से संबंधित है। विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने मामले की गंभीरता को देखते हुए इस पूरे प्रकरण की जांच पहले ही विशेषाधिकार समिति को सौंप दी है। यह प्रकरण गत 6 जनवरी को दिल्ली विधानसभा के सदन में दिए प्रतिपक्ष की नेता आतिशी के वक्तव्यों के संबंध में पंजाब पुलिस की कार्रवाई से जुड़ी है। यह मामला एक निजी व्यक्ति की शिकायत पर दर्ज प्राथमिकी (एफआईआर) और पंजाब पुलिस द्वारा विधानसभा की कार्यवाही के एक वीडियो क्लिप के छेड़छाड़ (एडिटेड या डॉक्टर्ड) किए जाने संबंधी सार्वजनिक बयानों के बाद उत्पन्न हुआ। पंजाब पुलिस अधिकारियों से प्राप्त उत्तरों एवं सचिवालय के समक्ष रखी गई सामग्री की जांच के बाद दिल्ली विधानसभा के अध्यक्ष ने यह निष्कर्ष निकाला है कि प्रथम दृष्टया विशेषाधिकार उल्लंघन एवं अवमानना का मामला बनता प्रतीत होता है। विशेषाधिकार समिति को संबंधित अधिकारियों और इस प्रकरण में संलिप्त पाए जाने वाले अन्य व्यक्तियों के आचरण की जांच कर नियमावली के अनुसार सदन के समक्ष अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं।

दिव्यांग अभ्यर्थियों के लिए केंद्र चयन में पूरी छूटः संघ लोक सेवा आयोग ने परीक्षा व्यवस्था में किए व्यापक बदलाव, नए परीक्षा केंद्र भी जोड़े

नई दिल्ली (शिखर समाचार) संघ लोक सेवा आयोग ने वर्ष 2026 की सिविल सेवा तथा भारतीय वन सेवा प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए आवेदन और परीक्षा संचालन प्रणाली में व्यापक सुधारों की घोषणा की है। आयोग का उद्देश्य अभ्यर्थियों को अधिक सुविधाजनक, सुरक्षित और पारदर्शी व्यवस्था उपलब्ध कराना है। नई व्यवस्था विशेष रूप से दिव्यांग श्रेणी के अभ्यर्थियों को ध्यान में रखकर तैयार की गई है, ताकि उन्हें परीक्षा केंद्र चयन में किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। आयोग ने सिविल सेवा परीक्षा के लिए 933 और भारतीय वन सेवा परीक्षा के लिए 80 पदों की रिक्तियां घोषित की हैं।

आयोग ने आवेदन प्रक्रिया को सरल और तकनीकी रूप से अधिक सुरक्षित बनाने के लिए नया ऑनलाइन आवेदन मंच विकसित किया है। यह मंच आवेदन भरने से लेकर परीक्षा प्रबंधन तक की पूरी प्रक्रिया को एकीकृत रूप में संचालित करेगा। नई प्रणाली से अभ्यर्थियों को आवेदन में होने वाली त्रुटियों से बचने और समय की बचत में सहायता मिलेगी, साथ ही परीक्षा से जुड़े सभी चरणों में पारदर्शिता बढ़ेगी।

दिव्यांग अभ्यर्थियों को बड़ी राहत देते हुए परीक्षा केंद्र आवंटन के नियमों में महत्वपूर्ण परिवर्तन किया गया है। अब दिव्यांग वर्ग के अभ्यर्थियों के लिए किसी भी परीक्षा केंद्र की सीट संख्या की सीमा लागू नहीं होगी। पहले निर्धारित क्षमता पूरी होते ही केंद्र चयन बंद हो जाता था, जिससे कई अभ्यर्थियों को दूरस्थ स्थान चुनने पड़ते थे। संशोधित व्यवस्था के अनुसार किसी केंद्र की सामान्य क्षमता पूरी होने पर वह केंद्र सामान्य अभ्यर्थियों के लिए बंद हो जाएगा, लेकिन दिव्यांग अभ्यर्थी उसी केंद्र का चयन करते रह सकेंगे। आवश्यकता होने पर अतिरिक्त बैठक व्यवस्था भी सुनिश्चित की जाएगी। आयोग के अध्यक्ष अजय कुमार ने बताया कि पिछले पांच वर्षों के परीक्षा आंकड़ों के अध्ययन में पाया गया कि दिल्ली, कटक, पटना और लखनऊ जैसे प्रमुख शहरों के परीक्षा केंद्र बहुत जल्दी भर जाते हैं। इससे दिव्यांग अभ्यर्थियों को विशेष कठिनाई होती थी। नई व्यवस्था लागू होने के बाद दिव्यांग अभ्यर्थियों को अपने मनचाहे केंद्र पर परीक्षा देने का अवसर सुनिश्चित होगा।

परीक्षा केंद्रों पर बढ़ते दबाव को कम करने के उद्देश्य से आयोग ने नए शहरों को भी परीक्षा केंद्रों की सूची में शामिल किया है। प्रारंभिक परीक्षा के लिए मेरठ, कानपुर और भुवनेश्वर को नए केंद्र के रूप में जोड़ा गया है, जिससे कुल केंद्रों की संख्या 80 से बढ़कर 83 हो गई है। मुख्य परीक्षा के लिए भुवनेश्वर, श्रीनगर और इम्फाल को शामिल करते हुए केंद्रों की संख्या 24 से बढ़ाकर 27 कर दी गई है। इससे विभिन्न क्षेत्रों के अभ्यर्थियों को नजदीक में परीक्षा देने की सुविधा मिलेगी।

नए आवेदन मंच में केंद्र चयन से जुड़ी एक अतिरिक्त सुविधा भी दी गई है। अभ्यर्थी निर्धारित परीक्षा केंद्रों के अलावा अपने नजदीकी पसंदीदा शहरों का भी चयन कर सकेंगे। आयोग इस जानकारी को अभ्यर्थी रुचि सर्वेक्षण के रूप में संकलित करेगा और भविष्य में जहां संभव होगा, वहां नए परीक्षा केंद्र स्थापित करने पर विचार करेगा।

परीक्षा की शुचिता और पहचान सत्यापन को मजबूत बनाने के लिए फोटो मिलान और चेहरा पहचान तकनीक को भी प्रणाली में जोड़ा गया है। इससे परीक्षा के विभिन्न चरणों में अभ्यर्थी की पहचान की पुष्टि अधिक सटीक ढंग से हो सकेगी और किसी प्रकार की गड़बड़ी की संभावना कम होगी।

आयोग ने स्पष्ट किया है कि नई व्यवस्थाएं निष्पक्ष चयन, पारदर्शी प्रक्रिया, समावेशी भागीदारी और अभ्यर्थी सुविधा को ध्यान में रखकर लागू की गई हैं। परीक्षा प्रणाली को समयानुकूल और विश्वसनीय बनाने की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

राहगीरों को पकड़ कर आरोपी नहीं बना सकते : हाईकोर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली उच्च न्यायालय ने पिछले महीने तुर्कमान गेट में फैज-ए-इलाही मस्जिद के पास तोड़फोड़ के दौरान पत्थरबाजी के मामले में अहम टिप्पणी की है। उच्च न्यायालय ने कहा है कि इस घटना के दौरान पुलिस भीड़ का हिस्सा होने के लिए राहगीरों को पकड़ कर आरोपी नहीं बना सकती। न्यायमूर्ति प्रतीक जालान की पीठ ने यह टिप्पणी भीड़ को भड़काने के आरोपी एक व्यक्ति की अग्रिम जमानत याचिका पर सुनवाई के दौरान की। पीठ ने दिल्ली पुलिस से साजिद इकबाल की अग्रिम जमानत याचिका पर एक स्टेटस रिपोर्ट दाखिल करने को कहा है। दिल्ली पुलिस के वकील ने कहा कि एजेंसी मामले में गहरी साजिश की जांच कर रही है। पुलिस का दावा है कि आरोपी ने बैरिकेड हटाकर भीड़ को भड़काया था। अदालत को आरोपी के वकील की तरफ से घटना का एक वीडियो दिखाया गया। पीठ ने इसके बाद पुलिस से वीडियो को सही टाइम स्टैम्प के साथ रिकॉर्ड पर लाने को कहा है। पीठ ने कहा कि कि भले ही याचिकाकर्ता भीड़ का हिस्सा था, अशांति में उसकी खास भूमिका पर विचार किया जाना चाहिए। पीठ ने कहा कि अगर वीडियो में दिख रहा है कि वह भड़का रहा है, तो आप सही हैं। अगर वह वहां से गुजर रहा है, तो पुलिस का दावा सही नहीं है। पीठ ने पुलिस से कहा कि अगर आप उस इलाके में सभी को उठा रहे हैं, तो इसकी इजाजत नहीं होगी। इस मामले को अगले सप्ताह सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया गया है। याचिकाकर्ता के वकील ने कहा कि वह उस भीड़ का हिस्सा नहीं था, जिसने पत्थरबाजी की थी। उन्होंने कहा कि याचिकाकर्ता बस अपने रिश्तेदार के घर से वापस आ रहा था, जब उसे भीड़ में धकेल दिया गया। जमानत याचिका खारिज हुई थी इससे पहले सत्र अदालत ने 21 जनवरी को आरोपी की अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी थी। सत्र अदालत का कहना था कि अभी मामले की जांच प्राथमिक स्तर पर है। यह है मामला यह मामला छह जनवरी की रात को रामलीला मैदान इलाके में मस्जिद के पास अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई के दौरान हुई हिंसा से जुड़ा है। पुलिस ने कहा कि सोशल मीडिया पर अफवाह फैलाई गई कि तुर्कमान गेट के सामने वाली मस्जिद को तोड़ा जा रहा है।

गड्ढे में गिरकर बाइक सवार की मौत, मंत्री सूद बोले- दोषियों को दी जाएगी सख्त सजा

नई दिल्ली (एजेंसी)। जनकपुरी के जोगिंदर सिंह मार्ग पर जल बोर्ड के चल रहे काम के दौरान खुदे गड्ढे में गिरकर गुरुवार रात एक बाइक सवार युवक की मौत हो गई। मृतक की पहचान पालम निवासी कमल (25) के रूप में हुई है। दिल्ली के कैबिनेट मंत्री आशीष सूद ने युवक की मौत पर दुख व्यक्त करते हुए कहा कि घटना की जांच के निर्देश दे दिए गए हैं और दोषियों को सख्त सजा दी जाएगी।

मंत्री आशीष सूद ने आज घटनास्थल पर पहुंचे और मृतक के परिजनों से मुलाकात की। उन्होंने कहा कि दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और पूरी सरकार इस दुख की घड़ी में पीड़ित परिवार के साथ खड़ी है। घटना की जांच के निर्देश दे दिए गए हैं और दोषियों को सख्त सजा दी जाएगी।

मंत्री सूद ने पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा कि सरकार ने दिल्ली जलबोर्ड को इस तरह के काम के लिए सभी सावधानियों की जांच करने का निर्देश दिया है। अगर किसी की कोई कमी पाई गई तो उसे बख्शा नहीं जाएगा। पुलिस सीसीटीवी की जांच कर रही है, कैसे दुर्घटना हुई। जांच में अगर किसी अधिकारी की कमी पाई गई तो उसे बख्शा नहीं जाएगा।

दिल्ली जल बोर्ड ने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पोस्ट करते हुए जनकपुरी में जल बोर्ड की पाइपलाइन पुनर्वास परियोजना के दौरान हुई दुखद दुर्घटना पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए शोकाकुल परिवार के साथ संवेदना प्रकट करता है। घटना की जांच के लिए समिति गठित की गई है और किसी भी स्तर पर लापरवाही पाए जाने पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। सभी कार्यस्थलों पर सुरक्षा व्यवस्थाओं की नियमित जांच जारी है। नागरिकों से अनुरोध है कि किसी भी असुरक्षित कार्यस्थल की सूचना टोल-फ्री नंबर 1916 पर दें।

आम आदमी पार्टी के दिल्ली संयोजक सौरभ भारद्वाज ने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट करते हुए घटना पर दुख जताते हुए कहा कि सड़क पर हुए गड्ढे गिरकर युवक की मौत हो गई। नोएडा की घटना से दिल्ली की भाजपा सरकार ने कुछ नहीं सीखा। उन्होंने कहा कि मुख्य सड़क को जलबोर्ड ने खुदा था। स्थानीय आरडब्ल्यूए ने इस खतरे के बारे में अधिकारियों से कई बार शिकायत की थी, लेकिन किसी ने नहीं सुनी? यह त्रासदी तो होनी ही थी। शिकायतों के बावजूद, इस जानलेवा सड़क को जानमाल के नुकसान से बचाने के लिए ठीक से बैरिकेड नहीं किया गया था।

मुख्यमंत्री डैशबोर्ड जिला अनुश्रवण पुस्तिका : डीएम रविन्द्र कुमार माँदड़ की अध्यक्षता में हुई समीक्षा बैठक

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। महात्मा गांधी सभागार कलेक्ट्रेट में जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार माँदड़ की अध्यक्षता में मुख्यमंत्री डैशबोर्ड जिला अनुश्रवण पुस्तिका (विकास कार्यों से सम्बंधित) दिसम्बर माह से सम्बंधित समीक्षा बैठक आहूत हुई। पुस्तिका में प्रदर्शित 85 बिन्दुओं में से 8 बिंदु जनपद से सम्बंधित नहीं थे, शेष में 56 बिंदु प्राप्त हुआ। जिलाधिकारी ने बी, सी व डी ग्रेड लाने वाले विभागों के प्रति नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि वह अपनी कार्य प्रणाली में सुधारात्मक कार्य करें और अपने विभाग से सम्बंधित कार्यों की प्रतिदिन मॉनिटरिंग करें। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने सम्बंधित सभी विभागों के अध्यक्षों/अधिकारियों को निर्देशित किया कि पीएम सूर्य घर योजना के अधिक से अधिक प्रचार प्रसार करते हुए लाभार्थियों को लाभ दिलायें। उन्होने कहा कि पीएम सूर्य घर योजना का सभी को लाभ लेना चाहिए, जिससे कि हम लोग विद्युत पर ही निर्भर ना रहे। इसके साथ ही सोलर पैनल के अनेक फायदें है, इसलिए सभी को सोलर पैनल अवश्य लगवाने चाहिए। उन्होने अधिकारियों को निर्देशित किया कि फैमिली आईडी बनने से जो परिवार शेष रह गये हैं उन सभी की फैमिली आईडी बनाई जाएं। उन्होने सभी विभागाध्यक्षों को डीडी कृषि के माध्यम से फार्मर रजिस्ट्री कराने हेतु ग्राम सौंपते हुए निर्देशित किया कि शीघ्र ही फार्मर रजिस्ट्री से बचे किसानों की फार्मर रजिस्ट्री बनाना/कराना सुनिश्चित किया जाएं। जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार माँदड़ ने कहा कि पीएम सूर्य घर योजना, आरटीई के तहत दाखिलों, आयुष्मान कार्ड, फार्मर रजिस्ट्री, सरकारी आवास योजना, पेयजल योजना, छात्रवृति सहित आपूर्ति विभाग से सम्बंधित योजनाओं के अधिक से अधिक प्रचार प्रसार करते हुए लाभार्थियों को लाभ दिलायें। अधिकारियों को योजनाओं का प्रचार करने के साथ-साथ लाभार्थियों को अधिक से अधिक आवेदन करने हेतु निर्देशित किया। जिलाधिकारी महोदय ने जनप्रतिनिधियों, समाजसेवियों से अपील की कि ऐसे पात्र लाभार्थि जिन्हें योजनाओं का लाभ नहीं मिला है उन्हें जानकारी देते हुए आवेदन करने हेतु प्रेरित करें। आपके सहयोग से किसी की जरूरतमंद की सहायता हो सकती है। विभागध्यक्ष अपने विभाग से सम्बंधित योजनाओं की प्रगति की निरंतर मॉनीटरिंग करते रहें। उन्होने कहा कि दिए गए लक्ष्य के अनुरूप व गुणवत्तापूर्ण समय अन्तराल में कार्य पूर्ण कराना सुनिश्चित करें। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी अभिनव गोपाल, सीएमओ डॉ.अखिलेश मोहन, पीडी प्रदीप पाण्डेय, डीडीओ प्रज्ञा श्रीवास्तवा सहित सम्बंधित सभी विभागध्यक्षों/अधिकारियों/प्रतिनिधियों ने प्रतिभाग किया गया।

वर्ग धर्म की सीमाओं से ऊपर उठकर संगठित होने का संदेश, नगीना में विराट हिंदू सम्मेलन आयोजित

नगीना/बिजनौर (शिखर समाचार) नगर में रामलीला मैदान स्थित सरस्वती शिशु मंदिर एवं सरस्वती शिशु अंतर महाविद्यालय परिसर में विराट हिंदू सम्मेलन का आयोजन उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोगों की भागीदारी रही। वक्ताओं ने समाज को आपसी भेदभाव से ऊपर उठकर संगठित रहने, परिवार और बच्चों को संस्कारयुक्त शिक्षा देने तथा सांस्कृतिक मूल्यों को मजबूत करने का आह्वान किया। सम्मेलन से पहले नगर में भव्य कलश यात्रा निकाली गई। सैकड़ों महिलाएं बड़ा मंदिर मुक्तेश्वरनाथ परिसर में एकत्र हुईं और वहां से कलश लेकर शोभायात्रा प्रारंभ हुई। यात्रा नगर के प्रमुख मार्गों और बाजारों से होती हुई सम्मेलन स्थल पर पहुंची। पूरे मार्ग में धार्मिक उद्घोष और सांस्कृतिक गीतों से वातावरण भक्तिमय बना रहा। मुख्य अतिथि साध्वी प्राची ने अपने संबोधन में कहा कि समाज को जागरूक और संगठित रहने की आवश्यकता है। उन्होंने परिवार व्यवस्था, जनसंख्या संतुलन, मातृशक्ति की भूमिका और बेटियों को सजग व संस्कारित बनाने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि बच्चों को प्रारंभ से ही नैतिक शिक्षा, परंपराओं की जानकारी और धार्मिक संस्कार दिए जाने चाहिए, ताकि आने वाली पीढ़ी अपनी जड़ों से जुड़ी रहे। मुख्य वक्ता सेवादास सह प्रांत कार्यवाह ने कहा कि बदलती जीवन शैली के कारण नई पीढ़ी अपनी परंपराओं और संस्कृति से दूर होती जा रही है। उन्होंने जोर देकर कहा कि घर और शिक्षण संस्थानों में भारतीय संस्कृति आधारित शिक्षा दी जानी चाहिए, जिससे बच्चों में राष्ट्रभाव, अनुशासन और कर्तव्यबोध विकसित हो। कार्यक्रम के दौरान अतिथियों का स्वागत भगवा पगड़ी, शाल और भारत माता के चित्र भेंट कर किया गया। आयोजन की व्यवस्था और संचालन में संजय वर्मा, अनमोल कंसल, अनिल कुमार शर्मा, नरेश कुमार, राजकुमार बिश्नोई और सुनील बिश्नोई सहित अनेक कार्यकताओं का विशेष योगदान रहा। सम्मेलन शांतिपूर्ण और सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न हुआ।

शौचालय कर्मचारी की हत्या का लिंक रोड पुलिस ने किया खुलासा, दो हत्यारोपी गिरफ्तार

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। थाना लिंकरोड पुलिस ने बीती 3 फरवरी 2026 को हुई शौचालय कर्मचारी प्रेम की हत्या का खुलासा करने का दावा किया है। पुलिस ने प्रेम की हत्या के आरोप में दो हत्यारोपी सुखवीर और राकेश को चेकिंग के दौरान महाराजपुर से गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके कब्जे से 2 चाकू, मृतक का मोबाइल फोन व 1 सिम बरामद की। संवाददाता सम्मेलन में एसीपी साहिबाबाद श्वेता कुमारी यादव ने बताया कि अज्ञात व्यक्तियों द्वारा वैशाली मेट्रो स्टेशन के सामने बने शौचालय पर काम करने वाले कर्मचारी कर दी गई थी। हत्या के बाद सुपरवाइजर ने थाना लिंक रोड पर मुकदमा दर्ज करवाया था। हत्या का खुलासा करने के लिए टीमों का गठन किया गया और इलाके के सीसीटीवी कैमरे खंगाले गए। मौके से मृतक प्रेम का मोबाइल गायब था। पुलिस ने जब मोबाइल ट्रेस करना शुरू किया तो इन आरोपियों की लोकेशन पुलिस को मिलने लगी। जैसे ही दोनों आरोपी महाराजपुर पहुंचे तो चेकिंग कर रही पुलिस टीम ने इन दोनों को गिरफ्तार कर लिया। उन्होंने बताया कि यह दोनों नशे के आदी है और वैशाली मेट्रो स्टेशन के सामने बने शौचालय के पास नशा किया करते थे। इसी दौरान उनकी मुलाकात प्रेम से हो गई थी। जब यह शौच करने के लिए शौचालय में गए तो प्रेम ने इनसे से बाकाय 300 मांगे। जब इन्होंने पैसे नहीं दिए तो प्रेम ने इन्हें शौच करने से मना कर दिया। इस बात को लेकर इन दोनों के बीच में कहां सुनी हुई थी। पुलिस पूछताछ में हत्यारोपियों ने बताया कि बीती 3 फरवरी 2026 की दोपहर को वह शौचालय पर गए थे। वहां पर प्रेम मौजूद था। प्रेम ने उन्हें फिर से शौच करने के लिए मना कर दिया और बकाया पैसे की मांग की। दोनों ने प्रेम से बदला लेने के लिए पहले उसे शराब पिलाई और जैसे ही वह नशे में हो गया तो उसकी गला दबाकर हत्या कर दी।

डेयरी नौकर की हत्या का टीला मोड़ पुलिस ने किया खुलासा, एक सहकर्मी गिरफ्तार

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। थाना टीला मोड़ क्षेत्र के ग्राम रिस्तल में बीती 4 फरवरी 2026 को सत्यप्रकाश की डेयरी पर काम करने वाले एक नौकर सुनील की हत्या का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। इस मामले में पुलिस ने उसी डेयरी पर काम करने वाले आरोपी दुखराज उर्फ हीरा उर्फ अर्जुन को गिरफ्तार किया है। आरोपी की निशानदेही पर हत्या में प्रयुक्त कुल्हाड़ी भी बरामद कर ली गई है। एसीपी शालीमार गार्डन अतुल कुमार सिंह ने बताया कि थाना टीला मोड़ पर सूचना प्राप्त हुई थी कि दिल्ली निवासी वादी के भाई, जो ग्राम रिस्तल स्थित एक डेयरी में पिछले छह महीनों से काम कर रहा था, उसकी अज्ञात व्यक्ति द्वारा कुल्हाड़ी से वार कर हत्या कर दी गई है। सूचना के आधार पर पुलिस ने तत्काल मामला दर्ज कर जांच शुरू की। जांच के दौरान पुलिस ने डेयरी मालिक सहित अन्य स्थानीय लोगों से पूछताछ की। पूछताछ और एकत्रित साक्ष्यों के आधार पर पुलिस

ने उसी डेयरी पर काम करने वाले दुखराज को गिरफ्तार किया। पुलिस पूछताछ में आरोपी कि निशानदेही पर उसके द्वारा पहनी गई ओनी जर्सी तथा हत्या में प्रयुक्त कुल्हाड़ी बरामद की गई। पुलिस पूछताछ में सामने आया कि आरोपी पिछले कई वर्षों से उक्त डेयरी पर काम कर रहा था, जबकि मृतक सुनील पिछले पांच-छह महीनों से वहां कार्यरत था। दोनों के बीच अक्सर किसी न किसी बात को लेकर विवाद होता रहता था, जिससे आरोपी मृतक से रंजिश रखने लगा था और मौका तलाश कर रहा था। घटना वाली रात मृतक सुनील सो रहा था। कमरे में अंधेरा होने का फायदा उठाकर आरोपी ने पास में रखी कुल्हाड़ी से उसके सिर पर वार कर दिया, जिससे उसका सिर फट गया और मौके पर ही उसकी मौत हो गई।

पत्नी की हत्या की साजिश रचने वाला पति दो साथियों सहित पकड़ा, पांच लाख की सुपारी देकर कराई वारदात, दो चाकू बरामद

गढ़मुक्तेश्वर (शिखर समाचार) हापुड़ जनपद के गढ़मुक्तेश्वर क्षेत्र में बहादुरगढ़ थाना इलाके के गांव मोहम्मदपुर रुस्तमपुर में महिला की हत्या की सनसनीखेज घटना का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। इस मामले में महिला के पति समेत तीन लोगों को पकड़ लिया गया है। जांच में सामने आया है कि पति ने ही पांच लाख रुपये की सुपारी देकर योजनाबद्ध ढंग से पत्नी की हत्या करवाई थी। पुलिस ने आरोपियों के पास से वारदात में प्रयुक्त दो चाकू भी बरामद किए हैं। अपर पुलिस अधीक्षक विनीत भटनागर ने गिरफ्तारी के बाद जानकारी देते हुए बताया कि दो फरवरी की रात महिला रीता शर्मा की हत्या की गई थी। जांच के दौरान शक की सुई पति राहुल शर्मा पर गई। सख्ती से पूछताछ करने पर पूरे षड्यंत्र का खुलासा हो गया। राहुल ने स्वीकार किया कि घर में लंबे समय से कलह चल रही थी और पत्नी की बीमारी पर हो रहे खर्च को लेकर भी विवाद रहता था, जिससे वह परेशान था। राहुल ने अपने प्लास्टिक कारोबार में काम करने वाले गांव के ही शेरअली उर्फ शेरा और फिरोज के साथ मिलकर हत्या की योजना बनाई। तय योजना के अनुसार दो फरवरी की रात करीब आठ बजे तीनों ने कमरे के भीतर रीता का मुंह और गला दबाया और चाकू से वार कर उसकी हत्या कर दी। वारदात को अंजाम देने के बाद शक से बचने के लिए राहुल ने खुद को शादी समारोह में होने की बात कही और ससुराल से दूसरे पैतृक गांव जाकर रुक गया। तड़के करीब चार बजे वह घर के पिछले दरवाजे से लौटा और परिजनों को चोरी और लूट के दौरान हत्या होने की झूठी सूचना दी। पुलिस ने तकनीकी साक्ष्य और पूछताछ के आधार पर तीनों आरोपियों को धर दबोचा। पकड़े गए आरोपियों की पहचान राहुल शर्मा पुत्र विनोद शर्मा, शेरअली उर्फ शेरा पुत्र गुलहसन और फिरोज पुत्र महबूब, सभी निवासी ग्राम मोहम्मदपुर रुस्तमपुर, थाना बहादुरगढ़, जनपद हापुड़ के रूप में हुई है। गिरफ्तारी करने वाली टीम में प्रभारी निरीक्षक धीरज मलिक, उपनिरीक्षक बीबी सिंह, उपनिरीक्षक कफील अहमद, उपनिरीक्षक हरिपाल, मुख्य आरक्षी गजेंद्र और आरक्षी रजत शर्मा शामिल रहे। पुलिस ने तीनों को न्यायालय में पेश कर आगे की वैधानिक कार्रवाई शुरू कर दी है।

मोदीनगर: सैदपुर के जंगल में गन्ने के खेत से युवक का झुलसा शव मिला, परिजनों ने जताई हत्या की आशंका

मोदीनगर (शिखर समाचार) भोजपुर थाना क्षेत्र के सैदपुर गांव के जंगल में शुक्रवार दोपहर एक युवक का संदिग्ध अवस्था में शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। खेत पर काम कर रहे लोगों ने गन्ने के खेत के भीतर झुलसी हालत में शव पड़ा देखा तो तुरंत गांव में सूचना दी। खबर फैलते ही आसपास के ग्रामीण मौके पर जुट गए और पुलिस को सूचना दी गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू की। प्रारंभिक पड़ताल में मृतक की पहचान कादिर (25) पुत्र फरमान, निवासी सोलाना, थाना परतापुर, जनपद मेरठ के रूप में हुई। पहचान होने के बाद परिजन भी मौके पर पहुंच गए और उन्होंने युवक की हत्या किए जाने का आरोप लगाया।

परिजनों के अनुसार कादिर मेलों में झूला लगाने का काम करता था और करीब दस दिन पहले घर से निकला था। इसके बाद से उसका कोई संपर्क नहीं हो पा रहा था। अचानक जंगल में शव मिलने की सूचना से परिवार में कोहराम मच गया। उधर पुलिस का कहना है कि घटनास्थल के पास से बिजली का तार और तार काटने का औजार भी बरामद हुआ है। ऐसे में आशंका जताई जा रही है कि युवक की मौत बिजली के तार काटते समय करंट लगने से हुई हो सकती है। हालांकि पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच कर रही है।

शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और फॉरेंसिक साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई तय की जाएगी। मामले की विस्तृत जांच जारी है।

मां का ऋण असीम, सेवा ही सबसे बड़ा तीर्थ : कलराज मिश्र

दादरी/ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार) रूपवास गांव में माता अशरफी की 26वीं पूर्ण तिथि के अवसर पर आयोजित श्रद्धांजलि कार्यक्रम में पहुंचे पूर्व राज्यपाल तथा विश्व ब्राह्मण कल्याण परिषद के अध्यक्ष कलराज मिश्र ने मां के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि संसार में मां का ऋण कभी चुकाया नहीं जा सकता। मां ही जीवन देने वाली जन्मजननी है और वही व्यक्ति के व्यक्तित्व की पहली आधारशिला रखती है।

उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि मां अनमोल धरोहर है। जीवन में सबसे पहले मां और गुरु का स्थान आता है। मां ही बच्चे को बोलना, चलना, व्यवहार और संस्कार सिखाती है। उसके उपकार का मूल्य किसी भी रूप में अदा नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि मां की सेवा करते समय किसी प्रकार का संकोच नहीं होना चाहिए, क्योंकि सभी देवताओं में मां का स्थान सर्वोच्च माना गया है। कलराज मिश्र ने कहा कि माता-पिता की सेवा का फल अवश्य प्राप्त होता है। जो व्यक्ति सेवा भाव को अपनाता है, उसे जीवन में निराशा का सामना कम करना पड़ता है। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि सभी तीर्थ एक ओर हैं और मां की सेवा एक ओर, फिर भी मां की सेवा का महत्व सबसे बड़ा है।

कार्यक्रम में विद्वान वक्ता पंडित पीतांबर शर्मा ने भी अपने विचार रखते हुए कहा कि माता-पिता की सेवा करने में कभी झिझक नहीं होनी चाहिए। सच्चे मन से की गई सेवा का पुण्य जीवन को ऊंचाइयों तक पहुंचाता है। उन्होंने कहा कि मां के उपकार के महत्व को समझना और उसे जीवन में उतारना ही सच्ची श्रद्धा है।

इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी मंगलेश दुबे, पूर्व मंत्री नबाब सिंह नागर, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष बिजेंद्र भाटी, ब्लाक प्रमुख बिजेंद्र सिंह भाटी, बलवीर आर्य, बृजपाल अधिवक्ता, बालचंद वर्मा, परमानंद शर्मा, जितेंद्र प्रधान, टीकाराम शर्मा, धर्मवीर सिंह, भूले राम मुकद्दम, जीतराम सिंह, रामनिवास पहलवान सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे।

85 लाख की लूट का एक और आरोपी दबोचा, नकदी और हथियार बरामद, भेजा गया जेल

हापुड़ (शिखर समाचार) पिलखुवा क्षेत्र में मुनीम से हुई 85 लाख रुपये की सनसनीखेज लूटकांड में पुलिस ने कार्रवाई तेज करते हुए एक और आरोपी को पकड़ लिया है। पूछताछ और रिमांड के दौरान आरोपी के कब्जे से नकदी, मोटरसाइकिल और अवैध हथियार बरामद किए गए हैं। पुलिस ने आरोपी को न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया है।

पुलिस के अनुसार गौतमबुद्धनगर जिले के दादरी थाना क्षेत्र के दादूपुर खटाना गांव निवासी अजयपाल घी-तेल कारोबारी गोपाल गोयल के यहां मुनीम का काम करता है। 15 दिसंबर को वह हापुड़ में दो अलग अलग व्यापारियों से भुगतान की रकम लेकर मोटरसाइकिल से वापस लौट रहा था। एक व्यापारी से 55 लाख और दूसरे से 30 लाख रुपये वसूल कर वह गाजियाबाद की ओर जा रहा था। बताया गया कि जैसे ही वह सरस्वती अस्पताल के पास बने उड़ानपुल पर पहुंचा, तभी पीछे से आए मोटरसाइकिल सवार दो बदमाशों ने उसे रोक लिया। बदमाशों ने तमंचा दिखाकर धमकाया और रुपयों से भरा बैग छीनकर फरार हो गए। घटना के बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की थी। थाना प्रभारी निरीक्षक मनीष चौहान ने बताया कि जांच के दौरान सिम्भावली निवासी रिहान को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी से 35 हजार रुपये नकद बरामद हुए हैं। पहले की कार्रवाई में अन्य आरोपियों से करीब पांच लाख रुपये, मोटरसाइकिल और तमंचा भी बरामद किया जा चुका है। गिरोह के बाकी सदस्यों की तलाश में दबिश दी जा रही है।

दहेज उत्पीड़न मामले में फरार चल रहा आरोपी दबोचा, गढ़मुक्तेश्वर पुलिस की कार्रवाई

गढ़मुक्तेश्वर/हापुड़ (शिखर समाचार) जनपद में अपराध नियंत्रण और फरार आरोपियों की धरपकड़ के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत गढ़मुक्तेश्वर थाना पुलिस ने दहेज उत्पीड़न से जुड़े मुकदमे में वांछित एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने उसे दौताई नहर के पास से पकड़कर हिरासत में लिया और आगे की कानूनी प्रक्रिया शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार दर्ज मुकदमा संख्या 675/2025 में भारतीय न्याय संहिता की धारा 85, 115(2), 352, 351(3), 124(1) तथा दहेज प्रतिषेध अधिनियम की धारा 3/4 के अंतर्गत आरोपी की तलाश की जा रही थी। पकड़ा गया आरोपी माहिर पुत्र इस्लाम, निवासी ग्राम बदरखा, थाना गढ़मुक्तेश्वर है, जो घटना के बाद से फरार चल रहा था। थाना पुलिस को सूचना मिली कि आरोपी क्षेत्र में मौजूद है, जिसके आधार पर घेराबंदी कर उसे पकड़ लिया गया। गिरफ्तारी के बाद आरोपी से पूछताछ की जा रही है और न्यायालय में पेश करने की तैयारी की जा रही है। कार्रवाई करने वाली टीम में उपनिरीक्षक मनीष बालियान और कांस्टेबल गोपाल चौधरी सहित थाना गढ़मुक्तेश्वर पुलिस बल शामिल रहा। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि वांछित आरोपियों के विरुद्ध अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा।

जिलाधिकारी जसजीत कौर ने फरीदपुर मान में लगाई जनचौपाल, गांव पहुंचकर सुनीं शिकायतें और दिए तुरंत निस्तारण के निर्देश

बिजनौर (शिखर समाचार) ग्रामीण अंचल की समस्याओं को गांव स्तर पर ही सुनकर समाधान सुनिश्चित करने के उद्देश्य से चल रहे गांव की समस्या गांव में समाधान अभियान के अंतर्गत विकास खंड मोहम्मदपुर देवमल के ग्राम फरीदपुर मान में व्यापक जनचौपाल का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जिलाधिकारी जसजीत कौर स्वयं पहुंचीं और ग्रामीणों से सीधे संवाद कर उनकी परेशानियां जानीं। मौके पर मौजूद विभागीय अधिकारियों को प्राप्त शिकायतों पर त्वरित कार्यवाही के निर्देश दिए गए। चौपाल के दौरान जिलाधिकारी जसजीत कौर ने गांव में संचालित विकास कार्यों की वास्तविक स्थिति का भी स्थलीय परीक्षण किया। निरीक्षण क्रम में दो आंगनबाड़ी केंद्रों की व्यवस्थाओं को देखा गया, प्राथमिक विद्यालय और उच्च विद्यालय की शैक्षणिक व आधारभूत सुविधाओं की जानकारी ली गई तथा सीमेंट कंक्रीट सड़क निर्माण कार्य की गुणवत्ता परखने के निर्देश दिए गए। संबंधित अधिकारियों से कहा गया कि निर्माण कार्यों में मानक और पारदर्शिता से किसी प्रकार का समझौता न हो। खाद्य सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा करते हुए जानकारी दी गई कि गांव में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा कानून के अंतर्गत 496 राशन पत्रक धारक और सात अंत्योदय श्रेणी के लाभार्थी दर्ज हैं, जिन्हें नियमित रूप से खाद्यान्न दिया जा रहा है। इस पर कुछ ग्रामीणों ने आपत्ति दर्ज कराई कि पात्र होने के बावजूद उनके नाम सूची से हटा दिए गए हैं। जिलाधिकारी जसजीत कौर ने संबंधित विभाग को निर्देशित किया कि संपूर्ण लाभार्थी सूची प्रस्तुत कराई जाए और सक्षम स्तर से मिलान कर नाम कटने के कारणों की जांच कर आवश्यक सुधार किया जाए। जनचौपाल में खंड विकास अधिकारी मोहम्मदपुर देवमल राजवीर सिंह, सदर नायब तहसीलदार तथा विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने भाग लेकर अपनी समस्याएं दर्ज कराईं। प्रशासन की ओर से भरोसा दिलाया गया कि प्रत्येक शिकायत का समयबद्ध निस्तारण कराया जाएगा और पात्र व्यक्तियों को योजनाओं का लाभ दिलाना सर्वोच्च प्राथमिकता है।

आईसीएसएसआर सहयोग से आईएमएस गाजियाबाद में 18 और 19 फरवरी को दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन, तकनीक आधारित नवाचार और सतत व्यापार पर होगा मंथन

गाजियाबाद (शिखर समाचार) आईएमएस गाजियाबाद (विश्वविद्यालय पाठ्यक्रम परिसर) में भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद के सहयोग से दो दिवसीय सातवां अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन 18 और 19 फरवरी 2026 को आयोजित किया जाएगा। सम्मेलन का मुख्य विषय तकनीक प्रेरित नवाचार और सतत व्यावसायिक व्यवहार निर्धारित किया गया है। कार्यक्रम का आयोजन आईएमएस समूह के महासचिव सीए डॉ राकेश छारिया की अध्यक्षता तथा संस्थान की निदेशक प्रो. डॉ जसकिरण कौर के मार्गदर्शन में संपन्न होगा। निदेशक प्रो. डॉ जसकिरण कौर ने जानकारी देते हुए बताया कि वर्तमान वैश्विक परिदृश्य में तकनीक और नवाचार केवल प्रगति के साधन नहीं हैं, बल्कि जिम्मेदार और टिकाऊ भविष्य की मजबूत नींव भी हैं। यह सम्मेलन शिक्षकों, शोधकताओं, उद्योग विशेषज्ञों और विद्यार्थियों को एक साझा मंच उपलब्ध कराएगा, जहां शोध, अनुभव और विचारों का व्यापक आदान प्रदान होगा। इससे युवा शोधार्थियों को नवाचार, नैतिक नेतृत्व और दीर्घकालिक विकास की दिशा में काम करने की प्रेरणा मिलेगी। सम्मेलन में देश विदेश से अनेक प्रतिष्ठित शिक्षाविद और उद्योग विशेषज्ञों की भागीदारी प्रस्तावित है। इनमें वियतनाम, अमेरिका, ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया, साइप्रस सहित कई देशों के शिक्षाविद शामिल रहेंगे। विभिन्न विश्वविद्यालयों और औद्योगिक संस्थानों से जुड़े विशेषज्ञ तकनीक, प्रबंधन, नवाचार और डिजिटल क्षेत्र के नए आयामों पर अपने विचार प्रस्तुत करेंगे, जिससे कार्यक्रम का शैक्षणिक और व्यावहारिक स्तर और अधिक समृद्ध होगा।

आयोजन समिति के अनुसार सम्मेलन में प्रबंधन, पत्रकारिता, संगणक विज्ञान, उद्यमिता, नवाचार और विज्ञान विषयों से जुड़े शोध पत्र आमंत्रित किए गए हैं। अब तक देश और विदेश से 300 से अधिक शिक्षक और शोधार्थी अपने शोध पत्र भेजकर पंजीकरण करा चुके हैं। सम्मेलन को पांच प्रमुख धाराओं में विभाजित किया गया है। इनमें कृत्रिम बुद्धिमत्ता और आंकड़ा आधारित निर्णय प्रक्रिया, डिजिटल रूपांतरण और नवाचार प्रबंधन, साइबर सुरक्षा और जिम्मेदार तकनीकी नेतृत्व, सतत व्यापार और सामाजिक प्रभाव, तथा बहुविषयक दृष्टिकोण प्रमुख रहेंगे। प्रत्येक धारा में शोध पत्र प्रस्तुत किए जाएंगे, जिनका मूल्यांकन बाह्य और आंतरिक सत्र अध्यक्षों द्वारा किया जाएगा। दूसरे दिन समापन समारोह के साथ उत्कृष्ट शोध कार्यों को विशेष रूप से रेखांकित किया जाएगा।

घूसखोर पंडित के निर्देशक के खिलाफ एफआईआर दर्ज

प्रयागराज में एक्टर-डायरेक्टर का पुतला फूंका; कांग्रेस बोली- BJP सरकार घूसखोर

लखनऊ (एजेंसी)। यूपी में मनोज बाजपेयी की फिल्म घूसखोर पंडत के नाम को लेकर विरोध शुरू हो गया है। लखनऊ में फिल्म के डायरेक्टर के खिलाफ एफआईआर दर्ज हुई है। शिकायत सीएम के निर्देश पर खुद हजरतगंज कोतवाली में इंस्पेक्टर विक्रम सिंह ने कराई है। पुलिस का कहना है कि फिल्म का नाम और इसकी कहानी एक खास जाति और समुदाय, खासकर ब्राह्मण समाज को गलत तरीके से दिखाती है। इससे लोगों में नाराजगी फैल सकती है। कानून-व्यवस्था बिगड़ने का खतरा है। मायावती ने इसे ब्राह्मणों का अपमान बताया। केंद्र सरकार से फिल्म को बैन करने की मांग की। वहीं, यूपी कांग्रेस के प्रवक्ता ने कहा है कि घूसखोर ब्राह्मण नहीं, भाजपा

सरकार है। योगी सरकार में 700 से अधिक ब्राह्मणों की हत्या हो चुकी। मथुरा में श्रीकृष्ण जन्मभूमि संघर्ष न्यास के अध्यक्ष दिनेश फलाहारी महाराज ने पीएम मोदी को पत्र लिखा है। प्रयागराज के संतों ने भी फिल्म को लेकर कड़ी आपत्ति जताई है। श्रृंवेरपुर पीठाधीश्वर जगद्गुरु रामानुजाचार्य स्वामी नारायणाचार्य शांडिल्य जी महाराज ने कहा कि बॉलीवुड का रवैया दोहरा है। एक खास वर्ग को बार-बार टारगेट कर ऐसी फिल्में बनाई जाती हैं, जिससे समाज को बांटने का काम होता है। वहीं, अखिल भारतीय दंडी संन्यासी परिषद के अध्यक्ष स्वामी ब्रह्माश्रम महाराज ने कहा कि घूसखोर पंडत जैसी फिल्में सनातन परंपरा और आपसी भाईचारे को नुकसान पहुंचाती हैं। उन्होंने फिल्म को तत्काल बैन करने की मांग की है। इस बीच फिल्म के डायरेक्टर नीरज पांडेय ने ऑफिशियल बयान जारी किया। कहा- फिल्म के टाइटल से कुछ दर्शकों को ठेस पहुंची है। हम उन भावनाओं को समझते हैं। इसलिए हमने फिलहाल सभी प्रमोशनल मटेरियल हटाने का फैसला किया है।फिल्म घूसखोर पंडत को नीरज पांडेय और रीतेश शाह डायरेक्ट कर रहे हैं। फिल्म में मनोज बाजपेयी, नुसरत भरूचा और श्रद्धा दास प्रमुख किरदारों में नजर आ रहे हैं। इसका टीजर तीन दिन पहले रिलीज हुआ है। फिल्म इसी साल नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी। टीजर में मनोज बाजपेयी सीनियर इंस्पेक्टर अजय दीक्षित के किरदार में नजर आ रहे हैं, जिन्हें दिल्ली में पंडत के नाम से जाना जाता है। फिल्म में उन्हें एक बदनाम पुलिस अधिकारी के रूप में दिखाया गया है। टीजर के मुताबिक, दीक्षित 20 साल पहले सब-इंस्पेक्टर के रूप में भर्ती हुए थे। अपने कारनामों की वजह से उन्हें बार-बार डिमोट किया गया। एक बार वो घायल लड़की को बचाने के चक्कर में बुरी फंस जाते हैं, जिससे उनकी जिंदगी बदल जाती है। नीरज पांडेय वही निर्देशक हैं, जिन्होंने एमएस धोनी : द अनटोल्ड स्टोरी और बेबी जैसी फिल्में बनाई हैं।

संक्षिप्त डायरी

दहेज के लिए विवाहिता को पीटा, घर से निकाला

गीडा। थाना क्षेत्र के अहिरौली पटखौली गांव में दहेज की मांग पूरी न होने पर एक नवविवाहिता को शारीरिक और मानसिक रूप से प्रताड़ित कर घर से निकाल दिया गया। यह घटना दो लाख रुपये की अतिरिक्त दहेज मांग से जुड़ी है। पुलिस ने पीड़िता की शिकायत पर पति समेत अन्य आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। मामले की जांच शुरू कर दी गई है। शादी के कुछ ही समय बाद शुरू हुआ उत्पीड़न जानकारी के अनुसार, सहजनवा थाना क्षेत्र के तेनुहारी निवासी नेबुलाल निषाद ने अपनी पुत्री लक्ष्मीना का विवाह 10 दिसंबर 2023 को गीडा के अहिरौली पटखौली निवासी श्याम सुंदर (पुत्र बुद्धिराम) के साथ बड़े ही अरमानों से किया था। परिजनों का आरोप है कि शादी के कुछ समय तक सब ठीक रहा, लेकिन जल्द ही ससुराल पक्ष ने अपना असली रंग दिखाना शुरू कर दिया। दो लाख की मांग और जान से मारने की धमकी लक्ष्मीना का आरोप है कि उसके पति और ससुराल के अन्य सदस्य शादी में मिले दान-दहेज से संतुष्ट नहीं थे। वे मायके से दो लाख रुपये नकद लाने का दबाव बनाने लगे। जब असमर्थता जताई गई, तो प्रताड़ना का दौर शुरू हो गया। पीड़िता के साथ न केवल गाली-गलौज और मारपीट की गई, बल्कि उसे जान से मारने की धमकी देते हुए घर से बेदखल कर दिया गया। पुलिस की कार्रवाई बेसहारा होकर पीड़िता ने न्याय के लिए पुलिस का दरवाजा खटखटाया। गीडा पुलिस ने लक्ष्मीना की तहरीर के आधार पर पति श्याम सुंदर और ससुराल के अज्ञात लोगों के खिलाफ।

गोरखपुर में पीएम सूर्य घर योजना की समीक्षा

गोरखपुर। विकासखंड गोला में जिला विकास अधिकारी सतीश कुमार सिंह ने पीएम सूर्य घर योजना की प्रगति की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने योजना के लक्ष्यों को समयबद्ध तरीके से पूरा करने के सख्त निर्देश दिए। समीक्षा बैठक में विकासखंड क्षेत्र की सभी ग्राम पंचायतों के सचिव उपस्थित रहे। जिला विकास अधिकारी ने योजना के उद्देश्यों और लाभों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। श्री सिंह ने बताया कि प्रत्येक ग्राम पंचायत के लिए पीएम सूर्य घर योजना के तहत प्रति माह 10 लाभार्थियों का लक्ष्य निर्धारित किया गया है, जिसे हर हाल में पूरा करना अनिवार्य है। उन्होंने जोर दिया कि यह योजना आमजन को स्वच्छ और सस्ती ऊर्जा उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है, और इसके क्रियान्वयन में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। जिला विकास अधिकारी ने स्पष्ट शब्दों में चेतावनी दी कि समय पर लक्ष्य पूरा न करने वाले सचिवों और संबंधित कर्मचारियों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने सभी सचिवों से आपसी समन्वय बनाकर कार्य करने और अधिक से अधिक लोगों को योजना से जोड़ने का आह्वान किया। बैठक के बाद, जिला विकास अधिकारी ने विकासखंड कार्यालय और परिसर का निरीक्षण भी किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने साफ-सफाई, अभिलेखों के रख-रखाव और कार्यालय व्यवस्था को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए। अंत में, उन्होंने अधिकारियों और कर्मचारियों से शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं को गंभीरता से लेते हुए पारदर्शिता के साथ क्रियान्वित करने की अपील की।

फॉर्च्यूनर की टक्कर से कैमरामैन की मौत:गाड़ी पर पूर्व विधायक का नाम

गोरखपुर। के चिलुआताल थाना क्षेत्र में तेज रफ्तार फॉर्च्यूनर ने पल्सर बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों ने युवक को तत्काल हॉस्पिटल पहुंचाया। इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। फॉर्च्यूनर गाड़ी पर महराजगंज के पूर्व विधायक का नाम लिखा हुआ था। परिजनों ने इस मामले में थाने में तहरीर देते हुए दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजते हुए मामले की जांच शुरू कर दी है। बताया जा रहा है कि 2 फरवरी को राजेंद्र नगर भट्टी विहार कॉलोनी निवासी ज्ञानदीप त्रिपाठी (27), पुत्र सुरेश त्रिपाठी, मोहरीपुर रोड से बस्ती की ओर जा रहे थे। इसी दौरान मजगावा के पास सामने से आ रही तेज रफ्तार फॉर्च्यूनर कार ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि ज्ञानदीप गंभीर रूप से घायल हो गए। मौके पर मौजूद लोगों ने घायल युवक को तत्काल जिला अस्पताल पहुंचाया। इस दौरान लोगों ने दुर्घटनाग्रस्त फॉर्च्यूनर वाहन की तस्वीरें भी लीं। सूचना मिलने पर परिजन अस्पताल पहुंचे। हालत नाजुक देख उन्हें एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां इलाज के दौरान गुरुवार की देर रात उनकी मौत हो गई। ज्ञानदीप पेशे से शादी-विवाह समारोहों में कैमरा संचालन का कार्य करते थे। उनके परिवार में पत्नी और लगभग दो वर्ष का एक मासूम बच्चा है। अचानक हुई इस दुर्घटना से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। बताया जा रहा है कि जिस फॉर्च्यूनर कार से हादसा हुआ, वह वाहन महाराजगंज के पूर्व विधायक के नाम से पंजीकृत है। हालांकि वाहन उस समय कौन चला रहा था, इसे लेकर पुलिस जांच कर रही है। युवक की मौत के बाद परिजनों ने तहरीर देकर पोस्टमार्टम कराए जाने और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजते हुए मामले की जांच शुरू कर दी है।

फेसबुक पर आया लिंक, क्लिक करते ही अकाउंट खाली

आगरा। साइबर अपराधियों ने कागारौल के एक व्यक्ति से 11 लाख रुपए की ठगी कर ली। पीड़ित को फेसबुक पर एक लिंक के माध्यम से व्हाट्सएप ग्रुप से जोड़ा गया। मुनाफा और कमीशन के नाम पर दो खातों की जानकारी लेकर रकम हड़प ली। अब फर्जी खाते में 12 लाख रुपए दर्शाकर 7500 रुपए की मांग की जा रही है। पीड़ित की शिकायत पर थाना साइबर क्राइम में प्राथमिकी दर्ज की गई है। अकोला, कागारौल निवासी बिजेंद्र सिंह चाहर के साथ घटना हुई। उन्होंने पुलिस को बताया कि फेसबुक पर एक लिंक देखा था। इस लिंक पर क्लिक करने के बाद एक व्हाटसएप ग्रुप से जोड़ लिया गया। इसके बाद कई लोगों ने अलग-अलग नंबर से बात की। कमीशन का झांसा दिया गया। दो बैंक खातों की जानकारी ले ली। इसमें से 11 लाख रुपए धोखाधड़ी करके निकाल लिए गए। आरोपियों ने ग्रुप पर एक लिंक भी भेजा है।

किराए पर थार लेकर लूटपाट करने वाले 7 बदमाश गिरफ्तार

लखनऊ (एजेंसी)। लखनऊ पुलिस ने थार में लिफ्ट देने के बहाने लूटपाट करने वाले गिरोह का भंडाफोड़ किया है। बीकेटी पुलिस और क्राइम ब्रांच की संयुक्त टीम ने 7 बदमाशों को गिरफ्तार किया है। बदमाशों ने अलग-अलग स्थानों पर 3 लोगों से लूटपाट की थी। गिरफ्तार किए गए 2 बदमाश के खिलाफ पहले से ही लूट सहित अन्य आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। थाना प्रभारी सैरपुर को आज, 6 फरवरी को सूचना मिली कि एक बिना नंबर की थार गाड़ी इंदौरा बाग अंडरपास से रैथा रोड होते हुए लोधमऊ किसान पथ की ओर जा रही है। सूचना पर उन्होंने घेराबंदी करके लोध मऊ अंडरपास की सर्विस रोड पर थार रोकवाई। उसमें 4 युवक सवार थे। पुलिस टीम ने जांच की तो उनके पास से 2 तमंचा, कारतूस, 3 मोबाइल और 40,130 रुपये नकद बरामद किए। उनकी पहचान ऋषभ गोस्वामी (23), अक्षय कुमार (25), आलोक (19) और शुभम पांडेय (20) के रूप में हुई। पूछताछ में चारों ने बताया कि वे किराए पर थार लेकर लिफ्ट देने के बहाने लोगों से लूटपाट करते थे। उन लोगों ने अपने 2 अन्य साथियों ज्ञानी (20) और राम सफल (30) के साथ मिलकर 3 लोगों को अलग-अलग स्थानों पर लूटा है। पुलिस ने ज्ञानी और रामसफल को भी गिरफ्तार कर लिया। बदमाशों ने बताया कि आज, 6 फरवरी की सुबह चिनहट इलाके लिफ्ट देने के बहाने गाड़ी में बैठाकर बहराइच में जा रहे अध्यापक बलराम पटेल से मोबाइल फोन और 500 रुपए लूटा था। 3 फरवरी को सरोजनीनगर क्षेत्र में कानपुर के रावतपुर निवासी हुसैन से 5400 रुपये, घड़ी लूटी थी।

जन सेवा केंद्र पर रोका ओर धमकाते हुए एक लाख रुपये गूगल पे पर ट्रांसफर कराए थे। 1 फरवरी को घाटमपुर, कानपुर निवासी हृदय नारायण को सैरपुर थाना क्षेत्र में लूटा था। एडीसीपी नॉर्थ ने बताया कि बदमाश महंगे शौक पूरा करने के लिए लूटपाट करते थे।

बिछी नहीं पीने की पाइपलाइन: भेजा 25 हजार रुपए का बिल

राजाजीपुरम। के दरियापुर स्थित लेबर कॉलोनी में पानी का कनेक्शन नहीं है। लोगों को जलकर का 25 हजार से ऊपर तक का बकाया बिल भेजा जा रहा है। बिल मिलने के बाद लेबर कॉलोनी के लोग परेशान हैं। अचानक से हजारों का बिल आने के बाद महिलाएं उत्पीड़न का आरोप लगा रही हैं। इस मामले में लेबर कॉलोनी की महिलाएं शुक्रवार को नगर निगम मुख्यालय पहुंची। जहां महिलाओं ने जलकल विभाग के खिलाफ प्रदर्शन किया। महिलाओं का आरोप है कि उनके घर पर कभी पानी का कनेक्शन नहीं लगा है। बावजूद इसके हर किसी को भारी भरकम

बिल थमा दिया गया है। घरों में काम करके परिवार पालती हैं लेबर कॉलोनी निवासी रश्मि ने बताया कि, हम लोग गरीब हैं, किसी तरह घरों में काम कर परिवार का भरण-पोषण करते हैं। अब जलकल विभाग की ओर से 16000 रुपए का बकाया बिल भेज दिया गया। इसे भर पाना बहुत मुश्किल है। अंजलि ने बताया कि, दूसरे घरों में झाड़ू-पोछा करती हूं। घर में पानी का कनेक्शन नहीं है, लेकिन पानी का बकाया बिल 22400 रुपए भेजा गया है। बुजुर्ग बोली कोई कमाने वाला नहीं 90 साल की बुजुर्ग विश्वा ने बताया कि, उनके घर में कमाने वाला कोई नहीं है। बावजूद इसके बकाये के तौर पर 20500 रुपए का बिल भेजा है। इन सभी महिलाओं का कहना है कि बिल को जमा करने के लिए किसी से उधार लिया जा सकता है। पर जब पानी का कनेक्शन ही नहीं हुआ है तो इतना भारी भरकम बिल जमा करने का सवाल नहीं उठता है। महिलाओं ने चेतावनी दी है कि अगर उनका बिल माफ नहीं होता है तो मजबूरन उन्हें नगर निगम मुख्यालय पर धरना देना पड़ेगा। महिलाओं का कहना है कि, सुनवाई के लिए नगर निगम में कोई उच्च अफसर नहीं मिला।

न्यायिक अधिकारी को धमकी देने वाला नाविक गिरफ्तार

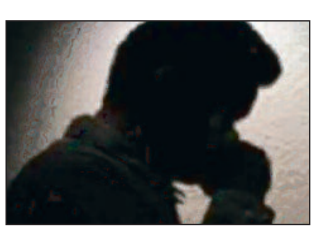

आगरा। एक गलत मोबाइल नंबर से की गई कॉल एक नाविक को भारी पड़ गई। न्यायिक अधिकारी को फोन पर धमकी देने और 10 लाख रुपये की रंगदारी मांगने के मामले में हरीपर्वत पुलिस ने मुंबई से एक नाविक को गिरफ्तार किया है। आरोपी को कोर्ट में पेश कर 14 दिन की न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है। पत्नी के फोन पर आ रही थी मनचले की कॉल पुलिस के मुताबिक आरोपी अंकित निषाद मूल रूप से शहदपुर सुल्तानपुर का रहने वाला है और मुंबई में नाव चलाने का काम करता है। वह पत्नी के साथ वहीं रह रहा था। पूछताछ में अंकित ने बताया कि उसकी पत्नी के मोबाइल पर रात के समय लगातार किसी अज्ञात व्यक्ति की कॉल आ रही थी, जिससे वह परेशान थी। कई दिनों तक कॉल आने के बाद पत्नी ने यह बात अंकित को बताई और वह नंबर दिया, जिससे कॉल आ रही थी। अंकित ने गुस्से में उस नंबर पर फोन लगाया, लेकिन एक अंक गलत नोट होने की वजह से कॉल सीधे आगरा के एक न्यायिक अधिकारी के मोबाइल पर लग गई। कॉल रिसीव होते ही अंकित ने मनचला समझकर गाली-गलौज और धमकाना शुरू कर दिया।

गीताप्रेस की दूसरी फ्रेंचाइजी नेपाल के विराट नगर में

गोरखपुर। के गीताप्रेस ने धार्मिक पुस्तकों की अंतर्राष्ट्रीय पहुंच को मजबूत करने के लिए नई फ्रेंचाइजी योजना शुरू की है। इसके तहत दिसंबर 2025 में नेपाल के बुटवल में पहली फ्रेंचाइजी खोली गई थी। अब इस योजना का विस्तार करते हुए नेपाल के विराट नगर में दूसरी फ्रेंचाइजी खोलने का काम शुरू कर दिया गया है। इसके लिए स्थान तय कर लिया गया है और लगभग चार महीने में फ्रेंचाइजी तैयार हो जाएगी। नेपाल को ईस्टर्न और वेस्टर्न में बांटा गया काठमांडू ब्रांच मैनेजर जय किशन सराडा ने बताया- गीता प्रेस की किताबों की आम लोगों तक पहुंच आसान बनाने के लिए नेपाल को दो हिस्सों ईस्टर्न और वेस्टर्न में बांटा गया है। वेस्टर्न नेपाल के बुटवल में हाल ही में खोली गई फ्रेंचाइजी शंकर खनाल के संचालन में है। दूसरी फ्रेंचाइजी, जो विराट नगर में स्थापित की

जाएगी, देवेनरा ग्रुप के पास होगी। गीताप्रेस गोरखपुर के नियमों के साथ संचालन होगा हर फ्रेंचाइजी का संचालन गीताप्रेस, गोरखपुर के नियमों के अनुसार किया जाएगा। प्रत्येक फ्रेंचाइजी में एक मालिक और दो कर्मचारी होंगे। साथ ही, किसी भी स्थान पर खोली जाने वाली फ्रेंचाइजी को एक ही डिजाइन में तैयार किया जाएगा, ताकि गीता प्रेस की पहचान हर जगह समान बनी रहे। नेपाल के बुटवल में स्थित फ्रेंचाइजी में गीता प्रेस की सभी पुस्तकें उपलब्ध हैं। यहां हिंदी, अंग्रेजी, संस्कृत और नेपाली भाषाओं में पुस्तकें उपलब्ध हैं। 80 पुस्तकों का नेपाली अनुवाद हुआ गीता प्रेस की 80 विभिन्न पुस्तकों का नेपाली अनुवाद किया जा चुका है। 2026 के मध्य तक 100 पुस्तकों का अनुवाद करने का प्रयास किया जा रहा है। इन पुस्तकों में 9 धार्मिक ग्रंथ भी शामिल हैं। 100 पुस्तकों का नेपाली में अनुवाद पूरा होने के बाद नेपाल में एक भव्य आयोजन किया जाएगा, जिसमें इस उपलब्धि का उत्सव मनाया जाएगा। कार्यक्रम में देश के जाने-माने विशिष्ट अतिथि मुख्य रूप से शामिल होंगे। नेपाल में अनुवाद, गोरखपुर में प्रिंट सभी पुस्तकों का अनुवाद काठमांडू ब्रांच से किया जाता है और अंतिम रूप देकर गोरखपुर भेजा जाता है। जहां से प्रिंट होकर किताबें वापस काठमांडु ब्रांच पर पहुंचा दी जाती हैं। यहां से हम बुकसेलर और अन्य लोगों तक पहुंचाते हैं। नेपाल में सबसे ज्यादा श्रीमद भागवद्गीता की डिमांड बुटवल की फ्रेंचाइजी से प्रतिक्रिया बहुत अच्छी मिल रही है।

रिटेल के साथ-साथ होलसेल वितरण भी शुरू हो गया है। काठमांडु ब्रांच से होने वाली होलसेल बिक्री पर बुक सेलर्स को जो कमीशन मिलता है, उतना ही कमीशन फ्रेंचाइजी को भी दिया जाता है। नेपाल के अंदर गीताप्रेस के श्रीमदभागवद्गीता का सबसे ज्यादा डिमांड है। यह नेपाली और हिंदी भाषा में सबसे ज्यादा बिकती है।

लखनऊ के न्यू ताज होटल में लगी भीषण आग

लखनऊ (एजेंसी)। न्यू ताज होटल की निमार्णाधीन बिल्डिंग में भीषण आग लग गई। CNC मशीन में शॉर्ट सर्किट से आग लगी। कुछ ही सेकेंड में पूरा बेसमेंट आग की चपेट में आ गया। घटना के वक्त 300 मजदूर उस बिल्डिंग में काम कर रहे थे। उन्हें आनन-फानन में सुरक्षित निकाला गया। करीब साढ़े 3 घंटे से आग लगी है। फायर ब्रिगेड की 10 गाड़ियों की मदद से आग पर काबू पाने की कोशिश की जा रही है। पूरी बिल्डिंग में धुआं भर गया है। इसकी वजह से रेस्क्यू करने में काफी परेशानी हो रही है। बीए सेट पहनकर फायर ब्रिगेडकर्मी बिल्डिंग में घुसे हैं। बिल्डिंग के बेसमेंट में पेंट रखा था। जिससे आग तेजी से फैल गई। घटना गोमती नगर के विभूतिखंड इलाके की है। गोमती नगर के विभूति खंड में न्यू ताज होटल की 16 मंजिल की बिल्डिंग का निर्माण चल रहा है। करीब 300 मजूदर होटल के निर्माण में लगे हुए हैं। दोपहर करीब 3 बजे होटल के बेसमेंट में मजदूर CNC मशीन से पत्थर कटाई का काम कर रहे थे। इस दौरान मशीन में शार्ट-सर्किट से आग लग गई। मजदूर कुछ समझ पाते इससे पहले आग पास में ही रखे पेंट और फिर बिल्डिंग की फिनिशिंग के लिए रखे फॉम-प्लाई ओर दूसरे मटीरियल में फैल गई। प्लास्टिक सामान से भड़की आग बेसमेंट फर्स्ट में लगी आग बेसमेंट-2 में फैल गई। यहां रखी निर्माण सामग्री आग की चपेट में आ गई, जिससे पूरे परिसर में धुआं भर गया। बेसमेंट में बिजली के तार भी रखे हुए थे। आशंका है कि इन्हीं तारों के संपर्क में आने से आग और भड़की, जिसके बाद स्थिति गंभीर हो गई। 40 फायर कर्मी आग बुझाने में जुटे होटल

प्रबंधन की सूचना पर इंदिरानगर, पीजीआई, चौक, गोमतीनगर और हजरतगंज से फायर ब्रिगेड की गाड़ियां आईं। करीब 40 फायर कर्मी आग बुझाने में जुटे हैं। फायर ब्रिगेड की गाड़ियों से हौज पाइप बेसमेंट-1 तक पहुंचाकर आग बुझाई गई। बेसमेंट- 2 में पाइप नहीं पहुंच पाने के कारण आग बुझाने में कठिनाई आ रही है। होटल के एक हिस्से में आग और धुएं पर काबू पा लिया गया है, लेकिन जिस मुख्य हिस्से में आग लगी थी। वहां अभी पूरी तरह नियंत्रण नहीं हो सका है। दमकल विभाग की टीमें लगातार आग बुझाने में जुटी हुई हैं। आधे घंटे बाद फायर ब्रिगेड की गाड़ी पहुंची प्रत्यक्षदर्शी अब्दुला ने बताया- होटल में काम कर रहे मजदूरों ने आस-पास की बिल्डिंग से पानी लेकर आग बुझाने की कोशिश की। करीब आधे घंटे बाद फायर ब्रिगेड की गाड़ी मौके पर पहुंची और आग बुझाना शुरू किया। मजदूर संजीवन बोले- फोन कर बताया मजदूर संजीवन ने बताया- हम लोग होटल की ऊपरी मंजिल में काम कर रहे थे। आग लगने के बाद हम लोगों को ठेकेदार ने फोन करके बताया। सूचना मिलते ही हम सारे काम छोड़ कर सीढ़ियों से नीचे उतर गए। बिल्डिंग के बाहर मजदूरों की भीड़ जुट गई। मजदूर मोनी बोले- जान बचाकर भागे मजदूर मोनी ने बताया- सभी मजदूर आग लगने के बाद डर के भागने लगे थे। जिसको जैसे मिला वो अपनी जान बचाकर भागा। होटल के बाहर अफरा-तफरी का माहौल था। कुछ समझ नहीं आ रहा था कि क्या किया जाए। यूपी के पांचवें सबसे अमीर आदमी कारोबारी अनिल सिंह होटल का निर्माण कर रहे है। उन्होंने ताज ग्रुप से फ्रेंचाइजी ली है। वे एपको इंफ्राटेक प्राइवेट लिमिटेड कंपनी के मालिक हैं। इनके छोटे भाई विनोद जॉइंट मैनेजिंग डायरेक्टर हैं। इनके पास अपने चार्टर्ड प्लेन भी हैं। कंपनी का पंजीकृत कार्यालय लखनऊ और कॉर्पोरेट ऑफिस गुणगांव में है। इनकी कंपनी में 750 क्वालिफाइड इंजीनियर्स के साथ कुल 2 हजार 800 अन्य कर्मचारी काम करते अनिल सिंह मूलरूप से अयोध्या जिले की मिल्कीपुर तहसील की ग्राम पंचायत उपाध्यायपुर जमुनियामऊ के रहने वाले हैं। साल 2023 की हुरून इंटरनेशलन की इंडिया रिच लिस्ट में उनका नाम देश के 478वें और यूपी में पांचवें नंबर पर आया था। इस लिस्ट में कंपनी एपको इंफ्राटेक की माली हैसियत 4200 करोड़ बताई गई है।

आरटीई प्रवेश को लेकर डीएम मेघा रूपम की समीक्षा बैठक, कहा, पात्र बच्चों तक हर हाल में पहुंचे योजना का लाभ

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार) निःशुल्क एवं बाल शिक्षा अधिकार कानून (आरटीई) के तहत शैक्षिक सत्र 2026-27 में अलाभित और कमजोर वर्ग के बच्चों को निजी मान्यता प्राप्त गैर-सहायता प्राप्त विद्यालयों में प्रवेश दिलाने की तैयारियों की जिलाधिकारी मेघा रूपम ने कलेक्ट्रेट में समीक्षा की। बैठक में शिक्षा विभाग और अन्य संबंधित इकाइयों के अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए गए कि पूरी प्रक्रिया पारदर्शी, समयबद्ध और जवाबदेह तरीके से पूरी कराई जाए तथा कोई भी पात्र बच्चा योजना से वंचित न रहने पाए। जिलाधिकारी ने कहा कि समान अवसर आधारित शिक्षा व्यवस्था स्थापित करने में यह योजना महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है, इसलिए जमीनी स्तर पर गंभीरता के साथ क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने सभी विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए नियमित प्रगति समीक्षा करने के निर्देश दिए। योजना के व्यापक प्रचार के लिए विशेष जनजागरूकता अभियान चलाने को कहा गया। निर्देश दिए गए कि लेखपाल, आशा और आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन से जुड़े समूह, ग्राम प्रधान, आवासीय कल्याण संघ, पंचायत राज विभाग, विकास प्राधिकरण और नगर निकाय संयुक्त रूप से घर-घर संपर्क करें। नगर निकाय की कचरा संग्रहण गाड़ियों में लगे ध्वनि प्रसारक यंत्रों के माध्यम से भी योजना का प्रचार कराने

पर जोर दिया गया, ताकि अधिक से अधिक परिवार आवेदन कर सकें। डीएम मेघा रूपम ने स्पष्ट किया कि प्रवेश प्रक्रिया में किसी भी प्रकार की अनियमितता, भेदभाव या अतिरिक्त शुल्क वसूली की शिकायत मिलने पर संबंधित विद्यालय के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। शासन के नियमों का उल्लंघन किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं होगा। सत्यापन प्रक्रिया को लेकर भी सख्त निर्देश दिए गए। शिक्षा विभाग को उपजिलाधिकारियों के साथ बैठक कर यह सुनिश्चित करने को कहा गया कि आय प्रमाण पत्र केवल स्थलीय जांच के बाद ही जारी हों। फर्जी या गलत प्रमाण पत्र जारी करने की स्थिति में संबंधित कर्मियों के विरुद्ध विभागीय और अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। सभी आवेदनों का यादृच्छिक नमूना सत्यापन और संदिग्ध मामलों की दोबारा जांच अनिवार्य रूप से कराई जाएगी।जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी राहुल पवार ने बताया कि आरटीई प्रवेश प्रक्रिया तीन चरणों में पूरी होगी। पहले चरण में आवेदन और सत्यापन 2 से 16 फरवरी 2026 तक तथा लॉटरी 18 फरवरी को निकाली जाएगी। दूसरे चरण के आवेदन 21 फरवरी से 7 मार्च तक और लॉटरी 9 मार्च को होगी। तीसरे चरण के आवेदन 12 से 25 मार्च तक स्वीकार किए जाएंगे और लॉटरी 27 मार्च को संपन्न होगी। योजना के तहत चयनित विद्यार्थियों को कक्षा आठ तक निःशुल्क शिक्षा दी जाएगी। साथ ही पुस्तकों और वर्दी की खरीद के लिए प्रति वर्ष पांच हजार रुपये की सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। विद्यालयों को प्रति छात्र प्रति माह 450 रुपये की शुल्क प्रतिपूर्ति शासन स्तर से दी जाएगी। पात्रता श्रेणी में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, सामाजिक और शैक्षिक रूप से पिछड़ा वर्ग, दिव्यांग बच्चे, गंभीर बीमारी से ग्रस्त अभिभावकों के बच्चे तथा अनाथ बच्चे शामिल हैं। कमजोर वर्ग में बीपीएल और अंत्योदय कार्डधारक परिवार, पेंशन प्राप्तकर्ता परिवार तथा एक लाख रुपये तक वार्षिक आय वाले अभिभावकों के बच्चे आवेदन कर सकेंगे। सभी के लिए सक्षम अधिकारी द्वारा जारी प्रमाण पत्र आवश्यक होगा।

सिद्धार्थ विहार के एसजी शिखर हाइट्स आवासीय परिसर में नव निर्मित मंदिर में पांच दिवसीय प्राण प्रतिष्ठा महायज्ञ, रथ यात्रा और विशाल भंडारे के साथ सम्पन्न

गाजियाबाद (शिखर समाचार) गाजियाबाद के सिद्धार्थ विहार स्थित एसजी शिखर हाइट्स आवासीय परिसर में निवासियों के सामूहिक सहयोग से बने नए मंदिर में पांच दिवसीय प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के वातावरण में सम्पन्न हो गया। पूरे आयोजन में कॉलोनीवासियों की सक्रिय भागीदारी देखने को मिली और परिसर लगातार भजन, मंत्रोच्चार और धार्मिक अनुष्ठानों से गूंजता रहा। महोत्सव की शुरूआत एक फरवरी को प्रातः कलश यात्रा के साथ हुई। सुबह निकाली गई कलश यात्रा में महिलाएं, पुरुष और बच्चे पारंपरिक वेशभूषा में शामिल हुए और पूरे परिसर में भक्तिमय वातावरण बना रहा। इसके बाद प्रतिदिन वैदिक आचार्यों द्वारा विधिपूर्वक हवन, पूजन और अनुष्ठान कराए गए। पांच दिनों तक चले धार्मिक कार्यक्रमों में श्रद्धालुओं की निरंतर उपस्थिति रही। पांच फरवरी को मुख्य अनुष्ठान के अंतर्गत मंदिर में स्थापित शिव परिवार, माता दुर्गा, राधा कृष्ण, राम दरबार और बालाजी

की मूर्तियों में वैदिक रीति से प्राण प्रतिष्ठा कराई गई। इसी दिन शोभायात्रा और नगर परिक्रमा भी निकाली गई, जिसमें श्रद्धालु भजन गाते हुए शामिल हुए। पूरे मार्ग पर लोगों ने पुष्प वर्षा कर यात्रा का स्वागत किया।

अनुष्ठान पूर्ण होने के बाद बड़े स्तर पर सामूहिक प्रसाद वितरण और भंडारे का आयोजन किया गया। पहले देव विग्रहों को नैवेद्य अर्पित किया गया, उसके बाद आचार्यों को भोजन कराया गया और फिर बड़ी संख्या में उपस्थित लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। शाम छह बजे मंदिर में पहली सामूहिक आरती हुई, जिसमें भारी

संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे। श्रद्धालुओं की सुविधा को देखते हुए रात्रि आठ बजे से दोबारा भंडारे की व्यवस्था भी की गई। मंदिर निर्माण से लेकर प्राण प्रतिष्ठा तक का पूरा कार्य परिसर के निवासियों के स्वैच्छिक धन सहयोग और श्रमदान से पूरा हुआ। आयोजन समिति ने बताया कि यह मंदिर आगे चलकर क्षेत्र में धार्मिक, सांस्कृतिक और सामाजिक गतिविधियों का प्रमुख केंद्र बनेगा। कार्यक्रम के सफल संचालन पर समिति ने सभी सहयोगियों और सहभागियों के प्रति धन्यवाद प्रकट किया।

ग्रेटर नोएडा में अवैध निर्माण पर कड़ा प्रहार : हैबतपुर डूब क्षेत्र और चिपियाना खुर्द में चला प्राधिकरण का बुलडोजर, 9000 वर्गमीटर भूमि मुक्त

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार) अधिसूचित क्षेत्र में अवैध निर्माण और जमीन कब्जाने वालों के खिलाफ ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण का अभियान लगातार तेज होता जा रहा है। शुक्रवार को प्राधिकरण की टीम ने हैबतपुर के डूब क्षेत्र स्थित शिवम एन्क्लेव तथा चिपियाना खुर्द गांव में बड़े पैमाने पर ध्वस्तीकरण की कार्रवाई करते हुए करीब 9000 वर्गमीटर भूमि को अतिक्रमण से मुक्त कराया। बीते 16 दिनों के भीतर यह छठी बड़ी कार्रवाई मानी जा रही है, जिससे अवैध कालोनियां बसाने वालों में हड़कंप की स्थिति है।

प्राधिकरण अधिकारियों के अनुसार हैबतपुर गांव के खसरा संख्या 209, 210 और 212 की लगभग 7000 वर्गमीटर जमीन पर बिना अनुमति के निर्माण कार्य किया जा रहा था। यहां अवैध घेराबंदी दीवार, मकान और सीवर लाइन तक डाली जा रही थी। राष्ट्रीय हरित अधिकरण के निर्देशों के अनुपालन में पूरी संरचना को मशीनों की मदद से गिरा दिया गया। कार्रवाई के दौरान तीन जेसीबी

मशीनें, तीन डंपर और प्राधिकरण का सुरक्षा बल मौके पर तैनात रहा। अभियान का नेतृत्व कर रहे अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी सुमित यादव ने स्पष्ट चेतावनी दी कि अधिसूचित क्षेत्र में बिना मानचित्र स्वीकृति और अनुमति के किसी भी प्रकार का निर्माण पूर्णतः गैरकानूनी है। ऐसे मामलों में सख्त कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी। उन्होंने लोगों से अपील की कि किसी भी कालोनाइजर के झांसे में आकर जमीन न खरीदें और पहले प्राधिकरण के भूलेख विभाग से सत्यापन अवश्य करा लें। मुख्य कार्यपालक अधिकारी एनजी रवि कुमार ने परियोजना शाखा को निर्देश दिए हैं कि अवैध कब्जों के खिलाफ अभियान में किसी प्रकार की ढिलाई न बरती जाए। परियोजना महाप्रबंधक ए के सिंह ने बताया कि चिपियाना खुर्द गांव के खसरा नंबर 59 में भी लगभग 2000 वर्गमीटर क्षेत्र में बने अवैध मकान और चारदीवारी को गिराया गया।

प्राधिकरण की ओर से पिछले दिनों भी कई स्थानों पर बड़ी कार्रवाई की गई है। 20 जनवरी को भनौता में 11340 वर्गमीटर, 28 जनवरी को हैबतपुर में 6000 वर्गमीटर, 4 फरवरी को भनौता में 10000 वर्गमीटर तथा हाल ही में रोहिल्लापुर में 18000 वर्गमीटर भूमि अतिक्रमण मुक्त कराई जा चुकी है। इसके अलावा खेड़ा चौगानपुर में आठ टावरों के सौ से अधिक फ्लैटों को सील भी किया गया था। लगातार चल रही इस मुहिम से साफ संकेत है कि अधिसूचित क्षेत्र में अवैध निर्माण करने वालों पर प्राधिकरण की नजर कड़ी हो चुकी है और आगे भी बुलडोजर कार्रवाई जारी रहेगी।

प्रधानमंत्री के "परीक्षा पे चर्चा" कार्यक्रम का सीधा प्रसारण, छात्रों ने उत्साह से देखा

जेवर/ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार) क्षेत्र के प्रज्ञान विद्यालय में शुक्रवार को विद्यार्थियों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय संवाद कार्यक्रम परीक्षा पे चर्चा का सीधा प्रसारण सामूहिक रूप से देखा। विद्यालय परिसर में विशेष व्यवस्था कर छात्र छात्राओं को कार्यक्रम से जोड़ा गया, जहां उन्होंने परीक्षा से जुड़ी चुनौतियों, तनाव प्रबंधन और आत्मविश्वास बढ़ाने के सूत्रों को ध्यानपूर्वक सुना। कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री ने विद्यार्थियों को परीक्षा को बोझ नहीं बल्कि उत्सव की तरह लेने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि डर और दबाव से दूर रहकर सकारात्मक सोच तथा आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ना ही सफलता की कुंजी है। इस संदेश ने उपस्थित छात्रों में नई ऊर्जा और उत्साह का संचार किया। विद्यालय प्रबंधक डा. हरीश कुमार शर्मा ने कहा कि परीक्षा केवल अंकों का आकलन भर नहीं होती, बल्कि यह आत्मबल, धैर्य और निरंतर परिश्रम की भी परीक्षा होती है। उन्होंने विद्यार्थियों को नियमित अभ्यास, अनुशासन और संतुलित दिनचर्या अपनाने की सलाह दी, ताकि वे बिना तनाव के बेहतर प्रदर्शन कर सकें। प्रधानाचार्या डा. दीप्ति शर्मा ने भी कार्यक्रम को प्रेरक बताते हुए कहा कि विद्यार्थियों को समय का सही उपयोग करना चाहिए और रोजाना अध्ययन की आदत विकसित करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि सकारात्मक दृष्टिकोण और निरंतर तैयारी से ही लक्ष्य प्राप्त किया जा सकता है। कार्यक्रम के बाद विद्यार्थियों ने अपने अनुभव साझा किए और इसे उपयोगी मार्गदर्शन बताया।

बिहार शहरी विकास विभाग का ग्रेटर नोएडा दौरा, औद्योगिक टाउनशिप मॉडल का किया अध्ययन

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। बिहार सरकार के शहरी विकास एवं आवास विभाग का एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल शुक्रवार को ग्रेटर नोएडा पहुंचा, जहां उसने प्राधिकरण के अधिकारियों के साथ विस्तृत बैठक कर औद्योगिक नगर बसाने से जुड़े ढांचे, नियमों और व्यवस्थाओं का गहन अध्ययन किया। प्रतिनिधिमंडल ने बताया कि बिहार में नई औद्योगिक टाउनशिप विकसित करने की तैयारी चल रही है और उसी के संदर्भ में ग्रेटर नोएडा के मॉडल को समझने के लिए यह दौरा किया गया। प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी एनजी रवि कुमार के निर्देश पर वरिष्ठ अधिकारियों ने दल के साथ विस्तार से चर्चा की। बैठक में भूमि अधिग्रहण से लेकर भूखंड आवंटन तक की पूरी प्रक्रिया, नियामक ढांचा, वित्तीय प्रबंधन प्रणाली और विकास नीतियों की बिंदुवार जानकारी साझा की गई। अधिकारियों ने बताया कि किस प्रकार योजनाबद्ध तरीके से सेक्टर विकास, आधारभूत ढांचा निर्माण और निवेश आकर्षित करने की प्रक्रिया को लागू किया जाता है।

बैठक में अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी सुनील कुमार सिंह, प्रेरणा सिंह और सुमित यादव सहित कई वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। वित्त प्रभाग के महाप्रबंधक स्वतंत्र गुप्ता ने प्राधिकरण की वित्तीय संरचना और स्ववित्त पोषित व्यवस्था का प्रस्तुतीकरण दिया। उन्होंने बताया कि किस प्रकार संसाधनों के संतुलित उपयोग और योजनागत निवेश से विकास परियोजनाएं संचालित की जाती हैं। भूलेख शाखा की ओर से भूमि अधिग्रहण की विभिन्न धाराओं, मुआवजा व्यवस्था और किसानों को दिए जाने वाले लाभों की जानकारी दी गई। नियोजन प्रभाग ने मास्टर प्लान, सेक्टर विन्यास, भवन उपनियम और बसावट संबंधी मानकों पर प्रस्तुति दी। परियोजना शाखा ने सड़कों, जलापूर्ति, विद्युत, सीवर और अन्य आधारभूत सुविधाओं के विकास मॉडल को विस्तार से समझाया।

उद्योग प्रभाग के अधिकारियों ने औद्योगिक नीति, योजनाओं और इकाइयों को भूखंड आवंटन की प्रक्रिया पर प्रकाश डाला। प्रतिनिधिमंडल ने निवेशकों को आकर्षित करने के लिए अपनाई गई नीतियों और एकल खिड़की प्रणाली जैसी व्यवस्थाओं में विशेष रुचि दिखाई। दौरे के दौरान प्रतिनिधिमंडल ने आईआईटीजीएनएल की एकीकृत औद्योगिक टाउनशिप का स्थल भ्रमण भी किया। वहां प्लग एंड प्ले प्रणाली, अपशिष्ट प्रसंस्करण संयंत्र, निर्बाध बिजली और पानी आपूर्ति जैसी व्यवस्थाओं को देखा और तकनीकी जानकारी प्राप्त की। दल के सदस्यों ने यहां विकसित आधारभूत संरचना और योजनाबद्ध औद्योगिक वातावरण की सराहना की।

प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि ग्रेटर नोएडा और आईआईटीजीएनएल से प्राप्त अनुभव और जानकारी बिहार में नई औद्योगिक टाउनशिप की नीति निर्माण और ढांचा विकास में अत्यंत उपयोगी सिद्ध होगी।

गौ सेवा आयोग के सदस्य रमाकांत उपाध्याय ने गौतमबुद्ध नगर की गौशालाओं का किया निरीक्षण, व्यवस्थाएं दुरुस्त रखने के दिए निर्देश

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार) उत्तर प्रदेश गौ सेवा आयोग के सदस्य रमाकांत उपाध्याय ने जनपद गौतमबुद्ध नगर में संचालित गौशालाओं का स्थलीय निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। सबसे पहले नोएडा सेक्टर 94 स्थित श्री जी गौसदन में पहुंचकर वहां गौवंशों की देखरेख, चारा व्यवस्था, साफ सफाई, उपचार सुविधा और गौ आधारित उत्पाद निर्माण कार्यों को देखा। निरीक्षण के दौरान गौ उत्पाद निर्माण इकाई और परीक्षण प्रयोगशाला के संचालन को सुव्यवस्थित पाते हुए उन्होंने संचालक मंडल के प्रयासों की प्रशंसा की और इसे अनुकरणीय बताया।

इसके बाद सदस्य ने ग्रेटर नोएडा के ग्राम जलपुरा में प्राधिकरण द्वारा संचालित गौशाला का औचक निरीक्षण किया। यहां उन्होंने मौसम में बढ़ती ठंड को देखते हुए गौवंशों के लिए विशेष संरक्षण इंतजाम सुनिश्चित करने पर जोर दिया। संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए

गए कि सभी पशुओं को पर्याप्त पौष्टिक आहार, सूखा बिछावन, ढंके हुए शेड और उपचार सुविधा उपलब्ध कराई जाए। जहां भी कमी दिखाई दे, उसे तुरंत दुरुस्त किया जाए। निरीक्षण के दौरान उन्होंने स्पष्ट कहा कि गौसेवा और गौवंश संरक्षण प्रदेश सरकार की प्राथमिक जिम्मेदारियों में शामिल है, इसलिए किसी भी स्तर पर ढिलाई बर्दाश्त नहीं होगी। सभी गौशालाओं में नियमित निगरानी, समयबद्ध भोजन वितरण और चिकित्सकीय परीक्षण सुनिश्चित किया जाए। रमाकांत उपाध्याय ने गौशालाओं को आत्मनिर्भर बनाने पर भी बल दिया। उन्होंने गोबर से रंग, अगरबत्ती, दीपक और अन्य उपयोगी वस्तुएं तैयार करने की गतिविधियां शुरू कराने के निर्देश दिए। उनका कहना था कि इससे गौशाला की आय बढ़ेगी और स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर भी तैयार होंगे। स्वयं सहायता समूहों, महिलाओं और युवाओं को प्रशिक्षण देकर इस कार्य से जोड़ने पर भी जोर दिया गया, ताकि जनसहभागिता बढ़े और व्यवस्था मजबूत हो। निरीक्षण के समय मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर अरुण कुमार तथा संबंधित विभागों के अधिकारी भी मौजूद

घटिया सामग्री की शिकायत पर स्कूल भवन का निर्माण रोका, जांच के बाद प्राधिकरण ने लगाई रोक

रबूपुरा (शिखर समाचार)। चांदपुर-शाहपुर गांव में बन रहे प्राथमिक विद्यालय भवन के निर्माण कार्य को ग्रामीणों की शिकायत के बाद अस्थायी रूप से रोक दिया गया है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि निर्माण में मानक के विपरीत निम्न स्तर की सामग्री का उपयोग किया जा रहा था। विरोध करने पर ठेकेदार द्वारा डराने-धमकाने की बात भी सामने आई है। मामले की सूचना मिलने पर यमुना विकास प्राधिकरण के अभियंता मौके पर पहुंचे और गुणवत्ता की जांच कर काम बंद करा दिया।

ग्रामीणों के अनुसार गांव में प्राथमिक विद्यालय की नई इमारत का निर्माण प्राधिकरण की देखरेख में कराया जा रहा है। निर्माण के दौरान स्थानीय लोगों ने सामग्री की गुणवत्ता पर सवाल उठाए। उनका कहना है कि ईंट, सीमेंट और अन्य सामग्री तय मानकों के अनुरूप नहीं थी। जब लोगों ने इस पर आपत्ति जताई तो ठेकेदार ने काम रोकने के बजाय उसी सामग्री से निर्माण जारी रखने की बात कही और विरोध करने वालों को कथित रूप से धमकाया।

बताया गया है कि कुछ ग्रामीणों ने मौके का वीडियो बनाकर सामाजिक माध्यमों पर साझा कर दिया और अधिकारियों से लिखित व मौखिक शिकायत की। शिकायत पर कार्रवाई करते हुए शुक्रवार को प्राधिकरण के कनिष्ठ अभियंता कमल सिंह निरीक्षण के लिए स्थल पर पहुंचे। उन्होंने निमार्णाधीन भवन, सामग्री और कार्यप्रणाली की जांच की। प्रारंभिक निरीक्षण के बाद निर्माण कार्य तत्काल प्रभाव से रुकवा दिया गया। कनिष्ठ अभियंता ने बताया कि ग्रामीणों की आपत्ति को गंभीरता से लेते हुए काम फिलहाल बंद कराया गया है। ठेकेदार को स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि आगे का निर्माण केवल निर्धारित गुणवत्ता और स्वीकृत मानकों के अनुसार ही किया जाए। यदि दोबारा लापरवाही या घटिया सामग्री का उपयोग पाया गया तो सख्त कार्रवाई की जाएगी।

वहीं ग्रामीणों का कहना है कि शिकायत के बाद ठेकेदार नाराज है और परिणाम भुगतने की चेतावनी दे रहा है। इस संबंध में भी प्राधिकरण अधिकारियों को अवगत करा दिया गया है। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि ठेकेदार पर ठोस कार्रवाई नहीं हुई तो वे पूरे प्रकरण की शिकायत उच्च स्तर पर करते हुए मुख्यमंत्री को भी पत्र भेजेंगे।

स्कूल से लौटते समय दर्दनाक हादसा, तेज रफ्तार ट्रैक्टर की चपेट में आया तीसरी कक्षा का छात्र, मौके पर मौत

हापुड़ (शिखर समाचार) बाबूगढ़ क्षेत्र के काकोड़ी गांव में गुरुवार को एक हृदयविदारक सड़क हादसे में स्कूल से घर लौट रहे एक मासूम छात्र की जान चली गई। तेज गति से आ रहे ट्रैक्टर ने साइकिल सवार बच्चे को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बालक गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर गिर पड़ा और बाद में चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद पूरे गांव में मातम छा गया। प्राप्त विवरण के अनुसार काकोड़ी निवासी मन्नू पुत्र सुंदर सिंह, उम्र लगभग नौ वर्ष, प्राथमिक विद्यालय में कक्षा तीन का विद्यार्थी था। रोज की तरह वह विद्यालय से छुट्टी होने के बाद साइकिल से घर लौट रहा था। इसी दौरान नूरपुर की ओर से बाबूगढ़ फार्म की दिशा में विवाह समारोह का सामान लेकर जा रहा ट्रैक्टर अचानक अनियंत्रित होकर उसकी साइकिल से टकरा गया। चालक का नाम कलवा बताया जा रहा है। हादसे के तुरंत बाद आसपास के लोग मौके पर दौड़े और घायल बालक को तुरंत उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया, लेकिन जांच के बाद चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। मां उषा देवी का रो-रोकर बुरा हाल है। घर में छोटी बहन मानवी और दादा चरण सिंह सहित परिजनों का दुख संभाले नहीं संभल रहा। ग्रामीणों ने बताया कि मन्नू पढ़ाई में तेज और व्यवहार से बेहद समझदार था। उसकी अचानक मौत से पूरे गांव में शोक और आक्रोश का माहौल है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से ट्रैक्टर चालक के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई करने और क्षेत्र में तेज रफ्तार वाहनों पर सख्ती से रोक लगाने की मांग की है।

घरेलू कलह बनी जानलेवा, बेटे पर मां की हत्या का आरोप, पुलिस ने लिया हिरासत में

जेवर/ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार) जेवर क्षेत्र के गांव दयौरार में घरेलू विवाद ने भयावह रूप ले लिया, जहां मानसिक रूप से अस्वस्थ बताए जा रहे एक युवक पर अपनी मां पर लोहे की परात से हमला कर मौत के घाट उतारने का आरोप लगा है। घटना से गांव में शोक और सनसनी का माहौल है। जानकारी के अनुसार दयौरार निवासी कृष्ण कुमार (25 वर्ष) लंबे समय से मानसिक बीमारी से जूझ रहा है और उसका इलाज भी चल रहा था। बुधवार को घर में किसी बात को लेकर उसकी मां रुक्मिणी (55 वर्ष) से कहासुनी हो गई। विवाद इतना बढ़ गया कि युवक ने आवेश में आकर रसोई में रखी लोहे की परात उठाकर मां के सिर पर वार कर दिया। हमले में रुक्मिणी गंभीर रूप से घायल हो गईं। परिजन तुरंत उन्हें कस्बे के एक निजी चिकित्सालय लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने उपचार शुरू किया, लेकिन हालत नाजुक होने के कारण उनकी जान नहीं बचाई जा सकी। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। आरोपी युवक को हिरासत में ले लिया गया है। कोतवाली प्रभारी संजय सिंह ने बताया कि प्रारंभिक जांच में आरोपी की मानसिक स्थिति ठीक न होने की बात सामने आई है। मामले में विधिक कार्रवाई की जा रही है और मुकदमा दर्ज किया जा रहा है।

तेज रफ्तार अज्ञात वाहन की टक्कर से बुजुर्ग की मौत, बेटे की तहरीर पर मुकदमा दर्ज

जेवर/ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार) जेवर क्षेत्र के गांव गोपालगढ़ में सड़क हादसे में एक बुजुर्ग की मौत के मामले में पुलिस ने अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। घटना बुधवार की बताई जा रही है, जब पैदल जा रहे बुजुर्ग को तेज गति से आए वाहन ने टक्कर मार दी थी। पुलिस के अनुसार गांव गोपालगढ़ निवासी पूर्व प्रधान सुखबीर (67) अपनी खल-बिनोले की दुकान की ओर पैदल जा रहे थे। इसी दौरान रास्ते में पीछे से आए एक अज्ञात वाहन ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में वह गंभीर रूप से घायल हो गए। आसपास मौजूद लोगों ने तुरंत उन्हें कस्बे के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उपचार के दौरान उनकी मृत्यु हो गई। घटना के बाद मृतक के पुत्र नरेंद्र सिंह ने थाने में तहरीर देकर अज्ञात वाहन चालक पर लापरवाही और तेज गति से वाहन चलाकर हादसा करने का आरोप लगाया है। पुलिस ने शिकायत के आधार पर संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। थाना पुलिस का कहना है कि घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है और वाहन की पहचान के प्रयास किए जा रहे हैं। जल्द ही आरोपी चालक को चिन्हित कर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

मोदीनगर में छत पर टहल रहे छात्र को लगी गोली जैसी चोट, जांच में जुटी पुलिस

मोदीनगर (शिखर समाचार) नगर की सुभाष विहार कॉलोनी में शुक्रवार सुबह एक छात्र के रहस्यमय परिस्थितियों में घायल होने का मामला सामने आया है। छात्र घर की छत पर टहल रहा था तभी उसकी पीठ में गोली जैसी चोट लगने से अफरातफरी मच गई। परिजनों ने उसे तुरंत निजी चिकित्सालय में भर्ती कराया, जहां उसका उपचार चल रहा है। जानकारी के अनुसार सुभाष विहार कॉलोनी निवासी परवेज कुमार अपने परिवार के साथ रहते हैं और नोएडा स्थित एक निजी औद्योगिक इकाई में कार्य करते हैं। बताया गया कि सुबह उनके पुत्र वंश कुमार अपनी माता मनीषा के साथ मकान की छत पर टहल रहे थे, तभी अचानक वंश दर्द से चिल्लाया और उसकी पीठ पर गंभीर चोट का निशान दिखाई दिया। परिवार के लोगों का कहना है कि घटना स्थल से धातु का एक टुकड़ा भी मिला है, जिसे वे गोली बता रहे हैं। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस विभाग सक्रिय हुआ और मामले की पड़ताल शुरू कर दी गई। सहायक पुलिस आयुक्त भास्कर वर्मा ने बताया कि प्रारंभिक जांच में मामला किसी नुकीली वस्तु से लगी चोट का प्रतीत हो रहा है, फिर भी सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच की जा रही है। अधिकारियों का कहना है कि चिकित्सकीय रिपोर्ट और स्थल निरीक्षण के बाद ही चोट के वास्तविक कारण का स्पष्ट खुलासा हो सकेगा।

समूह 'ग' भर्ती प्रक्रिया पर उठे सवाल, जनता डिग्री कॉलेज पतला में जांच समिति गठित, 9 फरवरी को होगी सुनवाई

मोदीनगर (शिखर समाचार) पतला स्थित जनता डिग्री कॉलेज में समूह 'ग' के दो पदों पर प्रस्तावित भर्ती प्रक्रिया को लेकर युवाओं द्वारा की गई शिकायत के बाद मामला जांच के दायरे में आ गया है। क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी, मेरठ ने प्रकरण को गंभीरता से लेते हुए जांच समिति का गठन कर दिया है। समिति 9 फरवरी को महाविद्यालय पहुंचकर शिकायतकर्ताओं की बात सुनेगी।

जानकारी के अनुसार महाविद्यालय में समूह 'ग' के दो रिक्त पदों को भरने के लिए चयन प्रक्रिया शुरू की गई थी और इसके तहत 1 फरवरी को साक्षात्कार निर्धारित था। इसी दौरान कुछ युवाओं ने चयन प्रक्रिया में अनियमितता के आरोप लगाते हुए मुख्यमंत्री, राज्यपाल और शिक्षा विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों को शिकायत भेज दी। शिकायत सामने आने के बाद साक्षात्कार को अगले आदेश तक स्थगित कर दिया गया। अब क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी, मेरठ के निर्देश पर गठित जांच समिति पूरे मामले की पड़ताल करेगी। समिति 9 फरवरी को कॉलेज के प्राचार्य कार्यालय में उपस्थित होकर शिकायतकर्ताओं के बयान और उपलब्ध साक्ष्यों का परीक्षण करेगी। महाविद्यालय की ओर से जारी पत्र के माध्यम से शिकायतकर्ता अनंत कुमार, अमित कुमार और अंकित कुमार निवासी पतला को सुनवाई की सूचना भेज दी गई है। पत्र में कहा गया है कि सभी संबंधित व्यक्ति निर्धारित तिथि को साक्ष्य सहित उपस्थित होकर अपना पक्ष रखें, ताकि मामले का निष्पक्ष निस्तारण किया जा सके। कॉलेज प्रशासन का कहना है कि जांच रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

संपादकीय

चीनी मांझा : आसमान की डोर या मौत का फंदा

त्योहारों, मेलों और पतंगबाजी की परंपरा ने भारतीय समाज को रंग, उत्साह और सामुदायिक जुड़ाव दिया है, लेकिन यही परंपरा तब भयावह रूप ले लेती है जब उसमें लापरवाही, लालच और अवैध बाजार की मिलावट हो जाती है। हाल के वर्षों में चीनी मांझे से हो रही मौतों और गंभीर हादसों ने इस सांस्कृतिक खेल को एक खतरनाक गतिविधि में बदल दिया है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा चीनी मांझे से हुई मौत को हत्या के समान मानने वाला बयान केवल एक राजनीतिक प्रतिक्रिया नहीं, बल्कि प्रशासनिक और सामाजिक चेतावनी है कि अब इस मुद्दे को हल्के में नहीं लिया जा सकता। चीनी मांझा, जिसे नायलॉन या सिंथेटिक धागे से तैयार किया जाता है, कांच और धातु के महीन कणों से लेपित होता है। यह साधारण सूती धागे की तुलना में कहीं अधिक मजबूत और धारदार होता है। पतंगबाजी में इसे प्रतिस्पर्धा जीतने का हथियार माना जाता है, लेकिन सड़क पर चलते राहगीर, दोपहिया वाहन चालक, बिजली कर्मचारी, पक्षी और बच्चे इसके अनजाने शिकार बन रहे हैं। कई घटनाओं में गले कटने, गंभीर चोट लगने और तत्काल मौत तक के मामले सामने आए हैं। जब कोई व्यक्ति सड़क से गुजरते हुए अचानक अदृश्य धारदार धागे से कट जाता है, तो यह हादसा नहीं, व्यवस्था की विफलता का परिणाम लगता है।

मुख्यमंत्री का यह कहना कि ऐसी मौतों को हत्या के समान माना जाना चाहिए, कानूनी सख्ती का संकेत है। इसका अर्थ यह है कि अब इसे केवल प्रतिबंधित वस्तु बेचने का मामूली उल्लंघन नहीं, बल्कि जान जोखिम में डालने वाला आपराधिक कृत्य माना जाए। यह दृष्टिकोण इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि अब तक चीनी मांझे पर प्रतिबंध तो था, पर उसका पालन ढीला रहा। बाजारों में खुलेआम बिक्री, ऑनलाइन माध्यमों से आपूर्ति और छिपे गोदामों से वितरण बताता है कि कानून से ज्यादा मुनाफा प्रभावी रहा है।

समस्या केवल बिक्री की नहीं, मानसिकता की भी है। पतंग काटने की होड़ ने खेल भावना को खतरनाक प्रतिस्पर्धा में बदल दिया है। बच्चों और युवाओं के बीच यह धारणा बन गई है कि जितना तेज मांझा, उतनी बड़ी जीत। यहां परिवार और समाज की भूमिका भी सामने आती है। जब अभिभावक खुद ऐसे धागे खरीदकर देते हैं या अनदेखी करते हैं, तो वे अनजाने में जोखिम को बढ़ावा देते हैं। यह वैसा ही है जैसे तेज रफ्तार को रोमांच मानकर दुर्घटना को भाग्य पर छोड़ देना। प्रशासनिक स्तर पर भी कई सवाल उठते हैं। यदि प्रतिबंध लागू है तो निर्माण, आयात और भंडारण कैसे हो रहा है? स्थानीय निकाय, पुलिस और बाजार निरीक्षण तंत्र की जिम्मेदारी तय होनी चाहिए। केवल छापेमारी की खबरें जारी कर देने से समस्या समाप्त नहीं होती। जरूरत है निरंतर अभियान, आपूर्ति श्रृंखला पर प्रहार और दोषियों पर उदाहरणात्मक कार्रवाई की। जब तक कुछ मामलों में कड़ी सजा नहीं होगी, तब तक अवैध व्यापार रुकने वाला नहीं। इस मुद्दे का एक पर्यावरणीय पक्ष भी है। चीनी मांझा जैविक रूप से नष्ट नहीं होता। पेड़ों, बिजली लाइनों और इमारतों पर उलझा धागा लंबे समय तक बना रहता है। पक्षियों के पंख कटने, फंसकर मरने और घायल होने की घटनाएं बड़ी संख्या में सामने आती हैं। वन्यजीव संगठनों के अनुसार पतंगबाजी के मौसम में पक्षी बचाव केंद्रों पर घायल पक्षियों की संख्या कई गुना बढ़ जाती है। यह केवल मानवीय सुरक्षा का नहीं, जैव विविधता का भी प्रश्न है।

~ मौलिक चिंतन ~

हजार झूठी 'हां' से लाख गुना बेहतर है एक बेझिझक 'ना'।

~ ~ ~ ~ ~ ~ ~ ~ ~

© विनय संकोची

वैश्विक कूटनीति में बदलता शक्ति संतुलन

डॉ हिदायत अहमद खान

मौजूदा वक्त में विकसित देशों के साथ ही प्रमुख विकासशील देशों में जिस तरह के घटनाक्रम देखने को मिल रहे हैं, उससे दुनियां में एक बड़े बदलाव की आहट सुनाई दे रही है। मनमाने ढंग से देशों पर अपने नियमों को लादना और न मानने पर कठोर से कठोर कार्यवाही करना, सामान्य लगने लगा है। न्याय दिलाने या जुल्म को खत्म करने की बजाय शक्ति का उपयोग अपने आधिपत्य को बढ़ाने के लिए किया जाने लगा है। इस तरह से इक्कीसवीं सदी का तीसरा दशक दुनियां की तस्वीर बदलने को आतुर नजर आ रहा है। वैश्विक राजनीति एक निर्णायक मोड़ पर खड़ी दिख रही है। यही नहीं लंबे समय तक अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था का नेतृत्व करने वाला अमेरिका अब धीरे-धीरे कई बहुपक्षीय मंचों और वैश्विक संस्थानों से पीछे हटता नजर आया है। इसके विपरीत, चीन इस खाली होते कूटनीतिक मैदान में न केवल सक्रिय हुआ है, बल्कि स्वयं को एक वैकल्पिक नेतृत्वकर्ता के रूप में स्थापित करने की कोशिश भी कर रहा है। ऐसे में यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि भविष्य का वैश्विक सुपर पावर कौन होगा, अमेरिका, रुस, चीन या कोई और उभरती ताकत? अमेरिका में दूसरी बार बने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक वर्ष के कार्यकाल में 66 बहुपक्षीय संगठनों से बाहर निकलने की घोषणा करके सभी को चौंकाने का काम किया है। इससे वैश्विक राजनीति में एक बड़ा शून्य पैदा हो गया है। जलवायु परिवर्तन, श्रम अधिकार और प्रवासन जैसे मुद्दों को 'राष्ट्रीय हितों के विरुद्ध' बताकर उनसे दूरी बनाना अमेरिका की उस परंपरागत भूमिका से हटना है, जिसमें वह वैश्विक सार्वजनिक वस्तुओं के संरक्षक की भूमिका निभाता चला आ रहा था। फिलहाल इस बदलाव का लाभ चीन को मिला है, जिसने कूटनीतिक स्तर पर अपनी सक्रियता बढ़ा दी है। बीजिंग में विदेशी नेताओं की मेजबानी के दौरान राष्ट्रपति शी जिनपिंग का यह कहना, कि मौजूदा अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था भारी दबाव में है और समानता आधारित प्रणाली की जरूरत है, चीन की महत्वाकांक्षा को स्पष्ट करता है। वैसे चीन इस दिशा में लंबे समय से काम करता चला आया है। खास बात यह है कि चीन का उभार केवल बयानबाजी तक सीमित नहीं रहा है। अंतर्राष्ट्रीय सर्वेक्षणों में यह धारणा मजबूत हुई है कि आने वाले दशकों में चीन का वैश्विक प्रभाव तेजी से बढ़ेगा। ऐसे में अमेरिका और चीन के बीच शक्ति का जो अंतर कभी बहुत व्यापक था, वह अब सिमट रहा है। हालांकि सैन्य क्षमता, तकनीकी नवाचार और सॉफ्ट पावर के लिहाज से अमेरिका अब भी अग्रणी है, लेकिन चीन आर्थिक और कूटनीतिक मोर्चे पर उसकी बराबरी बल्कि कई मामलों में तो आगे बढ़ता दिखा है। इस वैश्विक रणनीति में 'ग्लोबल साउथ' की भूमिका बेहद अहम है। एशिया, अफ्रीका और लैटिन अमेरिका के विकासशील देशों के साथ चीन ने बीते एक दशक में गहरे संबंध बनाए हैं। वर्ष 2013 में शुरू किया गया बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (बीआरआई) इसी का सशक्त उदाहरण है, जिसके तहत चीन ने बुनियादी ढांचे में बड़े पैमाने पर निवेश कर रखा है। आज जब पश्चिमी देश चीन को रणनीतिक रूप से घेरने का प्रयास कर रहे हैं, तब यही विकासशील देश उसके लिए राजनीतिक और कूटनीतिक समर्थन का आधार बनते दिख रहे हैं। आर्थिक रूप से भी चीन की स्थिति मजबूत बनी हुई है, 2025 में पांच प्रतिशत की विकास दर और रिकॉर्ड व्यापार अधिशेष इसकी पुष्टि करते हैं। बावजूद इसके अमेरिका के सामने चीन का यह रास्ता जोखिमों से मुक्त नहीं है। अमेरिका टैरिफ-टैरिफ खेल रहा है, जबकि कई देशों में बीआरआई परियोजनाओं से जुड़े कर्ज संकट ने चीन को अपनी निवेश नीति पर पुनर्विचार के लिए मजबूर कर दिया है। यही कारण है कि अब वह बड़े और जोखिम वाले प्रोजेक्ट्स के बजाय छोटे, सुरक्षित और रणनीतिक निवेशों पर ध्यान दे रहा है। इसके साथ ही रूस और उत्तर कोरिया जैसे देशों के साथ उसकी बढ़ती नजदीकी ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय में चिंता बढ़ाई है। यह साझेदारी साझा लोकतांत्रिक मूल्यों पर नहीं, बल्कि अमेरिका-विरोध जैसे तात्कालिक हितों पर आधारित प्रतीत होती है, जिसका असर संयुक्त राष्ट्र में समन्वित मतदान के रूप में दिखता है। यहां महत्वपूर्ण यह भी है कि चीन पूरी वैश्विक व्यवस्था पर वर्चस्व स्थापित करने की जल्दबाजी में नहीं दिखता। फिलहाल बीजिंग की प्राथमिकता अपनी घरेलू राजनीतिक स्थिरता और कम्युनिस्ट पार्टी की सत्ता को सुरक्षित रखना है। इस दिशा में भी उसने मौजूदा वक्त में अनेक सख्त फैसले लिए हैं और अनेक जिम्मेदारों को सजा तक देने से पीछे नहीं हटा है। वह केवल उन्हीं अंतरराष्ट्रीय संस्थानों में नेतृत्वकारी भूमिका निभाता है, जहां उसके प्रत्यक्ष राष्ट्रीय सुरक्षा हित जुड़े हों। असल में चीन का लक्ष्य वैश्विक प्रभुत्व से अधिक एशिया-प्रशांत क्षेत्र में अमेरिकी प्रभाव को सीमित करना है, जिसकी झलक दक्षिण चीन सागर में बढ़ती सैन्य गतिविधियों से भी मिल जाती है। अंततः आज की दुनिया एक एकध्रुवीय व्यवस्था से बहुध्रुवीय संतुलन की ओर बढ़ रही है। अमेरिका और चीन के बीच यह प्रतिस्पर्धा केवल शक्ति की नहीं, बल्कि वैश्विक व्यवस्था की दिशा तय करने की भी है। आने वाले वर्षों में यह स्पष्ट होगा कि दुनिया किसी एक सुपर पावर के नेतृत्व को स्वीकार करती है या साझा, संतुलित और बहुपक्षीय व्यवस्था की ओर कदम बढ़ाती है।

संसद की गरिमा को बचाने की जरूरत

प्रो. संजय द्विवेदी

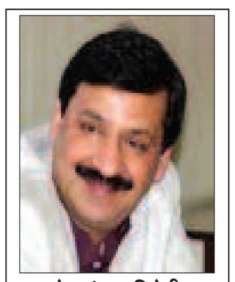

देश की संसद हमारे लोकतांत्रिक आचरण, संसदीय मयार्दाओं और संवाद की शुचिता का केंद्र होनी चाहिए। जहां संवाद से संकटों के हल खोजे जाएं। लेकिन पिछले दो दिनों में लोकसभा में जो हुआ,वह बहुत निराशाजनक है। सदन के नेता प्रधानमंत्री ही अगर अपने सदन को संबोधित न कर सकें, इससे ज्यादा निराश करने वाली बात क्या हो सकती है। ये हुआ , सबने देखा। यह संसदीय मयार्दाओं के तार-तार होने का भी समय है। जब लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को यह अपील करनी पड़ी कि प्रधानमंत्री लोकसभा में न आएं और राष्ट्रपति के अभिभाषण पर हुई चर्चा का जवाब न दें। लोकसभा अध्यक्ष ने किस तरह की आशंकाओं के कारण ऐसा कहा होगा, इसे समझा जा सकता है।

इसके पहले सदन में हुए हंगामे, कागज फाड़कर आसंदी पर फेंकने जैसे दृश्य तो संसद ने अनेक बार देखे हैं। बावजूद इसके एक अभूतपूर्व दृश्य भी लोकसभा ने देखा जब लगभग सात महिला सांसद प्रधानमंत्री के आसन तक जा पहुंचीं। क्या हो सकता था, इसका अनुमान लगाना ठीक नहीं। किंतु बाद में लोकसभा अध्यक्ष ने जो कुछ कहा वह बताता है, संसदीय मयार्दाओं की सीमाएं लांघते हुए हमारे सांसद दिखे। परंपरा रही है कि धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा का जवाब आमतौर पर प्रधानमंत्री देते हैं । इसकी न सिर्फ अपेक्षा रहती है बल्कि प्रतीक्षा भी आखिर सरकार के मुखिया क्या कहते हैं। स्थापित मान्यता यहां टूटती दिखी। प्रधानमंत्री लोकसभा को संबोधित नहीं कर सके। राज्यसभा में भी उनका भाषण विपक्ष की गैरमौजूदगी में हुआ। संसदीय लोकतंत्र में विरोध और संवाद साथ -साथ चलते हैं। प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू ने संसद में पहले दिन से बहस और संवाद की संस्कृति को संरक्षित किया। वे यह चाहते थे अच्छे लोग संसद में आएं और संसदीय बहसों का स्तर ऊंचा हो। अपने विरोधी सांसदों की भी वे प्रशंसा करते हुए नजर आते हैं।

दिग्गज सांसद राममनोहर लोहिया से लेकर युवा सांसद अटल बिहारी बाजपेई को भी उन्होंने ध्यान से सुना। यह परंपरा बाद के प्रधानमंत्रियों ने भी बनाए रखी। विपक्ष भी अपने आचरण में मर्यादित रहा। संसद हमारे लोकतांत्रिक स्वभाव का आईना बनी रही। आपातकाल लागू होने के बाद क्षरण जरूर हुआ किन्तु बाद के दिनों में सब कुछ संभल गया। नरसिंहराव, चंद्रशेखर, अटलजी स्वयं बड़े संसदविद् थे और सदन गरिमा के साथ चलता रहा। कड़ी आलोचना के साथ , संवाद कायम रहा। पिछले कुछ समय से संवाद बंद है और कटुता बहुत बढ़ गई है। संसद शब्द की हिंसा का केंद्र बन गयी है। अपने सहयोगी सांसद को गद्दार की संज्ञा देना जैसे उदाहरण किसी भी तरह स्वीकार्य नहीं हैं। किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए यह शुभ नहीं है। यह सही बात है कि सदन को चलाना सरकार की जिम्मेदारी है। लेकिन विपक्षी दलों के सहयोग के बिना सदन नहीं चल सकता यह भी सच है। सदन में मिले विशेषाधिकार का लाभ लेकर सांसदों द्वारा हमारे महान दिवंगत नेताओं को कोसना , उनके जीवन के निजी पक्षों को किताबों के संदर्भ देकर उठाना कितना उचित है? इसके साथ ही बिना तथ्यों के किसी अनछपी किताब के उदाहरण से सरकार को घेरने की कोशिश भी बचकानी ही है। बजट सत्र संसद का बहुत महत्व का सत्र होता है। जिसमें हम अपने देश के आगामी एक साल के सपनों, आकांक्षाओं, आर्थिक भविष्य का खाका खींचते हैं। ऐसे सत्र का समय नष्ट करके हमें क्या हासिल होगा, समझना मुश्किल है।

मुद्दे की बात यह भी है कि क्या हमारे सांसद स्वस्थ बहस चाहते हैं? क्या क्षणिक राजनीतिक सुर्खियों के लिए हम समाज के वृहत्तर प्रश्नों की उपेक्षा नहीं कर रहे हैं। दिवंगत नेताओं की चरित्रावली का वाचन कर-के हम कौन से मूल्य स्थापित कर रहे हैं? कभी नेता प्रतिपक्ष ने वीर सावरकर पर सवाल खड़े करके जो गलत परंपरा डाली , अब दूसरे सांसद बोरे में किताबें लाकर उनके अंश पढ़ रहे हैं। इससे हमें क्या हासिल होगा? नेहरू जी, श्रीमती इंदिरा गांधी, अटल जी इस देश के महान नेता रहे हैं, उनके देहावसान के बाद ऐसी गलीज बातें राजनीतिक कार्यकताओं को नहीं करनी चाहिए। मृत्यु के बाद हम पुरखों के सद्गुण याद करते हैं। उनके प्रदेय और योगदान पर गर्व करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि देते हैं। किंतु हम किस रास्ते पर चल पड़े हैं? आजादी के इतने सालों बाद संसदीय बहस और संसदीय मयार्दाओं का स्तर ऊंचा करने के बजाय हम इसे रसातल में ले जा रहे हैं। कितना अच्छा होता कि हमारे सांसद यह समझ पाते कि देश की जनता ने उन्हें किन उम्मीदों से संसद में भेजा है। अगर सांसद ही तय लेंगे कि संसद नहीं चलेगी, तो उसे कौन चला सकता है। सांसद होना साधारण नहीं है, देश के 1 अरब, 40 करोड़ लोगों की आकांक्षाओं के प्रतिनिधियों का आचरण प्रश्नचिन्ह की तरह हमारे सामने है। उम्मीद की जानी चाहिए कि सभी राजनीतिक दल ऐसे निराशाजनक दृश्यों से संसद को बचाने के लिए सोचेंगे। संसदीय राजनीति का यह पतन देखकर सबसे दुखी शायद पं.जवाहरलाल नेहरू और श्री अटल बिहारी वाजपेयी ही होते। दुर्भाग्यवश इन दोनों के राजनीतिक उत्तराधिकारी ही इन दृश्यों के लिए जिम्मेदार हैं। बाकी से क्या उम्मीद करना ?

जन्मदिन (7 फरवरी) पर विशेष लेख........

हमारे समय से संवाद करते संजय : पवन कुमार पाण्डेय

वाणी और वाणी के महात्म्य को समझना है तो प्रो.संजय द्विवेदी की संगति कीजिए। मौन को पढ़ना सीखना हो, स्निग्धता की तपस्या को जानना हो तो उनके व्यक्तित्व को जानिए पहचानिए। सच कहूँ, विरले होते हैं वे लोग, जिन्हें चंदन और पारसमणि का स्पर्श हुआ हो जैसा संजय जी भाई साहब को हुआ है। हम बहुत भाग्यशाली हैं कि हमने स्वयं को आधुनिक पत्रकारिता के शुभ्र ललाट की संगति रूपी चंदन-पारसमणि की छुअन से परिष्कृत किया है।

समय के साथ रहना, समय के साथ चलना और अपने समय से संवाद करना किसी को आता है तो वे मीडिया गुरु, पत्रकारों के आदर्श भारतीय जनसंचार संस्थान के पूर्व महानिदेशक प्रो.(डा.) संजय द्विवेदी हैं। वे कहते हैं भाषाएँ और माताएँ अपने बच्चों से ही सम्मान पाती हैं। तो आपने माँ, मातृभूमि और मातृभाषा को प्रमुख स्थान देकर समाज तथा मीडिया में अपना उच्च स्थान बनाया है। आपने सदैव स्वयं को पत्रकारिता का विद्यार्थी मानकर ही अपने समय से संवाद किया है और आज भी कर रहे हैं। आपका सरल व्यक्तित्व, चंद्रमा-से ओजस्वी चेहरे पर अठखेलियाँ करती चंचल मंद मुस्कुराहट, उन्नत भाल पर संवाद संग घहराती लहराती अठखेलियाँ करती विचारों की रेखाएँ, मुखारबिंदु से प्रवाहित परमहंसी धीर गंभीर वाणी चंदन की भाँति हर ताप समस्या का त्वरित समाधान ऐसे उपस्थित करती है जैसे कोई नदी अपने जल से बिना लाग लपेट सबको अभिसिंचित करती बहती रहती है। ह्यसुबरन को ढूँढत फिरै, कवि, लेखी अरु गौर की भाँति आप सुशब्द संचय में विश्वास करते हैं मगर भौतिक संपदा को विराग दृष्टि से देखते हैं। वहीं ज्ञान को वैसे ही बाँटते चलते हैं जैसे बादल अपनी वृष्टि से सबको हरा भरा कर देता है। आप निरंतर साहित्य ही नहीं अनेकानेक विषयों के पठन पाठन में तल्लीन रहते हुए लेखन, संपादन, शिक्षण, पर्यटन, मित्रता वार्ता सब में व्यस्त रहते हैं। जहाँ आपको मीडिया विमर्श बहुत पसंद है वहीं विद्यार्थियों, विद्वानों संग विविध विषयों पर जनसाधारण के कल्याणार्थ चर्चा तथा फिल्म देखना भी आपको पसंद है। लेखन की कला, विचारों को सहेजकर उन्हें श्रेष्ठ रूप देकर

पाठक को बाँधने की कला आपको अपने पूजनीय पिताश्री परमात्मानाथ द्विवेदी जी से विरासत में मिली है जो स्वयंसिद्ध एक श्रेष्ठ शिक्षक लेखक हैं।

जैसा हमारा समाज होता है, वैसे ही हमारे समाज के सभी वर्गों के लोग होते हैं। उसी तरह संसार का मीडिया भी है। आपका आदर्श है त्याग, हर उस भाव से जो बाँधता है, संकीर्ण करता है। ऐसा इसलिए कि आजकल बंधन मानव के अधोपतन का कारण पहले बनता है, उसके परिमार्जन, परिष्कार का बाद में। अतः आपका भाव सदैव शुद्धिकरण का रहता है। आपके संबोधन मनसा वाचा कर्मणा में एकनिष्ठ समन्वय के द्वारा पत्रकार समाज ही नहीं सामान्य जन को भी परिष्कृत करने से पूर्ण रहते हैं। हम सभी को भी यही प्रयास करना चाहिए कि विविध आडंबरो से परे रहकर कर्तव्य का समुचित निर्वहन करें। आपका मानना है कि ह्ममीडिया बहुत छोटी चीज है और समाज बहुत बड़ी चीज है ह्व मीडिया समाज का एक छोटा सा हिस्सा है। मीडिया ताकतवर हो सकता है, लेकिन समाज से ताकतवर नहीं हो सकता। आप याद दिलाते रहते हैं कि मीडिया अच्छा हो जाएगा और समाज बुरा रहेगा, ऐसा नहीं हो सकता। समाज अच्छा होगा, तो समाज जीवन के सभी क्षेत्र अच्छे होंगे। जो काम आपको मिला, आपने सत्यनिष्ठा से, प्रामाणिकता से और अपना सब कुछ समर्पित कर उसे पूरा किया। कभी भी ये नहीं सोचा कि ये काम अच्छा है, बुरा है, छोटा है या बड़ा है। साथ ही, कभी भी किसी काम की, किसी दूसरे के काम से तुलना भी नहीं की। किसी भी काम में हमेशा अपना सर्वश्रेष्ठ देने का प्रयास किया। यही आपका मूल मंत्र है। आपके आदर्श वाक्यों या जीवन की समस्त ऊर्जा से यदि क्षीर ग्रहण करना चाहें तो आपका यह वाक्य सदैव मार्गदर्शक के रूप में अपने पाठकों-श्रोताओं को पथ का दीप बनकर आगे बढ़ाता रहेगा ह्ममेरे पास यात्राएँ हैं, कर्म हैं और साथ हैं उनसे उपजी सफलताएँ ह्व कर्मों में कुशाग्रता, सकारात्मक व्यवहार, मन में निश्छलता, हृदय में एकाग्रता, विनम्रता, स्पष्टवादिता और हँसमुख स्वभाव सहित नीति निपुणता तमाम आपकी स्वाभाविक विशेषताएँ हैं और इन्हीं गुणों के कारण आपके संपर्क में आने वाला हर व्यक्ति आपका प्रशंसक बन जाता है। सच कहा जाए तो पत्रकारिता की व्यापक सृष्टि में आप ह्यअजातशत्रुह्व हैं । आपका व्यक्तित्व सत्यनिष्ठा, उत्तरदायित्व और भारतीय विचारधारा का विलक्षण समन्वय है जिसमें विनम्रता कोमलता का भाव वैसे ही दृश्यमान होता है जैसे कस्तूरी तथा उसकी सुगंध। वह मृग जीवन भर सुगंध खोजता है लेकिन आप खोजते नहीं बल्कि स्वयं अपने ज्ञान का सौरभ सभी पर बड़े प्यार से उँड़ेल देते हैं। वह अपनापन, वह स्नेहिल संग, वह कंधे पर थपकी सब कुछ इतना सहज कि बड़े से बड़ा भी नतमस्तक हुए बिना न रहे। भारतीय जन संचार संस्थान के स्थापना दिवस के उपलक्ष में दिए एक इंटरव्यू में समकालीन पत्रकारिता के सामने मौजूद चुनौतियों के बारे में द्विवेदी जी कहते हैं हमें सवाल खड़े करने वाला ही नहीं बनना है, इस देश के संकटों को हल करने वाला पत्रकार भी बनना है। मीडिया का उद्देश्य अंततः लोकमंगल है। यही साहित्य व अन्य प्रदर्शनकारी कलाओं का उद्देश्य भी है। इसके साथ देश की समझ आवश्यक तत्व है। देश के इतिहास, भूगोल, संस्कृति, परंपरा, आर्थिक सामाजिक चिंताओं, संविधान की मूलभूत चिंताओं की गहरी समझ हमारी पत्रकारिता को प्रामाणिक बनाती है। समाज आर्थिक सामाजिक, धार्मिक रूप से ही नहीं वैचारिक न्याय से युक्त बने। यही न्यायपूर्ण समरस समाज हम सबका साझा स्वप्न है। पत्रकारिता अपने इस कठिन दायित्वबोध से अलग नहीं हो सकती। इसमें शक नहीं कि आज मीडिया एजेंडा केन्द्रित पत्रकारिता और वस्तुनिष्ठ और निरपेक्ष पत्रकारिता के बीच बंट गया है। यह स्थिति स्वयं मीडिया की विश्वसनीयता पर सवालिया निशान लगाती है। वस्तुतः संजय जी वर्तमान के लिए वही कार्य कर रहे हैं जो हमारे ऋषियों ने किया था। उन्होंने युगबोध का कार्य किया और आप भी अपनी यात्राओं, संगोष्ठियों द्वारा राष्ट्र बोध जाग्रत करने का पुनीत कर्म कर रहे हैं। आपके जन्म दिवस पर यही सच्ची कामना होगी कि विश्व शुद्धिकरण, अंतःकरण में मानव प्रेम की ज्योत जगाने की यह करुणामय यात्रा सभी को अभिसिंचित करती अनन्तकाल तक प्रवाहित होती रहे।

(लेखक अखिल भारतीय साहित्य परिषद जोधपुर **प्रांत राजस्थान के प्रचार प्रमुख हैं।)**

संक्षिप्त समाचार

जूही को मिला नेठिया का कोटा

विशेश्वरगंज, एजेंसी। प्राथमिक विद्यालय विसई डिहवा नेठिया में बुधवार को कोर्ट के आदेश पर कोटा चयन को लेकर खुली बैठक का आयोजन किया गया। कोटा चयन प्रक्रिया में जूही विजयी घोषित की गईं। इस मौके पर प्रशासनिक टीम के साथ मौके पर भारी पुलिस बल मौजूद रही। कोर्ट के आदेश के तहत ब्लॉक स्तरीय प्रशासन द्वारा गठित टीम नोडल अधिकारी एडीओ कोआपरेटिव दिलीप कुमार दूबे, एडीओ पंचायत अरुण कुमार पांडेय, ग्राम पंचायत सचिव लक्ष्मी नारायण, महेश कुमार व बीएमएम आशीष कुमार की देखरेख में बैठक की कार्यवाही प्रारंभ हुई। बैठक में 1800 मतदाताओं के सापेक्ष 1/5 प्रतिशत कोरम पूरा होने के बाद कोटा चयन की प्रक्रिया आगे बढ़ाई गई। इस दौरान जूही शुक्ला, विशाल कुमार तिवारी, मंजूदेवी व कामिनी ने नामांकन दाखिल किया। जूही 442 मत पाकर कोटा चयन की प्रक्रिया में विजयी घोषित की गईं। विशाल को 21, मंजूदेवी को सात व कामिनी देवी को महज 35 मत ही प्राप्त हुए। बैठक की अध्यक्षता ग्राम प्रधान आरती देवी ने की। कोर्ट के आदेश के तहत इस दौरान एसओ संदीप कुमार द्विवेदी की अगुवाई में एसआई दिग्विजय सिंह के साथ वृजराज यादव, रामरतन सिंह, राधेश्याम यादव, संजय कनौजिया, दीवान गोवर्धन गुप्ता, हेड कांस्टेबल सच्चिदानंद यादव, योगेंद्रनाथ यादव, ज्ञानेंद्र राय, शंभू यादव, कांस्टेबल शिवानी गौड़ व सीमा अग्रहरी समेत पुलिस बल मौजूद रहा।

शटरिंग ढहने से घायल श्रमिक की मौत

बहराइच, एजेंसी। शहर के बशीरगंज मोहल्ला स्थित मैरिज लॉन में मंगलवार शाम भवन निर्माण के दौरान ढही शटरिंग की चपेट में आकर गंभीर रूप से घायल हुए श्रमिक झुलसे पुत्र मेवालाल की बुधवार को लखनऊ में उपचार के दौरान मौत हो गई। श्रावस्ती जिले के मल्हीपुर क्षेत्र अंतर्गत पैतृक संगमपुरवा गांव में अंतिम संस्कार कर दिया गया। श्रमिक संगठन से जुड़े प्रतिनिधि योगेंद्र मणि ने सहायक श्रमायुक्त सिद्धार्थ मोदियानी से मुलाकात कर श्रमिक झुलसे पुत्र मेवालाल के परिजनों को अहेतुक सहायता उपलब्ध कराने की मांग की। सहायक श्रमायुक्त ने बताया कि यदि श्रमिक का यूपी के किसी भी जिले के श्रम विभाग में पंजीकरण होगा, तो उसके परिवार को विभाग की ओर से पांच लाख रुपये प्रदान किए जाएंगे। यदि पंजीकरण नहीं है, तो चूंकि उसकी मौत मजदूरी करते समय हुई है, इसलिए उसे एक लाख रुपये दिए जाने का प्रावधान है। दूसरी तरफ कोतवाली नगर के प्रभारी प्रदीप सिंह का कहना है कि यदि परिवार के लोग तहरीर देंगे, तो एफआईआर दर्ज कर कार्रवाई की जाएगी। संगमपुरवा गांव के प्रधान लाल बहादुर यादव ने बताया कि मृतक मजदूर के परिवार में माता-पिता और भाई के अतिरिक्त उसकी पत्नी और एक साल का बेटा है।

पहले वाहन, फिर भिड़े चालक

लखनऊ, एजेंसी। गोमतीनगर विराजखंड में उल्टी दिशा से आ रहे ई रिक्शा की कार से भिड़ंत हो गई। इसके बाद सड़क पर ही दोनों चालक भिड़ गए। जमकर लात-घूसे चले। हालांकि, राहगीरों ने दोनों को अलग कर मामला शांत करवाया। इस दौरान पुलिस नदारद रही।

वरिष्ठ अनुसंधानवृत्ति में प्रो. ओंकार नाथ का चयन

लखनऊ, एजेंसी। केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय के भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएसएसआर) ने वर्ष 2025-26 के लिए वरिष्ठ अनुसंधानवृत्ति का चयन कर लिया है। सामाजिक विज्ञान के क्षेत्र में बेहतर शोध कार्य के लिए लखनऊ विश्वविद्यालय के डॉ. ओंकार नाथ उपाध्याय को चुना गया है। कुलपति प्रो. जेपी सैनी ने डॉ. उपाध्याय को शुभकामनाएं दी हैं। आईसीएसएसआर देश का प्रमुख संस्थान है, जो समाज से जुड़े विषयों पर शोध को बढ़ावा देता है। वरिष्ठ अनुसंधानवृत्ति का उद्देश्य समाज, शिक्षा, राजनीति, अर्थव्यवस्था और संस्कृति जैसे विषयों पर गहराई से अध्ययन करना है

चोट लगने से हुई थी मादा तेंदुए की मौत

बहराइच, एजेंसी। कतर्नियाघाट वन्यजीव प्रभाग के मोतीपुर वन रेंज में मंगलवार की सुबह उस समय अफरातफरी मच गई जब पकड़िया दीवान गांव के पास रामपुर मार्ग किनारे एक खेत में मादा तेंदुए का शव पड़ा मिला। सूचना मिलते ही प्रभारी वन क्षेत्राधिकारी डीपी कनौजिया के नेतृत्व में वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और आवश्यक कार्यवाही करते हुए तेंदुए के शव को कब्जे में लेकर रेंज कार्यालय ले जाया गया था। डीएफओ ने बताया कि मृत तेंदुआ मादा थी, उसकी उम्र लगभग आठ से दस माह के बीच है। प्रथम दृष्टया मादा तेंदुए की मौत आपसी संघर्ष से होना प्रतीत हो रही है।

गुणवत्तापूर्ण निर्माण कार्य पूरा करने के निर्देश

बस्ती। अमृत भारत योजना के तहत रेल मंत्रालय की ओर से आधुनिक तरीके से सुसज्जित ढंग से मॉडल के तौर पर विकसित किया जा रहे बस्ती रेलवे स्टेशन के निर्माण कार्य का बुधवार को लखनऊ डिवीजन के डीसीएम अजय कुमार सुमन व सीसीएमपीएम विजय कुमार रेल कर्मचारियों के साथ स्टेशन का निरीक्षण किया और समय से निर्माण कार्य पूरा करने का निर्देश दिया। पूर्वोत्तर रेलवे के लखनऊ डिवीजन के अधिकारियों ने बस्ती रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म संख्या एक के पीछे मुख्य प्रवेश द्वार, भवन, पिलर व स्टेशन परिसर में चल रहे निर्माण कार्यों का एक-एक कर बारीकी से निरीक्षण किया और निर्धारित समय में गुणवत्तापूर्ण तरीके से सभी कार्यों को पूरा करने का निर्देश दिए। डीसीएम अजय कुमार सुमन ने बताया कि अमृत भारत योजना के तहत यात्रियों को बेहतर सुविधा देने के लिए मॉडल के तौर पर बस्ती रेलवे स्टेशन को विकसित किया जा रहा है।

बेरोजगारों संग की ठगी- नौकरी दिलाने के नाम पर भेजा दुबई, न कंपनी थी न नौकरी-

ठग लिए 30.45 लाख रुपये, गिरफ्तार

लखनऊ, एजेंसी। आरोप है कि फुरकान, उसकी पत्नी इमराना खातून, पिता फारूक अली व अन्य के बैंक खातों में अलग-अलग तिथियों पर 49 लोगों के करीब 24.30 लाख रुपये ट्रांसफर कराए गए। इसके बाद 12 युवकों का वीजा कराकर उन्हें दुबई भेजा गया। वहां पहुंचने पर पता चला कि न तो कोई कंपनी है और न ही कोई नौकरी। सभी युवक बेरोजगार हालत में फंस गए।

दुबई में नौकरी दिलाने के नाम पर नायब काजी से 30.45 लाख रुपये की ठगी के आरोपी इनामी जालसाज को राजघाट पुलिस ने संतकबीरनगर से गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी की पहचान महाराष्ट्र के ठाणे खंडु पाडा भिवंडी डांडेकरवाडी निवासी फारुक अली निजामी के रूप में हुई है।

आरोपी को वर्ष 2023 से पुलिस खोज रही थी। वह संतकबीरनगर जिले के दुधरा इलाके में छिपकर रह रहा था। पुलिस ने दोपहर बाद उसे कोर्ट में पेश किया। जहां से उसे जेल भेज दिया गया।

मामला राजघाट थाना क्षेत्र के तुर्कमानपुर स्थित रशीद मंजिल निवासी मोहम्मद अजहर से जुड़ा है, जो इस्लामिक मुफ्ती होने के साथ-साथ शहर के नायब काजी भी हैं। 20 अगस्त 2023 में उन्होंने राजघाट थाने में फुरकान अली निजामी, उसकी पत्नी इमराना खातून, फुरकान के पिता फारूक अली समेत चार लोगों के खिलाफ धोखाधड़ी समेत अन्य गंभीर धाराओं में प्राथमिकी दर्ज कराई थी।

आरोप था कि उनके परिचित फुरकान अली निजामी और उसके परिजनों ने दुबई में नौकरी दिलाने का झांसा देकर उनसे और उनके जानने वालों से लाखों

रुपये ठग लिए। पीड़ित के अनुसार, फुरकान अली ने दुबई (यूएई) में 70 लोगों की नौकरी की वैकेंसी होने का दावा किया था। चॉकलेट कंपनी, ट्रॉली बैग और परफ्यूम पैकिंग जैसे पदों पर नियुक्ति का भरोसा दिलाया। इसके एवज में प्रत्येक व्यक्ति से वीजा से पहले 30 हजार और वीजा मिलने के बाद 40 हजार रुपये लेने की बात तय हुई। विश्वास दिलाने के लिए डिलाइट चॉकलेट फैक्टरी एलएलसी का एग्रीमेंट भी दिखाया गया, जो बाद में फर्जी निकला।

आरोप है कि फुरकान, उसकी पत्नी इमराना खातून, पिता फारूक अली व अन्य के बैंक खातों में अलग-अलग तिथियों पर 49 लोगों के करीब 24.30 लाख रुपये ट्रांसफर कराए गए। इसके बाद 12 युवकों का वीजा कराकर उन्हें दुबई भेजा गया। वहां पहुंचने पर पता चला कि न तो कोई कंपनी है और न ही कोई नौकरी। सभी युवक बेरोजगार हालत में फंस गए।

नायब काजी ने बताया कि मानवीय आधार पर उन्होंने अपने पास से करीब 6.15 लाख रुपये खर्च कर होटल, भोजन और हवाई टिकट की व्यवस्था कर 5 अगस्त 2023 को सभी युवकों को देश वापस बुलाया। रुपये वापस मांगने पर आरोपी ने टालमटोल शुरू कर दी और बाद में जान से मारने की धमकी देने लगा।इसके बाद पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू की थी।

गिरफ्तारी के लिए एसएसपी ने 15-15 हजार रुपये का इनामी घोषित किया था।पुलिस टीम ने बुधवार को फुरकान के पिता फारूक को संतकबीरनगर के दुधरा इलाके से गिरफ्तार कर लिया। दोपहर बाद उसे कोर्ट में पेश किया गया। जहां से उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। भागे हुए अन्य आरोपियों की तलाश में दबिश दी जा रही है।

नो-मैपिंग में एसडीएम पूरनपु का भी फॉर्म, नोटिस जारी

पीलीभीत। मतदाता सूची के विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्ष अभियान में पूरनपुर एसडीएम अजीत प्रताप सिंह का फॉर्म नो-मैपिंग में आया है। उन्हें भी जिला निर्वाच अधिकारी की ओर से नोटिस जारी किया गया है।

अब बीएलओ को रोजाना दो घंटे तक बूथ पर बैठ है। बुधवार को बूथों पर बीएलओ ने मतदाताओं के फ जमा किए। शहर के राम लुभाई साहनी महाविद्यालय के ब की सूची में मतदाता के तौर पर दर्ज एसडीएम पूरन अजीत प्रताप सिंह का फॉर्म भी नो-मैपिंग में पाया गया। उ जिला निर्वाचन अधिकारी की ओर से नोटिस जारी कि गया है।

एसआईआर के पहले चरण में अनमैप्ड विवरण में मि 67 हजार से अधिक मतदाताओं को नोटिस भेजा गया अब इस श्रेणी के मतदाताओं की संख्या 2.40 लाख पहु गई है। एडीएम वित्त एवं राजस्व प्रसून द्विवेदी ने बताया इन सभी मतदाताओं को नोटिस भेजा रहा है।

घुंघचाई। दिलावरपुर के बूथ संख्या 41, 42, 43 सुबह दस बजे बीएलओ पहुंचे। मतदाताओं ने बूथ पहुंचकर वोट बनने की जानकारी ली। इसके अला सिमरिया, कसगंजा आदि बूथों पर भी सुबह 10 से 12 ब के बीच बीएलओ काम करते दिखे। कई गांवों में बीएल ने मतदाताओं को नोटिस वितरित किए।

बिलसंडा। मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्यक्रम के त सभी बूथों पर मतदाताओं की समस्याओं को सुनकर उन समस्याओं का लगातार समाधान किया जा रहा है। बुध को पीएमश्री विद्यालय में बैठे बीएलओ ने मतदाताओं समस्याओं को सुना। इस दौरान नगर के निवासी अख्तर बताया कि उनका वोट नहीं बना है। इसको लेकर वह दिनों से चक्कर लगा रहे हैं।

हजरत इमाम मेहंदी की विलादत पर सजी महफिलें

लखनऊ, एजेंसी। बारहवें इमाम मेहंदी की विलादत का जश्न बुधवार को भी शिया समुदाय ने जारी रहा। महफिलों के आयोजन के साथ कर्बला, इमामबाड़ों और घरों में नज्र दिलाने व चखने का सिलसिला चलता रहा।

हुसैनाबाद ट्रस्ट की ओर से खदरा स्थित कर्बला मलका आफाक में जश्ने मसर्रत का आयोजन किया गया। अकीदतमंदों ने कर्बला पहुंचकर जियारत और नज्र की। लोगों ने दोस्तों व रिश्तेदारों के घर जाकर नज्र चखी। मंसूरनगर स्थित इमामबाड़ा उम्मूल बनीन में जश्ने-नूर-ए-असर का आयोजन किया गया। इसे मौलाना सैयद हैदर अब्बास रिजवी ने खिताब किया। हसनपुरिया स्थित अब्बासिया मस्जिद में जश्ने मुंतजिर मनाया गया। महफिल को मौलाना जमन हैदर जैदपुरी और मौलाना फिरोज अब्बास ने खिताब किया। डालीगंज स्थित कर्बला नसीरुद्दीन हैदर में महफिल ए कायम को मौलाना एजाज अतहर ने खिताब किया। वजीरगंज स्थित मस्जिद बुतूली बेगम व इमामबाड़ा जनाबे औन और मोहम्मद में जश्ने इमामे अस्त्र में मौलाना फिरोज अब्बास नकवी ने खिताब किया।

मेहंदी घाट पर गोमती पर नावों को जोड़कर सजाए बजरे की जियारत के लिए अकीदतमंद बुधवार को भी पहुंचते रहे। शिया समुदाय ने अरीजे (अर्जी) में मन्नतें लिखकर उसे आटे में लपेटकर दुआ पढ़ी और इसे हजरत इमामे जमाना की खिदमत में गोमती में डाला।

यूपी बोर्ड 2026 की परीक्षाएं 18 फरवरी से शुरू

मेरठ क्षेत्र से 10.34 लाख छात्र होंगे शामिल

मेरठ। यूपी बोर्ड की 2026 की परीक्षाएं 18 फरवरी से 12 मार्च तक होंगी। मेरठ क्षेत्रीय बोर्ड कार्यालय के अंतर्गत 17 जिलों से 10.34 लाख से अधिक छात्र परीक्षा में शामिल होंगे।

उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद (यूपी बोर्ड) की वर्ष 2026 की परीक्षाएं 18 फरवरी से शुरू होकर 12 मार्च तक चलेंगी। इस वर्ष मेरठ क्षेत्रीय बोर्ड कार्यालय के अंतर्गत आने वाले 17 जिलों में हाईस्कूल और इंटरमीडिएट की परीक्षाओं में कुल 10.34 लाख से अधिक परीक्षार्थी शामिल होंगे।

क्षेत्रीय बोर्ड कार्यालय मेरठ के अंतर्गत मेरठ, सहारनपुर, अलीगढ़ और आगरा मंडल के कुल 17 जिले आते हैं। इन सभी जिलों से कुल 10,34,745 परीक्षार्थी बोर्ड परीक्षा देंगे। इनमें हाई स्कूल के 5,30,668 और इंटरमीडिएट के 5,04,077 परीक्षार्थी होंगे।

कुल परीक्षार्थियों में 5,65,078 छात्र और 4,69,027 छात्राएं शामिल हैं जो छात्रों की तुलना में बालिकाओं की संख्या 96,691 कम दर्शाती है। पहली बार बोर्ड परीक्षा देने वाले अभ्यर्थियों की संख्या 5.30 लाख है, जो मुख्य रूप से हाई स्कूल के परीक्षार्थी हैं।

यह भी पढ़ें- क्क बड़ा प्रशासनिक फेरबदल, 24 आईपीएस अधिकारियों के तबादले, मेरठ-सहारनपुर के स्क्क बदले, ये होंगे नए कप्तान

आगरा में सबसे अधिक, शामली में सबसे कम परीक्षार्थी

क्षेत्रीय बोर्ड कार्यालय के तहत आने वाले 17 जिलों में आगरा जिले में सबसे अधिक परीक्षार्थी होंगे। आगरा में हाई स्कूल के 60,380 और इंटरमीडिएट के 61,665 परीक्षार्थी परीक्षा देंगे। वहीं, शामली जिले में सबसे कम परीक्षार्थी होंगे, जिनमें हाई स्कूल के 12,463 और इंटरमीडिएट के 11,743 छात्र-छात्राएं शामिल हैं।

छूटी प्रयोगात्मक परीक्षाएं आरजी कॉलेज में होंगी

चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय ने वार्षिक, सेमेस्टर एवं एनईपी प्रणाली के तहत हुई लिखित परीक्षा की छूटी हुई प्रयोगात्मक व मौखिक परीक्षाओं की तिथि घोषित कर दी है। ये परीक्षाएं आरजीपीजी कॉलेज में आयोजित की जाएंगी।

प्राचार्य प्रो. निवेदिता मलिक ने बताया कि फूड साइंस एवं क्वालिटी कंट्रोल, गृह विज्ञान एवं अंग्रेजी विषयों की प्रयोगात्मक परीक्षा 11 फरवरी को होगी। भूगोल, चित्रकला एवं मनोविज्ञान विषयों की परीक्षा 16 फरवरी को सुबह 9:30 बजे से शुरू होगी। छात्रों को अपने प्रवेश पत्र, प्रयोगात्मक विषय की फाइल और पिछली अंकतालिका के साथ संबंधित विभाग में समय पर उपस्थित होना होगा।

अमेरिकी टैरिफ कम होने से कितना हुआ फायदा?

हैंडीक्राफ्ट और कांच उद्यमियों की हो गई चांदी-चांदी

आगरा। अमेरिका द्वारा टैरिफ 50 फीसदी से घटाकर 18 फीसदी किए जाने से आगरा के हैंडीक्राफ्ट और फिरोजाबाद के कांच उद्योग के निर्यातकों को बड़ी राहत मिली है। टैरिफ कटौती से निर्यात बढ़ने, कारोबार में तेजी और रोजगार के अवसर बढ़ने की उम्मीद है।

अमेरिका ने टैरिफ किया कम: निर्यात के साथ घरेलू बाजार में आएगी तेजी, उद्यमी बोले- टेक्सटाइल नगरी को मिलेगी गति

हैंडीक्राफ्ट एक्सपोर्टर्स एसोसिएशन के कार्यकारी सचिव विप्नेश त्यागी ने बताया कि मार्बल हैंडीक्राफ्ट का करीब 80 फीसदी अमेरिका में ही निर्यात होता है। 50 फीसदी टैरिफ से पहले आगरा से करीब 1500 करोड़ रुपये का निर्यात होता था। बढ़े टैरिफ के कारण ये निर्यात 40-50 फीसदी रह गया था। अब 18 फीसदी टैरिफ होने से उद्यमियों को बड़ी राहत मिलेगी। उत्पाद बढ़ने के साथ कारीगरों के लिए भी कार्य बढ़ जाएगा। एसोसिएशन के कोषाध्यक्ष आशीष अग्रवाल ने बताया कि मार्बल हैंडीक्राफ्ट का सीजन शुरू होने वाला है। नोएडा में इंटरनेशनल मेला लगेगा। ऐसे में टैरिफ 18 फीसदी होने से पहले की तरह निर्यात की उम्मीद है। 50 फीसदी टैरिफ से निर्यात घटने से उत्पादों का निर्माण भी कम हो गया था। इससे कारीगर भी प्रभावित थे।

टैरिफ घटने से तेजी से बढ़ेगा कांच के उत्पादों का निर्यात : ग्लास मैन्युफैक्चरर्स एंड एक्सपोर्टर्स एसोसिएशन के उपाध्यक्ष राजेंद्र गुप्ता ने बताया कि फिरोजाबाद से कांच के उत्पादों का साल भर पहले तक 500-800 करोड़ रुपये तक निर्यात होता था। 70-80 फीसदी अमेरिका में ही निर्यात होता था। टैरिफ से उत्पाद महंगे होने से कारोबार तेजी से घटा। 18 फीसदी टैरिफ होने से वर्तमान निर्यात दोगुना होने की उम्मीद है।

छोटी निर्माता इकाइयां फिर से होंगी संचालित : कांच उत्पाद निर्यातक बिन्नी मित्तल ने बताया कि टैरिफ 50 फीसदी होने से छोटे निर्यातकों पर सबसे ज्यादा मार पड़ी थी। कई इकाइयां बंदी की कगार पर पहुंच गईं। कारीगरों की छंटनी तक करनी पड़ी थी। टैरिफ 18 फीसदी होने से छोटे निर्यातकों को राहत मिलेगी। निर्यात बढ़ने से इकाइयां फिर से संचालित होने लगेंगी।

ये उत्पाद होते हैं निर्यात : मार्बल हैंडीक्राफ्ट में सजावटी सामान, फर्नीचर, क्रॉकरी, कैंडल स्टैंड, शतरंज समेत अन्य सामग्री हैं। कांच के उत्पादों की बात करें तो इसमें भी सजावटी सामान प्रमुख है। कैंडल स्टैंड, क्रॉकरी, फ्लॉवर पॉट निर्यात होते हैं।

वरिष्ठ अधिवक्ता सम्मानित

लखनऊ, एजेंसी। अधिवक्ता न हों तो पीड़ितों, गरीबों को न्यान न मिल सके। कानून का राज कायम है तो इसमें अधिवक्ता समाज का अहम योगदान है। वस्तु एवं सेवाकर अपीलीय अधिकरण के न्यायिक सदस्य संतोष कुमार श्रीवास्तव ने सेल्स टैक्स बार एसोसिएशन के अधिवक्ता सम्मान समारोह व तहरी भोज में ये बातें कहीं। गोमतीनगर स्थित अंतरराष्ट्रीय बौद्ध संस्थान में हुए कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि वस्तु एवं सेवाकर अपीलीय अधिकरण के न्यायिक सदस्य नरेंद्र कुमार और अध्यक्ष राज्य कर अधिकरण लखनऊ रमेश चंद्र मौजूद रहे। सेल्स टैक्स बार एसोसिएशन के अध्यक्ष संजय मिश्र ने बताया कि वरिष्ठ अधिवक्ता गोपाल नारायण मल्होत्रा, जगदीश कुमार, अशोक श्रीवास्तव, अशोक कुमार सिंह सहित वकालत में 25 से 50 वर्ष तक गुजारने वाले 80 अधिवक्ताओं को सम्मानित किया गया। महामंत्री शिवकुमार पांडेय, कोषाध्यक्ष अवधेश कुमार श्रीवास्तव आदि मौजूद रहे।

दो हादसों में युवक व महिला की मौत

सरोजनीनगर, एजेंसी। क्षेत्र में मंगलवार रात और बुधवार सुबह हुए दो सड़क हादसों में स्कूटी सवार ललित चौधरी (40) और महिला अधिवक्ता स्मिता द्विवेदी (45) की मौत हो गई। दोनों ही मामलों में तेज रफ्तार कार से स्कूटी सवारों की टक्कर हुई थी। घटना के बाद आरोपी चालक मौके से भाग गए

सरोजनीनगर की जयराजपूरी कॉलोनी निवासी ललित चौधरी अमौसी औद्योगिक क्षेत्र (नादरगंज) स्थित गोमती ब्रेड कंपनी में नौकरी करते थे। उनके चचेरे भाई बंथरा के औरावां निवासी राम मिलन के मुताबिक मंगलवार रात करीब 11 बजे ललित ड्यूटी करके स्कूटी से घर जा रहे थे। बद्रीनगर पुलिया से पास सामने से आ रही तेज रफ्तार कार उनकी स्कूटी से टकरा गई। टक्कर लगते ही ललित सिर के बल सड़क पर गिरे और उनका हेलमेट टूट गया। हादसे के बाद आरोपी चालक कार छोड़कर भाग गया। मौके पर पहुंची पुलिस ललित को लोकबंधु अस्पताल लेकर पहुंची, जहां से उन्हें ट्रॉमा सेंटर रेफर कर दिया गया। ट्रॉमा सेंटर ले जाते समय रास्ते में ही ललित ने दम तोड़ दी। राममिलन ने बताया कि ललित को बुधवार मामा के बेटे की शादी में शामिल होने काकोरी के मौंदा गांव जाना था। ललित के परिवार में पत्नी पूजा हैं। इसके अलावा, सरोजिनीनगर की जयराजपुरी कॉलोनी निवासी अधिवक्ता स्मिता द्विवेदी के पति ऋतुराज द्विवेदी के अनुसार, बुधवार सुबह 10:00 बजे पत्नी स्कूटी से ठाकुरगंज के नगरिया मायके जा रही थीं।

जागरूकता कैंसर के खिलाफ सबसे बड़ा सुरक्षा कवच

लखनऊ, एजेंसी। जागरूकता कैंसर के खिलाफ सबसे बड़ा सुरक्षा कवच है। सही समय पर सही जानकारी और टीकाकरण से इस बीमारी से बचा जा सकता है। हर मां को अपनी बेटी को नौ से 14 वर्ष की आयु में ही एचपीवी का टीका लगवाना चाहिए। इससे वह उसे पूरी जिंदगी सुरक्षित रख सकती है। सर्वाइकल ऐसा कैंसर है, जिसे टीके से रोका जा सकता है।

केजीएमयू के स्त्री कैंसर रोग विभाग की अध्यक्ष प्रो. डॉ. निशा सिंह ने बुधवार को ये बातें कहीं। वह अमर उजाला अपराजिता के तहत विश्व कैंसर दिवस पर आयोजित जागरूकता कार्यक्रम में मुख्य वक्ता थीं। केजीएमयू के स्त्री कैंसर रोग विभाग और अमर उजाला की ओर से यह आयोजन किया गया था।

मनकामेश्वर वार्ड स्थित लंबेश्वर पार्क सामुदायिक केंद्र में हुए कार्यक्रम में डॉ. निशा सिंह ने महिलाओं से जुड़े कैंसर के लक्षण, बचाव व इलाज की जानकारी दी। उन्होंने विभाग की विशेष

सुविधाओं जैसे टीकाकरण से लेकर जांच आदि के बारे में भी बताया। प्रोजेक्ट के तहत कम कीमत व मुफ्त में जांच और टीकारण की जानकारी भी साझा की। विभाग की डॉ. स्नेहा सिंह, जन आरोग्य मंदिर एवं वेलनेस सेंटर की डॉ. नेहा प्रताप ने कैंसर से जुड़ीं जानकारियां दीं। आयोजन में पार्षद रणजीत यादव का विशेष योगदान रहा। महंत देव्यागिरि व 70 से अधिक महिलाएं मौजूद रहीं।

कैंसर की खुद जांच करने का दिया प्रशिक्षण : डॉ. निशा ने खुद कैंसर की जांच करने का प्रशिक्षण दिया। उन्होंने स्तनों के आकार, रंग की जांच करना सिखाया। साथ ही निप्पल से किसी भी तरह के असामान्य डिस्चार्ज (पानी जैसा, दूधिया या खून) की जांच करना सिखाया।

रेपो रेट में बदलाव नहीं, लोन महंगा नहीं होगा,

आरबीआई ने ब्याज दर 5.25 प्रतिशत पर बरकरार रखी, अब आरबीआई लाएगा सख्त गाइडलाइंस, लोन-रिकवरी एजेंट अब ग्राहकों को परेशान नहीं कर सकेंगे

एजेंटों की बदतमीजी बैंकों को पड़ेगी भारी

मुंबई।

इस बार रेपो रेट में बदलाव नहीं किया गया है। इसे 5.25 प्रतिशत पर बरकरार रखा है। यानी लोन महंगे नहीं होंगे और आपकी ईएमआई भी नहीं बढ़ेगी। आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने शुक्रवार को मॉनीटरी पॉलिसी कमेटी की मीटिंग में लिए फैसलों की जानकारी दी। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने लोन रिकवरी एजेंटों की मनमानी और बैंकों द्वारा की जा रही मिस-सेलिंग पर लगाम लगाने के लिए सख्त गाइडलाइंस लाने का फैसला किया है। आरबीआई गवर्नर ने बताया कि केंद्रीय बैंक तीन नए ड्राफ्ट रेगुलेशन जारी करने जा रहा है। इनका मकसद ग्राहकों की सुरक्षा को मजबूत करना और बैंकों की जवाबदेही तय करना है। इन नियमों के लागू होने के बाद रिकवरी एजेंट ग्राहकों को डरा-धमका नहीं पाएंगे और न ही बैंक आपको ऐसा इंश्योरेंस या लोन दे पाएंगे, जिसकी आपको जरूरत नहीं है। आरबीआई गवर्नर ने साफ किया है कि लोन रिकवरी की प्रक्रिया में पारदर्शिता और नैतिकता लाने के लिए मौजूदा नियमों को और कड़ा किया जाएगा। अक्सर शिकायतें आती हैं कि रिकवरी एजेंट ग्राहकों को देर रात फोन करते हैं, उनके रिश्तेदारों को परेशान करते हैं या घर आकर बदतमीजी करते हैं। नए नियमों के तहत बैंक अब इन एजेंटों की हरकतों के लिए सीधे जिम्मेदार होंगे। अगर कोई एजेंट नियमों का उल्लंघन करता है, तो बैंक पर भारी जुर्माना लग सकता है।

अब जबरदस्ती नहीं बेच पाएंगे इंश्योरेंस

जब कोई ग्राहक बैंक में एफडी कराने या लोन लेने जाता है, तो बैंक कर्मचारी उसे लुभावने वादे करके कोई इंश्योरेंस पॉलिसी या इन्वेस्टमेंट प्लान बेच देते हैं। बाद में पता चलता है कि वह प्रोडक्ट ग्राहक के लिए फायदेमंद ही नहीं था। इसे ही मिस-सेलिंग कहते हैं। आरबीआईअब इसके लिए सख्त गाइडलाइंस तय कर रहा है। बैंकों को यह सुनिश्चित करना होगा कि वे ग्राहकों को वही प्रोडक्ट बेचें जो उनकी जरूरत और रिस्क लेने की क्षमता के अनुसार हो।

डिजिटल फ्रॉड पर 25,000 तक का मुआवजा

रिजर्व बैंक ने एक नया फ्रेमवर्क लाने का प्रस्ताव रखा है, जिसके तहत छोटे अमाउंट वाले फ्रॉड ट्रांजैक्शन में नुकसान झेलने वाले ग्राहकों को 25 हजार तक का मुआवजा दिया जाएगा।

आरबीआई ने छोटे कारोबारियों के लिए बढ़ाई कोलैटरल-फ्री लोन की सीमा

- कोलैटरल-फ्री लोन सीमा 10 लाख से बढ़ाकर 20 लाख की

मुंबई।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने हाल ही में मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बैठक के बाद छोटे कारोबारियों के लिए एक महत्वपूर्ण फैसला किया है। आरबीआई ने माइक्रो और स्मॉल एंटरप्राइजेज (एमएसई) के लिए कोलैटरल-फ्री लोन की सीमा 10 लाख रुपए से बढ़ाकर 20 लाख रुपए कर दी है। यह नया नियम 1 अप्रैल 2026 से लागू होगा और उसके बाद स्वीकृत या रिन्यू होने वाले सभी लोन पर लागू रहेगा। इस फैसले का मुख्य उद्देश्य छोटे उद्यमियों को बिना संपत्ति गिरवी रखे अधिक लोन उपलब्ध कराना और उन्हें औपचारिक बैंकिंग सिस्टम से जोड़ना है। पहले कई छोटे व्यवसायियों को गिरवी की कमी के कारण महंगे अनौपचारिक कर्ज का सहारा लेना पड़ता था। अब वे आसानी से बैंक से 20 लाख रुपए तक का लोन ले सकेंगे, जो मशीनरी खरीदने, स्टॉक बढ़ाने और कारोबार विस्तार में सहायक होगा। एमएसएमई सेक्टर भारत की अर्थव्यवस्था की रीढ़ माना जाता है और यह लाखों लोगों को रोजगार देता है। माइक्रो एंटरप्राइज में निवेश 2.5 करोड़ रुपए तक और टर्नओवर 10 करोड़ रुपए तक होता है, जबकि स्मॉल एंटरप्राइज में निवेश 25 करोड़ रुपए तक और टर्नओवर 100 करोड़ रुपए तक हो सकता है। ऋब्ळ का मानना है कि इस फैसले से छोटे उद्योगों को औपचारिक क्रेडिट सिस्टम से जोड़ने में मदद मिलेगी। आरबीआई का यह कदम न केवल छोटे कारोबारियों के लिए राहत देगा, बल्कि देश की आर्थिक गतिविधियों को मजबूत करने और उद्यमिता को प्रोत्साहित करने में भी सहायक होगा। विशेषज्ञों का कहना है कि इससे एमएसएमई सेक्टर को विकास के नए अवसर मिलेंगे और कारोबारी निवेश में तेजी आएगी।

क्रिप्टोकरेंसी बाजार में भारी गिरावट, बिटकॉइन 63,000 डॉलर के करीब

बिटकॉइन गुरुवार के मुकाबले 9 फीसदी और गिरकर 65,000 डालर के आसपास

मुंबई ।

क्रिप्टोकरेंसी बाजार में पिछले दो दिनों से भारी अस्थिरता देखी जा रही है। दुनिया की सबसे बड़ी क्रिप्टोकरेंसी बिटकॉइन गुरुवार को 12.6 फीसदी गिरकर 63,300 डालर तक पहुंच गई, जो अक्टूबर 2024 के बाद का सबसे निचला स्तर है। शुक्रवार को बिटकॉइन करीब 9 फीसदी और गिरकर 65,000 डालर के आसपास ट्रेड करने लगी। इस हफ्ते बिटकॉइन में कुल 17 फीसदी और साल 2026 में अब तक 28 फीसदी की गिरावट दर्ज की जा चुकी है। दूसरी सबसे बड़ी क्रिप्टोकरेंसी ईथर भी दबाव में रही और एक दिन में 13 फीसदी से अधिक गिर गई, जबकि साल 2026 में इसमें करीब 38 फीसदी की गिरावट हो चुकी है। विशेषज्ञों के अनुसार, निवेशकों की जोखिम से दूरी, भारी लिक्विडेशन और अमेरिकी मौद्रिक नीति में सख्ती की आशंकाओं ने बाजार को झटका दिया। कॉइनग्लास के आंकड़ों के मुताबिक केवल 24 घंटों में 1 बिलियन डालर के बिटकॉइन पोजीशन जबरन बंद हुए। इसके अलावा टेक शेयरों में कमजोरी और सोना-चांदी जैसी संपत्तियों में अस्थिरता ने बाजार दबाव और बढ़ाया। संस्थागत निवेशकों द्वारा क्रिप्टो ईटीएफ से लगातार निकासी भी गिरावट का बड़ा कारण बनी है। डॉयचे बैंक के अनुसार, जनवरी में अमेरिकी स्पॉट बिटकॉइन ईटीएफ से 3 बिलियन डालर से ज्यादा निकासी हुई। बाजार के जानकारों के अनुसार, क्रिप्टो बाजार फिलहाल कैपिटुलेशन मोड में है। यह केवल अल्पकालिक सुधार नहीं बल्कि बड़े रीसेट की शुरुआत हो सकता है, जो कई महीनों तक चल सकता है। गिरावट जारी रहने पर माइनर्स पर दबाव बढ़ सकता है और जबरन लिक्विडेशन का जोखिम फिर से बढ़ सकता है।

नई दिल्ली में लॉन्च हुई भारत टैक्सी, देश की पहली सहकारी कैब सर्विस

मुंबई।

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने नई दिल्ली में भारत टैक्सीऐप को आधिकारिक रूप से लॉन्च किया। यह देश की पहली सहकारी कैब सर्विस है, जो प्रॉफिट के बजाय ड्राइवरों के कल्याण पर केंद्रित है। कंपनी किसी भी तरह का कमीशन नहीं लेती, और राइड का पूरा पैसा सीधे ड्राइवर के खाते में जाता है। भारत टैक्सी में कैब के साथ-साथ मेट्रो टिकट बुकिंग की सुविधा भी उपलब्ध है। सहकारी मॉडल और कमीशन रहित सिस्टम के कारण किराया ओला-उबर की तुलना में काफी कम है। साथ ही ऐप में सर्ज प्राइसिंग का कोई सिस्टम नहीं है, जिससे भीड़ के समय किराया बढ़ता नहीं। यात्रियों की सुरक्षा के लिए ऐप में एसओएस, इमरजेंसी बटन भी दिया गया है, जो लोकेशन भरोसेमंद संपर्कों तक तुरंत भेजता है। सफल ट्रायल के बाद ऐप अब दिल्ली-एनसीआर में पूरी तरह

उपलब्ध है और जल्द ही मुंबई, चेन्नई, बेंगलुरु में भी शुरू होगा।

चांदी दो दिन में 41 हजार सस्ती, सोना भी धड़ाम

-चांदी की कीमत 2.41 लाख/किलो, तो सोना 1.51 लाख पर आया

नई दिल्ली।

सोने-चांदी के दाम में शुक्रवार को भी गिरावट जारी रही। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार, सर्राफा बाजार में चांदी की कीमत शुक्रवार को 13,155 रुपए गिरकर 2,41,184 रुपए प्रति किलो पर आ गई है। इससे पहले इसकी कीमत 2,54,339 रुपए थी। दो दिन में ये 41,278 रुपए सस्ती हो चुकी है। वहीं 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का भाव आज 1,013 रुपए कम होकर 1,51,489 रुपए पर आ गया है। इससे पहले ये 1,52,502 रुपए पर था। सोना दो दिन में 6,669 रुपए सस्ता हुआ है। सर्राफा बाजार में सोने ने 29 जनवरी को 1,76,121 और चांदी ने 3,85,933 रुपए का ऑल टाइम हाई बनाया था।

इससे पहले 29 जनवरी से 2 फरवरी के बीच चांदी की कीमत 1.60 लाख रुपए कम हुई थी। वहीं, सोने की कीमत में 26 हजार रुपए कम हुई थी। वायदा कारोबार पर चांदी 4 लाख रुपए से घटकर 2.41 रुपए प्रति किलो पर आ गई थी। 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 1.70 लाख से गिरकर 1.40 लाख पर आ गया था। हालांकि फिर दोनों के दाम में तेजी रही थी।

सोने-चांदी में गिरावट की वजह

सोने-चांदी की कीमत हाल के दिनों में रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई थी, जिसके बाद निवेशकों ने बड़े पैमाने पर प्रॉफिट बुक किया। वहीं ऑल टाइम हाई के बाद फिजिकल डिमांड कमजोर हुई, साथ ही औद्योगिक उपयोग को लेकर चिंताएं भी बढ़ीं।

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई । भारतीय रुपया शुक्रवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 34 पैसे की गिरावट के साथ ही 90.68 पर बंद हुआ। शुरुआती कारोबार में रुपया 11 पैसे मजबूत होकर 90.23 पर पहुंच गया। गुरुवार को रुपया 13 पैसे बढ़कर 90.34 पर बंद हुआ था। इंटरबैंक फॉरेन एक्सचेंज में कारोबार के दौरान रुपया 90.28 पर खुला और फिर बढ़त जारी रखी। फॉरेक्स ट्रेडर्स ने कहा कि विदेशी संस्थागत निवेशकों की निकासी और कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों ने रुपया में और अधिक तेजी पर रोक लगाई। वहीं, डॉलर में थोड़ी मजबूती के चलते भी स्थानीय मुद्रा की बढ़त सीमित रही।

नेस्ले इंडिया की मैगी के 50 वर्ष पूरे, स्मृति में स्मारक डाक टिकट जारी

नई दिल्ली । नेस्ले इंडिया के लोकप्रिय ब्रांड मैगी ने भारत में अपनी उपस्थिति के 50 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में एक विशेष स्मारक डाक टिकट जारी किया है। इस डाक टिकट का अनावरण केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री चिराग पासवान और नेस्ले इंडिया के चेयरमैन एवं मैनेजिंग डायरेक्टर मनीष तिवारी ने एक गरिमामयी समारोह में किया। केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने इस अवसर पर कहा कि मैगी जैसे अग्रणी ब्रांड्स ने भारतीय खाद्य पारिस्थितिकी तंत्र को सशक्त बनाने और उपभोक्ताओं का विश्वास जीतने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने ब्रांड की पांच दशकों की विकास यात्रा की सराहना की। नेस्ले इंडिया के एमडी मनीष तिवारी ने इसे उपभोक्ताओं के अटूट प्रेम और विश्वास का प्रतीक बताया। उन्होंने कहा कि 50 ईयर्स ऑफ़ टुगेदरनेस डाक टिकट उन अनगिनत साझा पलों को समर्पित है, जो मैगी ने पीढ़ियों से भारतीय घरों में निर्मित किए हैं। पिछले पांच दशकों में मैगी ने नूडल्स से लेकर सॉस और सूप तक अपनी श्रेणियों का विस्तार कर हर वर्ग के स्वाद में अपनी जगह बनाई है। कंपनी ने भविष्य में भी इसी विश्वास और गुणवत्ता को बनाए रखने की प्रतिबद्धता दोहराई है।

आरबीआई डिजिटल लेन-देन सुरक्षा और ग्राहक क्षतिपूर्ति के लिए बनाएगा नई रूपरेखा

- छोटे-मोटे धोखाधड़ी वाले लेन-देन में 25,000 तक की क्षतिपूर्ति

मुंबई । भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने शुक्रवार को घोषणा की कि छोटे मूल्य वाले धोखाधड़ी वाले डिजिटल लेन-देन के लिए ग्राहकों को 25,000 तक की क्षतिपूर्ति दी जाएगी। इसका उद्देश्य ग्राहकों की तत्काल सुरक्षा और विश्वास बढ़ाना है। आरबीआई जल्द ही एक परिचर्चा पत्र प्रकाशित करेगा जिसमें डिजिटल भुगतान सुरक्षा के उपाय शामिल होंगे। इसमें विलंब से क्रेडिट और वरिष्ठ नागरिकों के लिए अतिरिक्त प्रमाणीकरण जैसी सुविधाएं होंगी। तीन दिशानिर्देशों का मसौदा` किया जाएगा तैयार- वित्तीय उत्पादों की गलत बिक्री रोकना, अनधिकृत इलेक्ट्रॉनिक लेन-देन में ग्राहक की देनदारी सीमित करना और ऋण वसूली और वसूली एजेंट के दिशा-निर्देशों का सामंजस्य। शहरी सहकारी बैंकों की क्षमता निर्माण के लिए मिशन सक्षम की शुरुआत की जाएगी। मल्होत्रा ने कहा कि सभी नए और संशोधित निर्देश जल्द सार्वजनिक परामर्श के लिए जारी किए जाएंगे, जिससे बैंकिंग क्षेत्र और डिजिटल भुगतान प्रणाली अधिक सुरक्षित और पारदर्शी बने।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 266 अंक, निफ्टी 50 अंक उछला

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार शुक्रवार के कारोबारी दिन बढ़त पर बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में ये उछाल दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के बाद भी खरीदारी हावी होने से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 266.47 अंक उछलकर 83,580.40 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 50.90 अंक बढ़कर 25,693.70 पर बंद हुआ। आज एफएमसीजी और कंज्यूमर ड्यूरेबल्स के शेयरों में उछाल से बाहर ऊपर आया है। आईटीसी के शेयरों में 5 फीसदी और एचयूएल में 2.96 फीसदी की बढ़त रही।

आज कारोबार के दौरान निफ्टी एफएमसीजी , निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, निफ्टी कंजम्पशन, निफ्टी रियल्टी , निफ्टी के शेयर बढ़त के साथ बंद हुए। वहीं निफ्टी आईटी , निफ्टी फार्मा , निफ्टी इंडिया डिफेंस , निफ्टी हेल्थकेयर और निफ्टी ऑटो शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। सेंसेक्स पैक में आईटीसी, कोटक महिंद्रा बैंक, एचयूएल, भारती एयरटेल, बजाज फाइनेंस, पावर ग्रिड, बजाज फिनसर्व, टाइटन, एक्सिस बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, एमएंडएम और एलएंडटी के शेयर लाभ में रहे जबकि टेक महिंद्रा, टीसीएस, एशियन पेंट्स, इटरनल, एचसीएल टेक, एचडीएफसी बैंक, इन्फोसिस और बीईएल के शेयरों को नुकसान हुआ। लार्जकैप की जगह मिडकैप और स्मॉलकैप के शेयरों में बिकवाली हावी रही। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 14.40 अंक की गिरावट के साथ 59,502.70 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 45.25 अंक टूटकर 16,938.65 पर था। इससे पहले आज सुबह बाजार गिरावट के साथ खुले। सुबह शुरुआत के बाद सेंसेक्स 224.17 अंक गिरकर 83,089.76 पर कारोबार कर रहा था। वहीं निफ्टी-50 25,605 पर खुला और जल्द ही 25,600 के नीचे फिसल गया। वहीं एशियाई बाजारों में गिरावट रही। वॉल स्ट्रीट पर भी टेक शेयरों में दबाव रहा। ब्लूमबर्ग के मुताबिक, टेक शेयरों वाला नैस्डैक 100 पिछले साल अप्रैल के बाद तीन दिनों में सबसे बड़ी गिरावट का सामना कर रहा है। इसकी एक वजह आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को लेकर चिंता भी है। इस दौरान एसएंडपी 500 इंडेक्स 1.23 फीसदी और नैस्डैक 1.59 फीसदी के नीचे बंद हुआ।

भारत का विदेशी मुद्रा भंडार रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचा, 723.8 अरब डॉलर

- पिछले सप्ताह के 709.41 अरब डॉलर से 14.4 अरब डॉलर अधिक

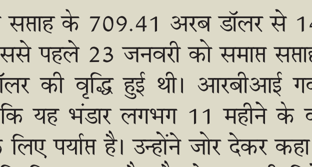

मुंबई । भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 30 जनवरी को समाप्त सप्ताह में 723.8 अरब डॉलर पर पहुंच गया, जो अब तक का रिकॉर्ड स्तर है। यह पिछले सप्ताह के 709.41 अरब डॉलर से 14.4 अरब डॉलर अधिक है। इससे पहले 23 जनवरी को समाप्त सप्ताह में भंडार में 8.05 अरब डॉलर की वृद्धि हुई थी। आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा* ने कहा कि यह भंडार लगभग 11 महीने के वस्तु आयात को कवर करने के लिए पर्याप्त है। उन्होंने जोर देकर कहा कि भारत की बाहरी वित्तीय स्थिति मजबूत है और देश अपनी विदेशी वित्तीय जरूरतों को आसानी से पूरा करने में सक्षम है। विदेशी मुद्रा भंडार में चार कारक हैं - विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति, स्वर्ण भंडार, अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष के पास आरक्षित निधि और विशेष आहरण अधिकार। विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति 23 जनवरी को समाप्त सप्ताह में करीब 563 अरब डॉलर पर और स्वर्ण भंडार 123 अरब डॉलर पर था। विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति में डॉलर के अलावा यूरो, ब्रितानी पाउंड और जापानी येन शामिल होता है। आरबीआइई के अनुसार, भंडार की यह बढ़त भारत को वैश्विक वित्तीय बाजारों में भरोसा और आर्थिक सुरक्षा प्रदान करती है। विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति और स्वर्ण के उच्च स्तर से भारत अपनी बाहरी भुगतान क्षमता बनाए रखने में सक्षम है।

भारत में 'डोल्से' ब्रांड की एंट्री, फाइन एर्स और व्यंडहम में रणनीतिक गठबंधन

उदयपुर और गोवा में खुलेंगे लग्जरी रिसॉर्ट्स; राजस्थान में 'व्यंडहम ग्रैंड' का भी हुआ औपचारिक आगाज

उदयपुर ।

भारतीय हॉस्पिटैलिटी परिदृश्य में एक नए युग की शुरुआत करते हुए देश की अग्रणी रियल एस्टेट और हॉस्पिटैलिटी कंपनी फाइन एर्स ने विश्व की विशालतम होटल फ्रेंचाइजिंग संस्था व्यंडहम होटल्स एंड रिसॉर्ट्स के साथ एक ऐतिहासिक रणनीतिक गठबंधन की घोषणा की है। इस साझेदारी के माध्यम से प्रतिष्ठित वैश्विक ब्रांड डोल्से होटल्स एंड रिसॉर्ट्स पहली बार भारतीय बाजार में कदम रखने जा रहा है।

संस्थापक व प्रबंध निदेशक दिनेश यादव के नेतृत्व में विकसित इस सहयोग के तहत गोवा और उदयपुर में दो फ्लैगशिप परियोजनाएं डोल्से बाय व्यंडहम लॉन्च की गई हैं।

उदयपुर के कोडियात में आयोजित एक भव्य गाला साइनिंग समारोह में इस गठबंधन पर मुहर लगी, जिसमें बॉलीवुड हस्तियों, अंतरराष्ट्रीय निवेशकों और उद्योग जगत के दिग्गजों ने शिरकत की। इसी अवसर पर व्यंडहम ग्रैंड जयपुर आमेर का भी शुभारंभ किया गया, जो राजस्थान की शाही विरासत के साथ वैश्विक आधुनिकता का समावेश है।

इन परियोजनाओं की मुख्य विशेषता इनका यूनिट सेल्स मॉडल है।

इसके अंतर्गत लगभग 70 प्रतिशत इकाइयां व्यक्तिगत निवेशकों को विक्रय की जाएंगी, जिन्हें एक प्रबंधित रेंटल पूल के माध्यम से पूर्णतः लीज-बैक किया जाएगा। यह मॉडल निवेशकों के लिए व्यावसायिक स्थिरता, पेशेवर संचालन और दीर्घकालिक मूल्य सृजन सुनिश्चित करता है।

प्रबंध निदेशक दिनेश यादव ने कहा, हमारा लक्ष्य भारत में 5,000 यूनिट्स के विस्तार के साथ विश्व-स्तरीय हॉस्पिटैलिटी अनुभव प्रदान करना है। डोल्से ब्रांड प्रीमियम रिसॉर्ट्स और डेस्टिनेशन वेडिंग्स की बढ़ती वैश्विक मांग को पूरा करने की दिशा में हमारा एक ठोस कदम है। व्यंडहम के प्रेसिडेंट दिमित्रिस मैनिकिस और यूरेशिया के एमडी राहुल मैकारियस ने इसे गेम-चेंजर बताते हुए कहा कि यह साझेदारी पर्यटन को नई ऊंचाइयों पर ले जाएगी।

आरबीआई बैंकों को रीट को ऋण देने की अनुमति देने पर कर रहा विचार

नई दिल्ली । भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने शुक्रवार को रियल एस्टेट क्षेत्र के वित्तपोषण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से बैंकों को रील एस्टेट इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट (रीट) को ऋण देने की अनुमति देने का प्रस्ताव पेश किया। इस कदम के पीछे मकसद है निवेशकों और बैंकों दोनों के लिए वित्तीय तरलता बढ़ाना। रीट ऐसे निवेश माध्यम हैं जो आय उत्पन्न करने वाली रियल एस्टेट संपत्तियों के मालिक होते हैं या उनका संचालन करते हैं। निवेशक सीधे संपत्ति खरीदे बिना संपत्ति से होने वाली आय में हिस्सा ले सकते हैं। भारत में रीट और इंफ्रास्ट्रक्चर इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट की अवधारणा संस्थागत और खुदरा निवेशकों के कोष के माध्यम से निवेश पुनर्वित्त करने और बैंकों के फंसे कोष को मुक्त करने के लिए बनाई गई थी। आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने द्विमासिक मौद्रिक नीति में कहा कि कुछ विवेकपूर्ण सुरक्षा उपायों के साथ बैंकों को रीट को ऋण देने की अनुमति देने पर विचार किया जा रहा है। वर्तमान में, केवल इर विट को बैंक ऋण की अनुमति है, जबकि रीट को यह अनुमति नहीं थी। प्रस्तावित कदम में रीट को ऋण देने के लिए मौजूदा दिशानिर्देशों को इन विट के समान किया जाएगा।

कॉग्निजेंट ने कर्मचारियों को 100 फीसदी बोनस दिया, राजस्व वृद्धि में रिकॉर्ड प्रदर्शन

नई दिल्ली । कॉग्निजेंट ने वर्ष 2025 में 6.4 फीसदी की राजस्व वृद्धि दर्ज की, जो कंपनी के अनुमान 6-6.3 फीसदी से अधिक है। कंपनी ने इसेविजेताओं के समूह में शामिल होने जैसा अनुभव बताया। कंपनी के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा कि कंपनी नैस्डैक में सूचीबद्ध शीर्ष राजस्व वृद्धि वाली कंपनियों में फिर से शामिल हो गई है। उल्लेखनीय है कि कंपनी ने प्रदर्शन के चलते कर्मचारियों को 100 फीसदी बोनस दिया, जो पिछले सात वर्षों में सबसे बड़ा है। इससे यह जाहिर होता है कि कॉग्निजेंट कर्मचारियों को अपने साथ बनाए रखने और उन्हें पुरस्कृत करने के लिए गंभीर है। कंपनी ने राजस्व वृद्धि, बाजार हिस्सेदारी, बड़े करार की गति, कौशल प्रशिक्षण, मार्जिन विस्तार और प्रति शेयर कमाई में बढ़ोतरी जैसे प्रमुख क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित किया।

टी20 विश्वकप में आज अमेरिका पर जीत के साथ अपना अभियान शुरु करने उतरेगी भारतीय टीम

मुंबई (एजेंसी)। सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में भारतीय टीम शनिवार को यहां टी20 विश्वकप के अपने पहले मैच में अमेरिका के खिलाफ जीत से शुरुआत करने उतरेगी। भारतीय टीम ने हाल ही में न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज में 4-1 से जीत दर्ज की है जिससे उसके हौंसले बुलंद हैं। भारतीय टीम के बल्लेबाज और गेंदबाज अच्छे फार्म में हैं जिसका लाभ उसे मिलेगा। भारतीय टीम के पास अभिषेक शर्मा और ईशान किशन जैसी आक्रामक जोड़ी हैं। तिलक वर्मा की वापसी से भी टीम की बल्लेबाजी मजबूल हुई है। वहीं टीम की गेंदबाजी अर्शदीप सिंह और वरुण चक्रवर्ती पर आधारित रहेगी। ऐसे में वह जीत की प्रबल दावेदार नजर आती है।

कप्तान सूर्यकुमार भी इस साल की शुरुआत से ही फार्म में आ गये हैं जिसका भी लाभ टीम को मिलेगा। ईशान किशन ने विकेटकीपर बल्लेबाज के तौर पर पिछले कुछ समय में जबरदस्त प्रदर्शन किया है। ईशान और अभिषेक शर्मा की जोड़ी भारतीय टीम को धमाकेदार शुरआत दे सकती है।

टीम के पास हार्दिक पांड्या, शिवम दुबे और अक्षर पटेल जैसे ऑल राउंडर हैं। रिंकू सिंह का फार्म में होना भी टीम के लिए सकारात्मक बात है। गेंदबाजी में बुमराह का साथ देने के लिए अर्शदीप सिंह भी हैं। हर्षित राणा हालांकि चोटिल होने के कारण इस मैच में नहीं रहेंगे। टीम के पास कुलदीप यादव और वरूण चक्रवर्ती जैसा स्पिनर है।

भारतीय टीम को अपने घरेलू मैदान का भी लाभ मिलेगा। इसके बाद भी वह अमेरिकी टीम को हल्के में नहीं लेगी। अमेरिकी टीम ने पिछली बार पाकिस्तान हराने के बाद सुपर आठ में भारतीय टीम को भी कड़ी टक्कर दी थी। अमेरिकी टीम ने पिछले साल 9 में से आठ मैच

जीते हैं और टी20 विश्व कप से पहले श्रीलंका में तीन सप्ताह के शिविर में भाग लिया है। ऐसे में उसे कमजोर नहीं माना जा सकता। उसके पास कई अच्छे खिलाड़ी हैं। अमेरिकी टीम की कप्तानी भारतीय मूल के मोनांक पटेल के पास है। उन्हें साइतेजा मुक्कमल्ला तथा मिलिंद कुमार से पूरा सहयोग मिला। वहीं गेंदबाजी में सौरभ नेत्रावलकर , हरमीत सिंह जैसे खिलाड़ी हैं।

टीम इस प्रकार है

भारत : सूर्यकुमार यादव (कप्तान), अभिषेक शर्मा, इशान किशन, तिलक वर्मा, शिवम दुबे, रिंकू सिंह, हार्दिक पंड्या, अक्षर पटेल, जसप्रित बुमरा, अर्शदीप सिंह और वरुण चक्रवर्ती।

अमेरिका : मोनांक पटेल (कप्तान/विकेटकीपर), स्टीवन टेलर, शायन जहांगीर, एंड्रीज़ गौस, मिलिंद कुमार, संजय कृष्णमूर्ति, हरमीत सिंह, जेसी सिंह, निश्थुश केनजिगे, सौरभ नेत्रावलकर और अली खान।

मंधाना को डब्ल्यूपीएल ट्रॉफी के साथ ही मिला प्लेयर ऑफ द मैच अवार्ड

वडोदरा (एजेंसी)। महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) में स्मृति मंधाना की कप्तानी में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने दूसरी बार खिताब जीत है। इस जीत के दौरान मंधान ने 87 रनों की आक्रामक पारी खेली जिसके लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच का अवार्ड मिला। आरसीबी ने इससे पहले 2024 में डब्ल्यूपीएल का खिताब जीता है। आरसीबी को विजेता बनने पर 6 करोड़ का इनाम मिला। वहीं चौथी बार फाइनल में उपविजेता रही दिल्ली कैपिटल्स को 3 करोड़ का इनाम मिली। इसके अलावा स्मृति मंधाना, हरमनप्रीत कौर और सोफी डिवाइन को भी पांच-पांच लाख रुपये की इनामी राशि मिली है। मंधाना ने लीग में सबसे अधिक 377 रन बनाये। वहीं सोफी डिवाइन ने 17 विकेट के साथ पर्पल कैप जीती। युवा खिलाड़ी नंदनी शर्मा ने भी 17 विकेट लिए जिसके लिए उस भी उभरती हुई खिलाड़ी का इनाम मिला। सोफी को मोस्ट वेल्युएबल प्लेयर और मोस्ट आईक्यू ऑफ द ईयर का इनाम मिला। नंदनी को साल की ईमर्जिंग प्लेयर ऑफ द ईयर का अवार्ड मिला। मुम्बई की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने इस साल लीग में सबसे ज्यादा छक्के लगाए। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को जीत पर 6 करोड़ की ईनामी राशि मिली जबकि उपविजेता दिल्ली को 3 करोड़ रुपये मिले। फेयर प्ले अवार्ड के तौर पर मुम्बई को पांच लाख का इनाम मिला है।

डब्ल्यूपीएल में सभी खिलाड़ियों को पांच लाख के इनाम दिये गये हैं। वहीं मैन ऑफ द मैच के लिए मंधाना हो ढाई लाख रुपये मिले हैं।

मंधाना ने बुखार के बाद भी खेली डब्ल्यूपीएल की सबसे अच्छी पारी : कोच रंगराजन

वडोदरा (ईएमएस)।आरसीबी के कोच मलोलन रंगराजन ने कप्तान स्मृति मंधाना की शानदार बल्लेबाजी की सराहना की है।कोच ने कहा कि मंधाना ने महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) फाइनल की अब तक की सबसे अच्छी पारी खेली है।इस मैच में दिल्ली कैपिटल्स से मिले 204 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए मंधाना ने 41 गेंदों में 87 रन बनाकर अपनी टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई।इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 200 से भी अधिक रहा।मंधाना ने अपनी इस पारी में 12 चौके और 3 छक्के लगाए।यह इस टूर्नामेंट के फाइनल की अब तक की सबसे आक्रामक पारी रही है।मंधाना की ये पारी इसलिए भी विशेष है कयोंकि ये उसने बीमार होने के बाद भी खेली।मंधाना को इस पारी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच का अवॉर्ड भी मिला है।

कोच रंगराजन ने कहा कि मंधाना ने डब्ल्यूपीएल फाइनल में अपनी सबसे बेहतरीन पारियों में से एक खेली।रंगराजन ने कहा कि मंधाना ने तेज़ बुखार से पीड़ित होने के बाद भी अच्छी पारी खेली। उन्होंने इसका प्रभाव अपनी पारियों पर नहीं होने दिया। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि मंधाना ने अपनी सबसे अच्छी पारियों में से एक फाइनल के लिए बचाकर रखी थी।मैं ऐसा इसलिए कह रहा हूं, क्योंकि हां, वह पिछले 12 महीनों से बहुत अच्छी फॉर्म में रही हैं।वह गेंद को अपने हिसाब से खेल रहीं थीं।मंधाना और जॉर्जिया के अर्धशतक और दोनों के बीच हुई शतकीय साझेदारी से आरसीबी ने डब्ल्यूपीएल फाइनल में दिल्ली कैपिटल्स को छह विकेट से हराकर दूसरी बार खिताब जीत लिया।

12 फरवरी के बाद भारत से खेलने तैयार हो जाएगा पाक : चेतन शर्मा

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) चयन समिति के पूर्व प्रमुख चेतन शर्मा ने कहा है कि पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) 12 फरवरी के बाद भारत से खेलने को तैयार हो जाएगा। चेतन के अनुसार पाकिस्तान सरकार और क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) का विश्वकप बहिष्कार का फैसला राजनीतिक है और इसमें बदलावा आना तय है। चेतन का ये बयान हैरानी भरा लगा है क्योंकि गत दिवस ही पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने साफ कर दिया कि उनकी टीम टी20 विश्वकप में खेलेगी पर भारतीय टीम के खिलाफ मैच का बहिष्कार करेगी। वहीं अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) को अब भी उम्मीद है कि पाकिस्तान के रुख में बदलाव होगा क्योंकि मैच न खेलने उसपर प्रतिबंध सहित कई अन्य प्रकार की कार्रवाई की जा सकती है। पाकिस्तान ने बांग्लादेश को विश्वकप से बाहर किये जाने के विरोध में विश्वकप से नाम वापस लिया है। चेतन ने कहा, 'बांग्लादेश के खिलाड़ियों की क्या गलती थी? कोई नहीं। ये सब राजनीति है. बांग्लादेश में 12 तारीख को चुनाव हैं। उसके बाद आप देखेंगे इस सामले में फैसला पलटेगा। पाक से एक बयान आएगा, जिसमें कहा जाएगा कि जनता की भावना को देखते हुए पाक टीम भारत से खेलेगी क्योंकि खेल को नुकसान नहीं होना चाहिये।' अभी का कड़ा रुख केवल बांग्लादेश चुनाव के कारण है। चुनाव के बाद शायद सेना प्रमुख भी कह दें कि खेल को राजनीति से दूर रखना चाहिए और मैच होना चाहिए।÷चयन समिति के पूर्व प्रमुख चेतन ने कहा कि बहिष्कार से सबसे अधिक नुकसान पाकिस्तान के खिलाड़ियों को हो रहा है। उन्होंने कहा, ÷ पाक बोर्ड ने अभी तक आईसीसी को कुछ भी औपचारिक रूप से नहीं बताया है। इस मामले से खिलाड़ी संश मे हैं।÷ वहीं पीसीबी जो भी करे, भारतीय टीम इस मैच के लिए तय समय पर कोलंबो पहुंचेगी। भारतय टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने भी साफ कर दिया कि टीम कोलंबो जाएगी और मैच खेलेगी। उन्होंने कहा, 'हमारा रुख साफ है हमने खेलने से इंकार नहीं किया। आईसीसी ने जो कार्यक्रम तय किया है। हम उसका पालन करेंगे।÷ पाक टीम ये मैच नहीं खेलती है तो भारतीय टीम को वाकओवर के तौर पर दो अंक मिल जाएंगे।

बिहार के लाल वैभव सूर्यवंशी ने रचा इतिहास, सीएम नीतीश कुमार ने की तारीफ, सहवाग भी हुए गदगद

हरारे (एजेंसी)। वैभव सूर्यवंशी की 80 गेंदों पर खेली गई 175 रनों की विशाल पारी की बदौलत भारतीय अंडर-19 पुरुष क्रिकेट टीम ने आईसीसी अंडर-19 क्रिकेट विश्व कप 2026 के फाइनल में इंग्लैंड के सामने 412 रनों का विशाल लक्ष्य रखा है। इस शानदार प्रदर्शन के लिए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने वैभव सूर्यवंशी को बधाई दी है। सीएम नीतीश कुमार ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा कि आज अंडर-19 वर्ल्ड कप के फाइनल में भारत और इंग्लैंड के बीच चल रहे मैच में बिहार के क्रिकेटर वैभव सूर्यवंशी ने 80 गेंदों में 175 रन बनाकर शानदार प्रदर्शन किया है। वे अपनी मेहनत और प्रतिभा के बलबूते भारतीय क्रिकेट की एक नई उम्मीद बन गए हैं। मेरी शुभकामना है कि वैभव भविष्य में भारतीय टीम के लिए नया कीर्तिमान रचें और देश का नाम रौशन करें।

उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने लिखा कि बिहार की शान, भारत का गौरव - वैभव सूर्यवंशी ! अंडर-19 क्रिकेट विश्व कप में 175 रनों की शानदार पारी खेलकर आपने न केवल बिहार का नाम रोशन किया, बल्कि पूरे देश को गर्व से सराबोर कर दिया है। आपकी मेहनत, लगन और प्रतिभा ने यह साबित कर दिया कि

बिहार के युवा किसी से कम नहीं हैं। आप हमारे लाखों युवाओं के लिए प्रेरणा हैं। आपको इस शानदार उपलब्धि के लिए ढेरों बधाई एवं शुभकामनाएं ! आगे भी ऐसे ही देश और प्रदेश का मान बढ़ाते रहें।

उपमुख्यमंत्री विजय सिन्हा ने लिखा कि बिहार का लाल वैभव सूर्यवंशी अंडर-19 वर्ल्ड कप फाइनल में भारत-इंग्लैंड के बीच खेले जा रहे फाइनल मुकाबले में 80 गेंदों में 175 रन की ऐतिहासिक पारी खेलकर न सिर्फ हाईएस्ट स्कोर बनाया, बल्कि एक पारी में सबसे ज्यादा छक्के लगाने और 55 गेंदों में सेकंड फास्टेस्ट सेंचुरी का रिकॉर्ड भी अपने नाम किया। बिहार से निकलकर

पूरी दुनिया में अपना नाम चमका रहा है

उन्होंने आगे कहा कि यह प्रदर्शन बिहार के युवाओं के लिए प्रेरणा है और यह संदेश भी कि प्रतिभा और मेहनत से बिहार का बेटा दुनिया में पहचान बना सकता है। वैभव आगे भी इसी तरह क्रिकेट के लिए नए कीर्तिमान रचें और बिहार एवं देश का गौरव बढ़ाते रहें। उनकी इस शानदार पारी के बाद, पूर्व क्रिकेटरों ने तुरंत उनकी उपलब्धि को सराहा और सोशल मीडिया पर अलग-अलग पोस्ट के जरिए उन्हें बधाई दी। इनमें वीरेंद्र सहवाग, इरफान पठान, इयान बिशप और माइकल वॉन शामिल थे।

पूर्व भारतीय क्रिकेटर वीरेंद्र सहवाग ने X पर एक पोस्ट में सूर्यवंशी की प्रशंसा करते हुए कहा, 'वैभव सूर्यवंशी ने 80 गेंदों में 175 रन बनाए। 15 चौके + 15 छक्के - बराबर चौके, बराबर छक्के, बराबर तबाही। सूर्यवंशी = सूर्य वंश से जन्मे। आज उन्होंने बिल्कुल सूर्यवंशी की तरह बल्लेबाजी की! धधकते हुए। बेकाबू। इंग्लैंड के गेंदबाजों ने हर संभव कोशिश की। लेकिन आप सूर्य को नहीं रोक सकते। भारतीय क्रिकेट पर सूर्य उदय हो गया है ! यह भविष्य की एक झलक है।'

चीन से हारकर भारतीय महिला टीम बैडमिंटन एशिया टीम चैम्पियनशिप से बाहर

किंगदाओ (एजेंसी)। पिछली चैम्पियन भारतीय महिला टीम बैडमिंटन एशिया टीम चैम्पियनशिप के क्वार्टर फाइनल में शुक्रवार को दूसरे दर्जे की चीन की टीम से 0-3 से हारकर बाहर हो गई।भारत ने 2024 में इस टूर्नामेंट में स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रचा था लेकिन इस बार पी वी सिंधू के नहीं खेलने से भारत की संभावनाओं को धक्का लगा।टूर्नामेंट में इससे पहले दो मैच जीत चुकी दुनिया की 42वें नंबर की खिलाड़ी तन्वी शर्मा दसवीं रैंकिंग वाली गाओ फांग जिसे एकतरफा मुकाबले में 9-21, 9-21 से हार गई।गायत्री गोपीचंद और त्रिसा जॉली की जोड़ी ने जुझारू खेल दिखाया लेकिन दुनिया की चौथे नंबर की जोड़ी जिया यि फान और झांग शू शियान से 22-24, 18-21 से पराजय का सामना करना पड़ा। रक्षिता रामराज दूसरे एकल में शू वेन जिंग से 70 मिनट के मुकाबले में 14-21, 21-15, 17-21 से हार गई।भारत ने टूर्नामेंट के पहले मुकाबले में म्यामांर को 5-0 से हराया था लेकिन थाईलैंड से 2-3 से हार गई थी।भारतीय पुरूष टीम क्वार्टर फाइनल में दक्षिण कोरिया से खेलेगी।

टी20 विश्व कप के लिए अंपायिंग पैनल में रहेंगे गावस्कर, शास्त्री, सहित कई दिग्गज

दुबई ।भारत और श्रीलंका में शनिवार से शुरु हो रहे आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप के लिए कमेंट्री पैनल की घोषणा कर दी गयी है।इसमें भारत से सुनील गावस्कर, रवि शास्त्री, रॉबिन उथप्पा, दिनेश कार्तिक और हर्षा भोगले रहेंगे।इसके अलावा कमेंट्री पैनल में ऑस्ट्रेलिया के एरोन फिंच, श्रीलंका के कुमार संगकारा, एंजेलो मैथ्यूज, वेस्टइंडीज के सैमुअल बद्री और कार्लोस ब्रेथवेट के अलावा दक्षिण अफ्रीका के टेंबा बावुमा रहेंगे। इस टूर्नामेंट में कुल 55 मैच खेले जाएंगे और इन सभी मुकाबलों में यही कमेंटेटर रहेंगे। भारतीय टीम इस टूर्नामेंट में अपने खिताब का

बचाव करने के इरादे से उतरेगी।उसका लक्ष्य तीसरी बार टी20 विश्व कप जीतने के साथ-साथ खिताब को बरकरार रखना है।भारतीय टीम को टूर्नामेंट का प्रबल दावेदार माना जा रहा है।अक्टूबर 2023 के बाद से ही भारतीय टीम ने अपने पिछले 56 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में से 48 में जीत दर्ज की थी। भारतीय टीम अपने अभियान की शुरुआत पहले ही दिन 7 फरवरी को करेगी। ग्रुप स्तर में उसका पहला मुकाबला अमेरिका के खिलाफ मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में खेला जाएगा।

कमेंटेटरों की पूरी सूची इस प्रकार है-

रवि शास्त्री, नासिर हुसैन, इयान स्मिथ, इयान बिशप, आरोन फिंच, दिनेश कार्तिक, कुमार संगकारा, सैमुअल बद्री, रॉबिन उथप्पा, कार्लोस ब्रेथवेट, इयोन मॉर्गन, वसीम अकरम, सुनील गावस्कर, मैथ्यू हेडन, रमीज राजा, डेल स्टेन, माइकल एथरटन, वकार यूनिस, साइमन डूल, शॉन पोलॉक, केटी मार्टिन, हर्षा भोगले, म्पुमेलेलो मबांगवा, नताली जर्मनोस, डैनी मॉरिसन, एलन विल्किंस, इयान वार्ड, मार्क हॉवर्ड, निक नाइट, अथर अली खान, कैस नायडू, बाजिद खान, रौनक कपूर, नायल ओब्रायन, प्रेस्टन मॉमसेन, एंड्रयू लियोनार्ड, रसेल अर्नोल्ड, रोशन अबेसिंघे, एंजेलो मैथ्यूज और टेम्बा बावुमा।

चोटिल हर्षित राणा की जगह इस भरोसेमंद खिलाड़ी को मिली भारत की टी20 विश्व कप टीम में जगह

मुंबई ।भारत के युवा तेज गेंदबाज हर्षित राणा को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अभ्यास मैच में घुटने की चोट के कारण शुक्रवार को टी20 विश्व कप से बाहर होना पड़ा और सूत्रों के मुताबिक उनकी जगह मोहम्मद सिराज को टीम में शामिल किया गया है।कप्तान सूर्यकुमार यादव ने इससे पहले स्वीकार किया था कि इस 24 साल के गेंदबाज की स्थिति अच्छी नहीं लग रही।भारतीय क्रिकेट बोर्ड (BCCI) के विश्वसनीय सूत्रों के अनुसार राणा की जगह टीम में साथी तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज को शामिल किया गया है।सूर्यकुमार की बातों से पहले ही लगा कि मुख्य कोच गौतम गंभीर के पसंदीदा खिलाड़ियों में शामिल इस गेंदबाज के लिए समय पर ठीक होना मुश्किल है।भारतीय टीम विश्व कप में अपना अभियान शनिवार को अमेरिका के खिलाफ शुरू करेगी।सूर्यकुमार ने शुक्रवार को मैच पूर्व संवाददाता सम्मेलन में कहा, 'राणा को अभी बाहर नहीं किया गया है, हमारे फिजियो उनका आकलन कर रहे हैं, लेकिन उनके चोट की स्थिति अच्छी नहीं लग रही है।' सूर्यकुमार यादव ने हालांकि इसे ज्यादा बड़ी समस्या नहीं माना था।उन्होंने कहा, 'चिंता की बात नहीं है, हमारे पास कल (शनिवार) के लिए 11 खिलाड़ी हैं।यह हालांकि निश्चित रूप से एक बड़ा झटका होगा क्योंकि 15 खिलाड़ियों की टीम बहुत सोच-विचार के बाद बनाई जाती है और उसे भी काफी सोच-विचार के बाद ही शामिल किया गया था।' भारतीय कप्तान ने कहा, 'वह अगर उपलब्ध नहीं होते हैं, तो हम अलग-अलग संयोजन अपनाएंगे।हमारे पास इस टूर्नामेंट में सभी टीम के खिलाफ खेलने के लिए पर्याप्त खिलाड़ी और संयोजन मौजूद हैं।वह अगर उपलब्ध नहीं होते हैं, तो हमें उनकी कमी निश्चित रूप से खलेगी।' राणा ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अभ्यास मैच में केवल एक ओवर डाला जिसमें उन्होंने 16 रन दिए और उसके बाद घुटने की चोट के कारण मैदान से बाहर चले गए।राणा हालांकि भारत की शुरुआती एकादश का हिस्सा नहीं थे।उनका 9 टी20 अंतरराष्ट्रीय में इकोनॉमी रेट भी 10.60 का है।वह हालांकि विशिष्ट परिस्थितियों में एक उपयोगी विकल्प साबित हो सकते थे।वह निचले क्रम में भी बल्ले से योगदान देने में सक्षम है।इसके साथ ही हरफनमौला वाशिंगटन सुंदर भी मांसपेशियों में खिंचाव की समस्या से जूझ रहे हैं।

हेजलवुड टी20 विश्व कप से बाहर हुए: सीए

सिडनी (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलियाई टीम को टी20 विश्वकप से पहले ही करारा झटका लगा है। टीम के तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड फिट नहीं होने के कारण पूरे टूर्नामेंट से बाहर हो गये हैं। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) के अनुसार हेजलवुड को टूर्नामेंट के लिए पूरी तरह फिट नहीं होने के कारण बाहर कर दिया गया है। हेजलवुड को एशेज सीरीज शुरू होने से पहले ही शेफील्ड शील्ड के अंतिम मैच में हैमस्ट्रिंग में खिंचाव आ गया था। इसी वजह से वह इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज में नहीं खेल सके। रिकवरी के दौरान उन्हें एड़ी में भी समस्या हो गई, जिससे उनकी वापसी अभी संभव नहीं है। हेजलवुड पिछले साल 12 नवंबर के बाद से से ही मैदान से बाहर हैं। इसके बाद भी उन्हें विश्व कप तक फिट होने की उम्मीद में टीम में शामिल किया गया था हालांकि वह टीम के साथ श्रीलंका नहीं गये थे। वहीं अब चयनकर्ताओं ने कहा है कि उन्हें पूरी

तरह से फिट होने में समय लगेगा।

चयनकर्ता टोनी डोडमाइड ने कहा, हमें उम्मीद थी कि जोश सुपर-8 स्टेज तक मैच फिटनेस हासिल कर लेंगे पर इसमें उन्हें अभी कुछ समय लगेगा। अभी अगर उन्हें उतारा जाये तो ये नुकसानदेह होगा।

ऑस्ट्रेलियाई टीम ने हालांकि अभी हेजलवुड की जगह किसी नए खिलाड़ी के नाम की घोषणा नहीं की है। चयनकर्ताओं का कहना है कि शुरुआती मैचों के लिए टीम संतुलित है और आगे टूर्नामेंट की जरूरत और हालातों के हिसाब से फैसला होगा। हेजलवुड टी20 के बेहतरीन खिलाड़ी हैं। उना रिकॉर्ड काफी अच्छा रहा है। उन्होंने 2021 में यूएई में हुए टी20 विश्व कप में ऑस्ट्रेलिया को खिताब दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी और फाइनल में न्यूजीलैंड के खिलाफ 16 रन देकर 3 विकेट लिए थे। उन्होंने 20.44 की औसत और 7.57 की इकॉनमी रेट से 133 विकेट लिए हैं। ऐसे में उनकी कमी पूरी करना संभव नहीं होगा।

हेजलवुड के अलावा तेज गेंदबाज पैट कमिंस भी चोटिल हैं। ऐसे में युवा ज़ेवियर बार्टलेट और बेन ड्वार्शुइस को टीम में रखा गया है। इसके अलावा ट्रैवलिंग रिजर्व के तौर पर सीन एबॉट शामिल किये गये हैं जो हेजलवुड की जगह ले सकते हैं।

वहीं अन्य खिलाड़ियों की बात करें तो नाथन एलिस और टिम डेविड ग्रुप चरण के लिए शामिल रहेंगे। ये दोनो भी हैमस्ट्रिंग की समस्या से जूझ रहे थे। वहीं स्पिनर एडम ज़म्पा के भी अगले सप्ताह कोलंबो में होने वाले पहले मैच से पहले फिट होने की संभावनाएं हैं। विश्वकप में टीम की कप्तानी मिचेल मार्श संभाल रहे हैं।

नेपाल के दीपेंद्र के नाम है टी20 में सबसे तेज अर्धशतक का रिकार्ड

मुम्बई ।आईसीसी टी20 विश्वकप में रोहित पौडेल की कप्तानी में नेपाल की टीम उतरेगी।नेपाल को विश्व कप लिए ग्रुप-सी में रखा गया है।इस ग्रुप में इटली, इंग्लैंड, वेस्टइंडीज और स्कॉटलैंड की टीमें शामिल है।नेपाली टीम अपने चारों लीग मैच मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में खेलेगी।उसका शुरुआती मुकाबला 8 फरवरी को इंग्लैंड से होना है।इसके बाद उसे इटली, वेस्टइंडीज का मुकाबला करना है।नेपाल की टीम के बल्लेबाज दीपेंद्र सिंह ऐरी के नाम क्रिकेट इतिहास का सबसे तेज अर्धशतक का रिकार्ड दीपेंद्र के नाम है।दीपेंद्र ने हांगझोउ एशियन गेम्स 2023 में मंगोलिया के खिलाफ टी20 इंटरनेशनल मुकाबले में केवल 9 गेंदों पर अर्धशतक लगाया था।जो इस बार भी टूटना असंभव है।दाएं हाथ के बैटर दीपेंद्र के नाम टी20 मैच के दौरान एक ओवर में छह छक्के जड़ने का भी रिकार्ड है।टी20 अंतरराष्ट्रीय में नेपाल की ओर से सबसे अधिक रनों का रिकार्ड भी इस खिलाड़ी के नाम है।दीपेंद्र ने 90 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 32.06 के औसत से 1956 रन बनाये हैं।इस दौरान उन्होंने एक शतक और 10 अर्धशतक बनाये।इनके बाद कुशल भुरतेल और आसिफ शेख हैं, जिन्होंने अबतक 70 और 68 मैचों में क्रमश- 1807 एवं 1639 रन बनाए हैं।

मंगोलिया के खिलाफ उस मुकाबले में नेपाल ने तीन विकेट पर 314 रन बनाए थे, जो तब टी20 अंतररष्ट्रीय का सबसे बड़ा स्कोर था हालांकि जिम्बाब्वे ने अक्टूबर 2024 में गाम्बिया के खिलाफ 344/4 का स्कोर बनाकर ये रिकॉर्ड तोड़ दिया था।गेंदबाजों की बात करें तो स्पिनर संदीप लामिछाने टी20 इंटरनेशनल में नेपाल के सबसे सफल गेंदबाज हैं।संदीप ने 67 टी20 अंतररष्ट्रीय मैचों में 12.05 की औसत से 129 विकेट लिए है।नेपाली टीम ने अब तक 112 टी20 अंतररष्ट्रीय मुकाबले खेले हैं, जिसमें उसने 65 में जीत हासिल की जबकि 41 मैचों में उसे हार का सामना करना पड़ा।नेपाल की टीम टीम टी20 में वेस्टइंडीज, आयरलैंड और नीदरलैंड्स को भी हरा चुकी है!

जरूरत पड़ी तो टी20 विश्व कप में भारत दो स्पिनरों को खिलाएगा: सूर्यकुमार यादव

मुंबई (एजेंसी)। भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने शुक्रवार को कहा कि अगर जरूरत पड़ी तो भारत टी20 विश्व कप में दो स्पिनरों को खिलाने से संकोच नहीं करेगा। उन्होंने साथ ही वरुण चक्रवर्ती और कुलदीप यादव को लेकर चयन की उलझन को 'बहुत अच्छा सिरदर्द' बताया। कुलदीप और वरुण दोनों ने टी20 विश्व कप से पहले भारत की अंतिम श्रृंखला में न्यूजीलैंड के खिलाफ पांच मैच की टी20 सीरीज में हिस्सा लिया था। लेकिन दोनों को एक साथ केवल रायपुर में हुए दूसरे टी20 मैच में ही मौका मिला जिसमें भारत ने सात विकेट से जीत दर्ज की।

अमेरिका के खिलाफ टी20 विश्व कप के अपने पहले मुकाबले से पहले मीडिया से बात करते हुए सूर्यकुमार ने कहा, 'यह एक अतिरिक्त फायदा है कि आपके पास इतने अच्छे गेंदबाज उपलब्ध हैं। लेकिन साथ ही आपको टीम संयोजन भी देखना होता है कि किस प्रतिद्वंद्वी टीम के खिलाफ किसे खिलाया जाए।' भारतीय कप्तान ने कहा, 'अगर जरूरत होगी कि हम दो स्पिनर या दो कलाई के स्पिनर को खिला सकते हैं तो हम निश्चित रूप से ऐसा करेंगे। लेकिन वरुण चक्रवर्ती और कुलदीप यादव जैसे विकल्प होना हमेशा अच्छा होता है। ये दुनिया के बेहतरीन स्पिनरों में से हैं और यह एक बहुत अच्छा सरदर्द है।'

सूर्यकुमार ने यह भी कहा कि टीम के पास दाएं हाथ के बल्लेबाजों की तुलना में बाएं हाथ के बल्लेबाज ज्यादा होना भी एक अच्छी परेशानी है। ईशान किशन के अभिषेक शर्मा के साथ पारी की शुरुआत करने की उम्मीद है। जब उनसे पूछा गया कि क्या यह टीम प्रबंधन के लिए चिंता का विषय है तो सूर्यकुमार ने जवाब दिया, 'क्या आप चौके-छक्के लगते हुए देखना पसंद नहीं करते?'

उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि यह एक अच्छी परेशानी है और इस पर जरूरत से ज्यादा बातचीत की जा रही है। इस स्तर पर जब आप बाएं हाथ के स्पिनरों या ऑफ स्पिनरों के खिलाफ काफी क्रिकेट खेल चुके हैं, आप इतना क्रिकेट खेल चुके हैं और इतना अभ्यास कर चुके हैं।' उन्होंने कहा, 'किसी भी दिन, चाहे स्पिनर गेंदबाजी कर रहा हो या तेज गेंदबाज और चाहे सामने दो बाएं हाथ के बल्लेबाज हों या दो दाएं हाथ के बल्लेबाज, आपका काम वही करना होता है जो टीम के लिए सबसे बेहतर हो और ऐसा ही हो रहा है।'

गेहूं का सबसे बड़ा दुश्मन है पाला, बचाव के लिए अभी अपनाएं ये आसान उपाय

शीतलहर और पाले से सर्दी के मौसम में रबी की सभी फसलों को नुकसान होता है. इसमें रबी की सबसे प्रमुख फसल गेहूं के लिए पाला को सबसे बड़ा दुश्मन माना जाता है. आइए आज हम आपको कुछ ऐसे तरीके बताते हैं, जिससे आप गेहूं की फसल को पाला से आसानी से बचा सकते हैं.

देश के अधिकांश हिस्सों में गेहूं की फसल अब बढ़वार की स्थिति में है. पौधों में अच्छी वृद्धि देखी जा रही है, लेकिन कई राज्यों में जबरदस्त पाला पड़ रहा है. बता दें कि, गेहूं की फसल का सबसे बड़ा दुश्मन पाला को माना जाता है. वहीं, अब धीरे-धीरे देश में शीतलहर को दौर जारी हो गया है, जो गेहूं की खेती करने वाले किसानों के लिए मुसीबत का सबब बनते जा रहा है. ऐसे में किसानों को अपनी फसल को सुरक्षित रखना बेहद जरूरी है. आइए आज हम आपको कुछ ऐसे तरीके बताते हैं, जिससे आप गेहूं की फसल को पाला से आसानी से बचा सकते हैं. साथ ही ये भी जान लेते हैं कि पाले से आखिर फसलों को क्या नुकसान होता है.

गेहूं को कितना हो सकता है नुकसान?

शीतलहर और पाले से सर्दी के मौसम में रबी की सभी फसलों को नुकसान होता है. इसमें रबी की सबसे प्रमुख फसल गेहूं के अलावा दलहन और तिलहन फसलों को जहां 80 से 90 फीसदी तक नुकसान हो सकता है. वहीं, गेहूं की फसल में 10 से 20 फीसदी तक नुकसान हो सकता है.

पाले से गेहूं को क्या नुकसान होता है?

कोशिकाएं फट जाती हैं: पाले में तापमान तेजी से गिरने लगता है, जिससे पौधों की कोशिकाओं में मौजूद पानी जम जाता है और कोशिकाएं फट जाती हैं जिससे पौधा कमजोर हो जाता है.
पत्तियां झुलस जाती हैं: पाले के असर से गेहूं की पत्तियां पीली या सफेद पड़ जाती हैं, बाद में सूखकर जलने जैसी दिखती हैं.

फुटाव (टिलरिंग) रुक जाता है: अधिक ठंड के कारण पौधे की बढ़वार धीमी या बंद हो जाती है, जिससे फुटाव कम होता है और बालियां कम बनती हैं.

फूल और बालियों पर असर: यदि पाला बालियां निकलने या दाना बनने के समय पड़ जाए, तो दाने सिकुड़ जाते हैं या भराव ठीक से नहीं हो पाता है.

गेहूं की फसलों पर पाले का प्रभाव

ठंड के दिनों में पाले के प्रभाव से फल मरने लगते हैं और फूल झड़ने लगते हैं.

प्रभावित फसल का हरा रंग समाप्त हो जाता है और पत्तियों का रंग मिट्टी के रंग जैसा दिखता है.

ऐसे में पौधों के पत्ते सड़ने से बैक्टीरिया जनित बीमारियों का प्रकोप अधिक बढ़ जाता है.

पत्ती, फूल और फल सूख जाते हैं. फल के ऊपर धब्बे पड़ जाते हैं और स्वाद भी खराब हो जाता है.

पाले से प्रभावित फसल में कीटों का प्रकोप भी बढ़ जाता है.

पाले के कारण अधिकतर पौधों के फूलों के गिरने से पैदावार में कमी हो जाती है.

फसल को पाले से बचाने के उपाय

जब शीतलहर चलने लगे तब फसल में हल्की सिंचाई करें.

शाम के समय सूखी घास फूस और उपलों को जलाकर उसका धुआं करें.

हो सके तो फसल की पत्तियों पर पानी का छिड़काव करें.

वहीं 01 लीटर घुले गंधक के तेजाब को 1000 लीटर पानी में घोलकर प्रति एकड़ फसल पर छिड़काव करें.

ये छिड़काव 15 दिनों के अंतराल पर फिर दोहराएं.

इसके अलावा गेहूं को पाले से बचाने के लिए नाइट्रोजन, फास्फोरस और पोटेशियम का मिक्स डोज डालें.

खासकर फास्फोरस, जड़ों के विकास को मजबूत करने और ठंड सहने की क्षमता बढ़ाने में अहम भूमिका निभाता है.

1. पाला क्या होता है और यह गेहूं के लिए क्यों खतरनाक है?

पाला तब पड़ता है जब तापमान तेजी से गिरने लगता है. इससे गेहूं की पत्तियां, बालियां और कोशिकाएं जम जाती हैं, जिससे फसल को नुकसान होता है.

2. गेहूं की फसल को पाले से सबसे ज्यादा नुकसान किस अवस्था में होता है?

टिलरिंग और बालियां निकलने की अवस्था में पाला सबसे ज्यादा नुकसान पहुंचाता है.

3. पाले के कारण गेहूं में कौन-कौन से लक्षण दिखते हैं?

पाले के कारण गेहूं की पत्तियां सफेद या पीला पड़ने और झुलसने लगती है. साथ ही बढ़वार रुक जाता है.

4. पाले से बचाव के लिए सबसे आसान और असरदार उपाय क्या है?

हल्की सिंचाई करें, क्योंकि नमी तापमान को संतुलित रखती है और पाले का असर कम करती है.

खेती में असली मुनाफा वही किसान कमाते हैं जो बाजार की चाल समझकर फसल को सही समय पर बाजार ले आते हैं. उत्तर भारत में कड़ाके की ठंड के कारण अक्सर किसान पिछड़ जाते हैं, जिससे सीजन के समय फसल के दाम गिर जाते हैं. नीचे एक ऐसी 'स्मार्ट तकनीक' के बारे में विस्तार से बताया गया है, जिसकी मदद से किसान कड़ाके की ठंड में भी सब्जियों की अगेती खेती कर सकते हैं। यह तकनीक न केवल बीजों को खराब होने से बचाती है, बल्कि मार्च-अप्रैल जैसे महंगे बाजार वाले महीनों में बंपर पैदावार देने का भरोसा भी देती है. कैसे इस स्मार्ट तकनीक के जरिए किसान अपनी खेती की लागत घटाकर कमाई को दोगुना कर सकते हैं और नर्सरी बेचकर भी लाखों का लाभ उठा सकते हैं। पूरी जानकारी दी गई है

सब्जी की खेती में अपनाएं ये स्मार्ट तकनीक

छोटे किसानों के लिए अगेती खेती वरदान है. हमारे देश में 80 फीसदी से ज्यादा किसान छोटे और सीमांत वर्ग के हैं, जिनके पास एक से पांच एकड़ तक ही जमीन है. ऐसे किसानों के लिए कम जमीन से ज्यादा कमाई करने का सबसे अच्छा तरीका 'अगेती खेती' यानी समय से पहले फसल उगाना है. उत्तर भारत में जनवरी से 15 फरवरी तक कड़ाके की ठंड पड़ती है. इस दौरान रात का तापमान 8 डिग्री सेल्सियस से नीचे गिर जाता है, जिससे खुले खेत में सब्जी के बीज अंकुरित नहीं हो पाते. ज्यादातर किसान ठंड खत्म होने का इंतजार करते हैं और फरवरी के अंत में बुवाई करते हैं.

नतीजा यह होता है कि सबकी फसल अप्रैल-मई में एक साथ बाजार में आती है और दाम गिर जाते हैं. लेकिन जो किसान 'लो-टनल' तकनीक से जनवरी में ही टमाटर, मिर्च, बैंगन, खीरा, लौकी, करेला, तरबूज, खरबूज, चिरचिरा, और ककड़ी नर्सरी तैयार कर लेते हैं, उनकी फसल समय से पहले बाजार में आ जाती है. मार्च-अप्रैल में जब सब्जियों के दाम ऊंचे होते हैं, तब अगेती फसल बेचकर किसान सामान्य से कहीं ज्यादा मुनाफा कमा सकते हैं.

ठंड में भी जमाव, अपनाएं ये तकनीक

लो-टनल तकनीक एक छोटी पारदर्शी सुरंग की तरह होती है. भारतीय सब्जी अनुसंधान परिषद वाराणसी के पूर्व प्रिंसिपल साइंटिस्ट डॉ. सूर्य नाथ चौरसिया के अनुसार, इसे बनाने के लिए लोहे की पतली छड़ों या बांस की खपचियों का इस्तेमाल किया जाता है. इन्हें खेत में बेड के ऊपर 2-3 फीट ऊंची अर्धचंद्राकार आकृति में लगाया जाता है और फिर ऊपर से 20-30 माइक्रोन की पारदर्शी पॉलीथीन से ढंक दिया जाता है.

यह पॉलीथीन बाजार में आसानी से मिल जाती है. 10 हेक्टेयर खेत की रोपाई के लिए 1 मीटर चौड़ी और 10 मीटर लंबी सिर्फ एक लो-टनल काफी होती है.

अगेती सब्जी की खेती के लिए नर्सरी मंत्र

सबसे पहले खेत में 1 मीटर चौड़ी बेड बनाएं और बीजों को आधा से एक सेंटीमीटर की गहराई पर बोएं. किसान चाहें तो पॉली बैग या प्रो-ट्रे (जो बाजार में 35-40 रुपये में मिलती है) का इस्तेमाल भी कर सकते हैं. प्रो-ट्रे में मिट्टी और गोबर खाद का मिश्रण भरकर उसे लो-टनल के अंदर रख दें. इस सुरक्षित माहौल में टमाटर, मिर्च, खीरा, लौकी, करेला, तरबूज और खरबूज जैसे पौधों की नर्सरी मात्र 30 से 40 दिनों में तैयार हो जाती है.

यह तकनीक छोटे किसानों के लिए बहुत सस्ती है क्योंकि इसमें इस्तेमाल होने वाला सामान कई सालों तक काम आता है. जब पौधा शुरुआत से ही स्वस्थ और मजबूत होगा, तो फसल की पैदावार भी क्वालिटी वाली और उपज भी अधिक होगी.

स्मार्ट तरीके से प्रबंधन, मिलेगी हेल्दी पौध

लो-टनल के अंदर पौधों को सही पोषण देना जरूरी है. डॉ. चौरसिया सलाह देते हैं कि बीज जमने के बाद 'फर्टीगेशन' करें, यानी एनपीके खाद का हल्का घोल बनाकर एक दिन छोड़कर पौधों को दें. सिंचाई के लिए 'हजारा' का इस्तेमाल करें. एक जरूरी बात यह है कि अगर पॉलीथीन पर धूल जम जाए, तो उसे साफ करते रहें ताकि पौधों को पर्याप्त रोशनी मिले. दिन में जब धूप तेज हो, तो थोड़ी देर के लिए टनल के पर्दे खोल दें. इससे पौधों का 'कठोरीकरण' होता है, जिससे खेत में रोपाई के बाद पौधे मरते नहीं हैं और उनका विकास तेजी से होता है.

इस तकनीक का सबसे बड़ा फायदा यह है कि इसमें बीजों का जमाव लगभग 100 प्रतिशत होता है. टनल के अंदर का गर्म तापमान पौधों की बढ़वार के लिए आदर्श होता है. पारंपरिक खेती के मुकाबले इसमें कीटों और बीमारियों का हमला भी बहुत कम होता है.

मिलेगी बंपर पैदावार और ऊंची कीमत

इस तकनीक का सबसे बड़ा फायदा यह है कि पौधे जल्दी तैयार होते हैं और उनमें कीट या बीमारियों का डर भी कम रहता है. जब आम किसान फरवरी-मार्च में बीज बोना शुरू करते हैं, तब लो-टनल अपनाने वाले किसान अपनी अगेती फसल बाजार में बेचने के लिए तैयार होते हैं. मार्च और अप्रैल के महीने में जब सब्जियों के दाम ऊंचे होते हैं, तब ये किसान मोटा मुनाफा कमाते हैं. अच्छी बात यह है कि बागवानी विभाग भी इस तकनीक को अपनाने के लिए किसानों को प्रोत्साहित कर रहा है और लो-पॉली टनल बनाने पर अच्छी सब्सिडी भी दे रहा है.

किसान इस स्मार्ट तकनीक को अपनाकर अपनी आय को नई ऊंचाइयों पर ले जा सकते हैं. अत: जो किसान स्मार्ट तरीके से खेती करना चाहते हैं या पौध बेचने का व्यापार शुरू करना चाहते हैं, उनके लिए लो-टनल तकनीक आज के समय की सबसे बेहतरीन और मुनाफे वाली तकनीक है.

चने की फसल के लिए घातक हैं ये 3 कीट, बचाव के लिए अभी करें ये उपाय

इस समय चने की फसल में बड़े पैमाने पर कीटों का प्रकोप देखा जा रहा है. खासकर चने में लगने वाले फली छेदक (इल्ली) और कटुआ जैसे कीट और दीमक पौधों के फूल, फलियों और शुरुआती अवस्था में पौधों को गंभीर नुकसान पहुंचा रहे हैं. आइए जानते हैं बचाव के उपाय.

रबी सीजन की प्रमुख दलहनी फसल चना देश के लाखों किसानों के लिए आमदनी का अहम जरिया होती है. अच्छी पैदावार की आस लगाकर किसान अपने खेतों में मेहनत करते हैं, लेकिन मौसम में उतार-चढ़ाव के साथ-साथ कीटों का बढ़ता प्रकोप इस फसल के लिए बड़ी चुनौती बन रहा है. खासकर चने में लगने वाले फली छेदक (इल्ली) और कटुआ जैसे कीट और दीमक पौधों के फूल, फलियों और शुरुआती अवस्था में पौधों को गंभीर नुकसान पहुंचाते हैं. कई बार समय रहते इन कीटों की पहचान और रोकथाम न की जाए तो किसानों को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ सकता है. ऐसे में आइए जानते हैं किसान चने की फसल में लगने वाले प्रमुख कीटों, उनके लक्षण और प्रभावी बचाव उपायों की पूरी जानकारी.

फली छेदक कीट के लक्षण

फली छेदक कीट चने के लिए अधिक हानिकारक माना जाता है. इसके वयस्क कीट को पतिंगा कहा जाता है. इस कीट के बच्चे अपना आहार चने के मुलायम तनों और पत्तियों को बनाते हैं. वहीं, जब पौधे में फली आने लगती है, तो फिर ये फली को छेदकर अंदर के दाने को खा जाते हैं. इस कीट के लगने पर 30-40 फीसदी तक पैदावार घट सकती है.

फली छेदक कीट से बचाव

चने की फली छेदक कीट से बचाव के लिए फेरोमोन ट्रैप (नर कीट पकड़ने के लिए), नीम आधारित कीटनाशक, और जैविक नियंत्रण (जैसे एनपीबी, मित्र कीट) अपनाएं, और फसल चक्र अपनाएं. इसके अलावा मित्र कीटों को बढ़ावा दें और सही समय पर छिड़काव करें, क्योंकि यह कीट फसल को बहुत नुकसान पहुंचाता है. साथ ही अगर कीटों की संख्या यदि बहुत बढ़ गई हो, और किसान तेजी से इसपर नियंत्रण चाहते हैं, तो वे इसके लिए रासायनिक कीटनाशकों का प्रयोग कर सकते हैं. इसके लिए इंडोसल्फान 35 ईसी या क्वीनालफ़ॉस 20 ईसी या क्लोरोपाइरीफ़ॉस 20 ईसी या प्रोफेनोफ़ॉस 50 ईसी का पानी के साथ घोल बनाकर उचित मात्रा में छिड़काव कर सकते हैं.

चने की फसल पर दीमक के लक्षण

चने की फसल में दीमक एक बहुत ही हानिकारक कीट है, जो बुवाई से लेकर कटाई तक फसल को नुकसान पहुंचा सकता है। यह विशेष रूप से सूखे या कम नमी वाले क्षेत्रों में ज्यादा नुकसान पहुंचाती है. दीमक के लगने पर प्रभावित पौधे पीले पड़कर मुरझाने लगते हैं और अंतत: सूख जाते हैं. दीमक मुख्य रूप से जड़ और तने को अंदर से खाकर खोखला कर देती है. वहीं, दीमक लगने पर चने के उत्पादन में 30-60 फीसदी तक की गिरावट आ सकती है.

चने की फसल पर दीमक के बचाव

दीमक से बचाव के लिए किसानों को खेतों में पूरी तरह से सड़ी हुई खाद का प्रयोग करना चाहिए. जैविक नियंत्रण के तहत आप गड्ढे खोदकर उसमें विवेरिया वैसियाना नामक फफूंद स्पोर को ताजे गोबर में मिलाकर डाल दें. इसके अलावा अगर दीमक का बहुत ज्यादा प्रकोप बढ़ चूका हो तो इसके लिए आप रासयनिक नियंत्रण कर सकते हैं. इसके लिए किसानों को इंडोसल्फान 35 ईसी या क्लोरोपाइरीफ़ॉस 20 ईसी को उचित मात्रा में सिंचाई के जल के साथ या बालू में मिलाकर सिंचाई के पहले ही खेतों में छिड़कना चाहिए.

कटुआ कीट के जानें लक्षण

चने में कटुआ कीट लगने से पौधे जमीन की सतह से कट जाते हैं, जिससे फसल का अंकुरण रुक जाता है और उपज में भारी कमी आती है. वहीं, बात करें इसके लक्षण कि तो फसल में दानों का विकास रुक जाता है और फली खोखली हो जाती है. यह कीट रात में सक्रिय होकर पौधों को काटता है और दिन में मिट्टी के ढेलों के नीचे छिपे रहते है, जिससे आर्थिक नुकसान होता है.

कटुआ कीट बचाव के उपाय

चने को कटुआ कीट से बचाने के लिए खेत के चारों ओर सूरजमुखी जैसी फसल लगाएं, जो कीटों को आकर्षित करती हैं. इसके अलावा खेत में सूखी घास के ढेर बनाएं, ऐसे में कीट दिन में इनमें छिपेंगे, जिन्हें सुबह इकट्ठा करके नष्ट कर दें. वहीं, इसके वयस्क कीट रोशनी की ओर आकर्षित होते हैं, इसलिए लाइट ट्रैप लगाकर उन्हें पकड़ा जा सकता है. साथ ही नीम तेल जैसे जैविक कीटनाशकों का प्रयोग करें.

फिल्म 'ओ रोमियो' का नया गाना 'इश्क का फीवर' रिलीज

बॉलीवुड की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'ओ रोमियो' का नया गाना 'इश्क का फीवर' रिलीज कर दिया है। खास बात यह है कि इस गीत को अरिजीत सिंह ने अपनी आवाज दी है। कुछ दिनों पहले ही अरिजीत ने प्लेबैक सिंगिंग से संन्यास लेने की घोषणा की थी, ऐसे में उनका यह नया गीत सुनना फैंस के लिए किसी सरप्राइज गिफ्ट से कम नहीं है। गाने का संगीत विशाल भारद्वाज ने तैयार किया है, जबकि इसके बोल मशहूर गीतकार गुलजार ने लिखे हैं। 'इश्क का फीवर' की शुरुआत फरीदा जलाल की एक प्रभावी लाइन से होती है, जो आगे चलकर एक खूबसूरत और रोमांटिक मेलोडी में ढल जाती है। गीत में शाहिद कपूर और तृप्ति डिमरी की कोमल केमिस्ट्री पूरे गाने की भावनाओं को और गहराई देती है। यह ऐसा गीत है जो धीरे-धीरे श्रोताओं के दिल में उतरता जाता है। टी-सीरीज के ऑफिशियल यूट्यूब चैनल पर उपलब्ध यह गाना वैलेंटाइन वीक के लिए एकदम परफेक्ट माना जा रहा है। अरिजीत सिंह की सुमधुर आवाज और गुलजार के भावपूर्ण बोल इस रोमांटिक समय के लिए एक खास एहसास लेकर आते हैं। रिलीज होते ही गीत को दर्शकों से बेहतरीन प्रतिक्रिया मिल रही है। फिल्म 'ओ रोमियो' में शाहिद कपूर और तृप्ति डिमरी के साथ अविनाश तिवारी, नाना पाटेकर, तमन्ना भाटिया और फरीदा जलाल जैसे दमदार कलाकार प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगे। फिल्म हुसैन जैदी की किताब 'माफिया क्वींस ऑफ मुंबई' से प्रेरित है। इसमें शाहिद कपूर माफिया डॉन हुसैन उस्तरा की भूमिका निभा रहे हैं, जबकि तृप्ति सपना उर्फ सपना दीदी के किरदार में दिखाई देंगी। हाल ही में फिल्म का एक और गाना 'हम तो तेरे ही लिए' रिलीज किया गया था, जिसमें शाहिद और तृप्ति के किरदारों के बीच रोमांस दर्शाया गया था।

रामायण में राजा दशरथ के किरदार में निभाएंगे अरुण गोविल

साल 1987 में टीवी पर प्रसारित रामानंद सागर के फेमस धार्मिक शो रामायण में सबसे ज्यादा प्रशंसा अरुण गोविल को मिली थी। अब अभिनेता अरुण गोविल एक बार फिर सुर्खियों में हैं, क्योंकि वह नितेश तिवारी की अपकमिंग फिल्म रामायण में राजा दशरथ के किरदार में नजर आएंगे। हाल ही में अरुण गोविल ने बताया कि किसी आईकोनिक किरदार की छवि दर्शकों की यादों में जब गहराई से बस जाती है, तो तुलना होना स्वाभाविक है। उन्होंने कहा, जब कोई स्टैंडर्ड सेट होता है, तो तुलना हमेशा होती है। भगवान का रोल निभाने के लिए लुक बहुत जरूरी है। जब लोग आपको देखें, तो उन्हें आप में भगवान दिखें और वे सोचें, भगवान ऐसे हो सकते हैं। उनके इस बयान से साफ है कि वह फिल्म के लिए पूरी तरह तैयारी के साथ अपना किरदार निभा रहे हैं। फिल्म में भगवान राम के रूप में रणबीर कपूर, रावण के रूप में यश, सीता के रूप में साई पल्लवी, भगवान हनुमान के रूप में सनी देओल और लक्ष्मण के रूप में रवि दुबे शामिल हैं। पहले लुक के सामने आने के बाद से फिल्म की तुलना रामानंद सागर के 1987 के टीवी शो से की जा रही है, और खासकर रणबीर कपूर के भगवान राम के लुक पर दर्शक और फैंस चर्चा कर रहे हैं। फिल्म को नमित मल्होत्रा के प्राइम फोकस स्टूडियो और डीएनईजी ने मिलकर प्रोड्यूस किया है, जबकि यश के मॉन्स्टर माइंड क्रिएशंस ने वीएफएक्स में योगदान दिया है। इस महाकाव्य की पहली कड़ी दिवाली 2026 में आईमेक्स में रिलीज होगी, जबकि दूसरा हिस्सा दिवाली 2027 में देखने को मिलेगा। अरुण गोविल के राजा दशरथ के रूप में लौटने और इस स्टारकास्ट के साथ फिल्म के साथ जुड़ने से दर्शकों की उम्मीदें और बढ़ गई हैं।

किसी नए म्यूजिक प्रोजेक्ट पर काम कर रही अक्षरा सिंह

हाल ही में इंस्टाग्राम पर भोजपुरी इंडस्ट्री की लोकप्रिय अभिनेत्री अक्षरा सिंह एक तस्वीर शेयर की, जिसमें वह कंडेसर माइक्रोफोन के सामने हाथ में कप लिए खड़ी नजर आ रही हैं। तस्वीर के साथ उन्होंने लिखा, रोज थोड़ा बेहतर बनने और सीखने की कोशिश। इस पोस्ट को देखकर फैंस अंदाजा लगा रहे हैं कि अभिनेत्री किसी नए गाने या म्यूजिक प्रोजेक्ट पर काम कर रही हैं। अक्षरा सिंह भोजपुरी सिनेमा की उन कलाकारों में शुमार हैं, जिन्होंने अपनी एक्टिंग और गायिकी से लाखों दिल जीते हैं। हाल ही में उनका गाना बालम जी रिलीज हुआ था, जिसे दर्शकों ने खूब पसंद किया। कहा जाता है कि उनके माता-पिता भी फिल्म इंडस्ट्री से जुड़े हुए थे, जिससे अक्षरा ने इस क्षेत्र में कदम रखा। उन्होंने साल 2010 में रवि किशन के साथ फिल्म सत्यमेव जयते से अपने करियर की शुरुआत की थी। इसके बाद वह तबादला, सरकार राज और सत्या जैसी एक्शन-रोमांस फिल्मों के लिए जानी गईं। अक्षरा टीवी इंडस्ट्री में भी सक्रिय रही हैं और उन्होंने बिग बॉस ओटीटी, सर्विस वाली बहू, पोरस और काला टीका जैसे शो में काम किया है। अभिनेत्री जल्द ही निरहुआ के साथ फिल्म सात फेरे चार वचन और अम्बे है मेरी मां में नजर आएंगी।

दोनों फिल्मों की शूटिंग पूरी हो चुकी है और जल्द ही ट्रेलर रिलीज होने वाला है, हालांकि फिल्म की रिलीज़ डेट अभी सामने नहीं आई है। इसके अलावा अक्षरा अपनी निजी जिंदगी और विवादों के कारण भी अक्सर चर्चा में रहती हैं। उनका नाम भोजपुरी इंडस्ट्री के सुपरस्टार पवन सिंह से जुड़ चुका है। अब फैंस उनकी अगली फिल्म और नए गाने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। बता दें कि अभिनेत्री अक्षरा सिंह सोशल मीडिया और अपने प्रोजेक्ट्स को लेकर हमेशा चर्चा में रहती हैं। उनके फैंस हर पोस्ट को लेकर काफी उत्साहित रहते हैं और उनकी एक झलक भी दर्शकों को नए प्रोजेक्ट का अंदाजा दे देती है।

भारतीय महिलाएं ही असली हीरो होती हैं: रानी मुखर्जी

बॉलीवुड अभिनेत्री रानी मुखर्जी का कहना है कि भारतीय महिलाएं ही असली हीरो होती हैं। रानी का मानना है कि जब महिलाएं सशक्त होंगी, तभी देश मजबूत बन पाएगा। वह हमेशा से अपनी फिल्मों के जरिए भारतीय महिलाओं को सकारात्मक और सशक्त छवि में प्रदर्शित करना चाहती हैं। अपनी हालिया रिलीज फिल्म 'मर्दानी 3' में दमदार किरदार निभाकर रानी मुखर्जी इन दिनों चर्चा में है। एक खास चर्चा में रानी ने कहा, 'जब से मैंने इस इंडस्ट्री में कदम रखा है, मेरा मकसद हमेशा भारतीय महिलाओं को उनकी असली रोशनी में दिखाना रहा है। चाहे वह पत्रकार हों, पुलिस अधिकारी हों, शिक्षक हों या गृहणी मेरे लिए वे सभी वास्तविक जीवन की मर्दानी हैं।' उन्होंने कहा कि फिल्मों के माध्यम से वह दुनिया को बताना चाहती हैं कि भारतीय महिलाएं कितनी मजबूत, खास और हकदार हैं। रानी मुखर्जी के अनुसार, महिलाओं का सशक्तीकरण सीधे देश की शक्ति से जुड़ा है। उन्होंने कहा, 'जब भारतीय महिलाएं सशक्त होंगी, तो देश भी सशक्त होगा। इसलिए मैं हमेशा ऐसे किरदार चुनती हूं, जो महिलाओं की ताकत और हिम्मत को सामने लाते हैं।' अपने फिल्मी सफर की शुरुआत से ही रानी ने एक से बढ़कर एक प्रभावशाली महिला किरदार निभाए हैं। 'राजा की आएगी बारात' में रेप सर्वाइवर, 'मेहंदी' में सामाजिक अन्याय से लड़ने वाली महिला, 'हिचकी' में टॉरेट सिंड्रोम से जूझती अध्यापिका, 'मर्दानी' फ्रेंचाइज़ में निडर पुलिस अधिकारी शिवानी शिवाजी रॉय और 'मिसेज चटर्जी वर्सेज नॉर्वे' में अपने बच्चों के लिए पूरा सिस्टम चुनौती देने वाली मां देबिका—ये सभी किरदार समाज में महिलाओं की हिम्मत और संघर्ष को सामने लाते हैं। रानी का कहना है कि हर भारतीय महिला के भीतर एक अनोखी 'सुपरपावर' होती है। 'भारतीय महिलाएं बेहद खूबसूरती से अपने कर्तव्यों का निर्वाह करती हैं, परिवार और करियर के बीच संतुलन बनाती हैं और हर चुनौती का हिम्मत से सामना करती हैं। यही उनके भीतर छिपी वास्तविक शक्ति है,' उन्होंने कहा। नेशनल अवॉर्ड विजेता रानी मुखर्जी रोजमर्रा की जिंदगी में संघर्ष करने वाली महिलाओं को अपनी प्रेरणा मानती हैं। उन्होंने कहा, 'ये महिलाएं हर दिन हिम्मत के साथ आगे बढ़ती हैं और हर मुश्किल को पार करती हैं। मुझे अपने निभाए हर किरदार से प्रेरणा मिली है।' 'मिसेज चटर्जी वर्सेज नॉर्वे' की देबिका का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि ऐसी महिलाएं आने वाली पीढ़ियों के लिए मिसाल बन जाती हैं।

मेधा राणा के लिए 'बॉर्डर 2' बनी मील का पत्थर

हाल ही में रिलीज हुई फिल्म 'बॉर्डर 2' के जरिए चर्चा में आई अभिनेत्री मेधा राणा ने अपने भीतर चल रही असमंजस की जंग को जीतने की प्रक्रिया पर खुलकर बात की। अभिनेत्री मेधा ने बताया कि साल 2022 से अब तक उनके जीवन में सबसे बड़ा बदलाव आत्मस्वीकृति और आत्मविश्वास का रहा। उन्होंने कहा, 'शुरुआत में मैं अक्सर खुद को लेकर उलझन में रहती थी। मुझे लगता था कि शायद मैं इस इंडस्ट्री के लिए बनी ही नहीं हूं। ऐसे विचार मेरे भीतर असुरक्षा पैदा करते थे और आगे बढ़ने में बाधा डालते थे।' मेधा ने आगे बताया कि शुरुआती दिन बेहद चुनौतीपूर्ण थे। उन्होंने लगातार खुद पर शक किया और अपने फैसलों को लेकर आश्वस्त नहीं थीं। इंडस्ट्री को समझने, अपने आप को पहचानने और परिस्थितियों को स्वीकारने का सफर उनके लिए लंबी सीख साबित हुआ। मेधा ने कहा, 'मैंने अपने आप से लड़कर खुद को पाया। अब मैं अपनी कमियों और खूबियों दोनों को सहजता से स्वीकार करती हूं। यही स्वीकार्यता मेरे आत्मविश्वास की सबसे बड़ी वजह बनी।' उन्होंने 'बॉर्डर 2' को करियर का अहम मोड़ बताया। दर्शकों से मिली सकारात्मक प्रतिक्रिया ने उनके भीतर नया भरोसा जगाया। उन्होंने कहा, 'जब किसी कलाकार को उसके काम के लिए सराहना मिलती है, तो वह खुद पर यकीन करने लगता है। 'बॉर्डर 2' ने मुझे एहसास दिलाया कि मैं अपने हुनर में सक्षम हूं और मेहनत रंग ला सकती है।' अभिनेत्री ने कहा कि अब वह अपने अभिनय कौशल और फैसलों पर ज्यादा विश्वास करती हैं। यह आत्मविश्वास उनके जीवन की सबसे बड़ी ग्रोथ बन चुका है और उन्हें आगे बेहतर काम करने की प्रेरणा देता है। मेधा का यह सफर बताता है कि आत्मस्वीकृति और मेहनत के साथ किसी भी कलाकार के लिए असमंजस को पार करना संभव है। मालूम हो कि फिल्म इंडस्ट्री में कई कलाकार कैमरे के सामने मजबूत दिखते हैं, लेकिन अंदर चल रही लड़ाई को वे अक्सर छुपाते हैं।

'योगी दा' में साई धनशिका ने खुद किए दमदार स्टंट

अभिनेत्री साई धनशिका अपनी आने वाली फिल्म 'योगी दा' को लेकर सुर्खियों में हैं। साउथ सिनेमा की लोकप्रिय अभिनेती इस एक्शन एंटरटेनर में दमदार स्टंट करती दिखाई देंगी। हाल ही में अभिनेत्री ने एक इवेंट में बताया कि फिल्म में किए गए हर एक्शन सीक्वेंस उन्होंने बिना किसी बॉडी डबल के खुद पूरा किया है। उनका कहना है कि अगर महिलाएं ठान लें, तो वे किसी भी मामले में पुरुषों से पीछे नहीं हैं, खासकर स्टंट और एक्शन के मामले में। धनशिका ने कहा कि उनका पहला एक्शन अनुभव फिल्म 'पेरानमाई' में हुआ था, जिसने आगे चलकर उनकी काफी मदद की। 'योगी दा' में शूट किए गए सभी एक्शन सीन्स के दौरान उन्होंने खुद को लगातार चुनौती दी। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि फिल्म का संदेश बेहद महत्वपूर्ण है आज महिलाओं के खिलाफ अपराध लगातार बढ़ रहे हैं, और समाज अक्सर यह मान लेता है कि शारीरिक चोट के बाद एक महिला फिर से पहले जैसी नहीं हो सकती। लेकिन यह फिल्म यह दिखाती है कि महिलाएं किसी भी दर्द और मुश्किल से उबरकर और अधिक मजबूत बनकर वापस खड़ी हो सकती हैं। अभिनेत्री ने फिल्म के शीर्षक की दिलचस्प कहानी साझा करते हुए कहा कि 'योगी दा' का नाम रजनीकांत की फिल्म 'कबाली' से प्रेरित है।

धनशिका ने 'कबाली' में रजनीकांत की बेटी 'योगी' का किरदार निभाया था। वहीं से इस फिल्म के नाम और लुक की प्रेरणा मिली। उन्होंने बताया कि 'कबाली' के लिए उन्होंने अपने बाल कटवाए थे, जिसके बाद कई महिलाओं ने भी प्रेरित होकर ऐसा ही किया। इस अनुभव ने उन्हें महसूस कराया कि फिल्मों का प्रभाव लोगों की सोच और जीवन पर कितना गहरा हो सकता है। धनशिका ने अपनी टीम का आभार जताते हुए कहा कि उनकी मेहनत और समर्थन के बिना यह फिल्म संभव नहीं थी। उनका मानना है कि कलाकार का असली परिचय उसके काम से होता है, और वही उनकी मेहनत को दर्शाता है। गौतम कृष्णा द्वारा लिखित और निर्देशित 'योगी दा' को श्री मोनिका सिनी फिल्म्स के बैनर तले सेंथिलकुमार ने प्रोड्यूस किया है।

शाजिया इकबाल की आलोचना से मचा बवाल

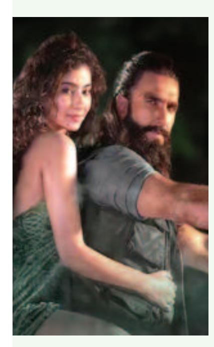

रणवीर सिंह स्टारर फिल्म धुरंधर ने रिलीज़ के बाद दर्शकों का भरपूर प्यार हासिल किया और बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन किया। लेकिन इसी बीच एक जानी-मानी फिल्म निर्देशक की आलोचनात्मक टिप्पणी ने सोशल मीडिया पर हलचल मचा दी। निर्देशक शाजिया इकबाल ने फिल्म की अप्रत्यक्ष रूप से आलोचना करते हुए इसे 'बेहद घटिया फिल्म' बताया और आरोप लगाया कि फिल्म में नफरत और हिंसा को बढ़ावा देने वाले तत्व मौजूद हैं। उन्होंने दावा किया कि ऐसा अनजाने में नहीं, बल्कि जानबूझकर किया गया है। हालांकि, शाजिया ने यह भी स्वीकार किया कि तकनीकी रूप से फिल्म बेहतरीन है और इसका बैकग्राउंड म्यूजिक बेहद प्रभावशाली है। उनके इस मिश्रित समीक्षा वाले बयान के सामने आते ही सोशल मीडिया पर बहस छिड़ गई। कई यूज़र्स ने उनके बयान पर नाराज़गी जताई, वहीं कुछ ने इसे उनकी अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता बताते हुए समर्थन किया। विवाद बढ़ने और लगातार ट्रोलिंग होने के बाद शाजिया इकबाल ने अपना इंस्टाग्राम अकाउंट प्राइवेट कर लिया। यह कदम साफ संकेत देता है कि ऑनलाइन आलोचना और विवाद ने उन पर असर डाला है। वहीं, फिल्म के समर्थक अब भी रणवीर सिंह और मेकर्स की तारीफ करते नजर आ रहे हैं, जबकि इस विवाद ने सोशल मीडिया पर फिल्म को लेकर नई चर्चा छेड़ दी है।

बचपन में जैकी श्रॉफ के लिए दो वक्त की रोटी का इंतजाम था मुश्किल

हाल ही में बॉलीवुड अभिनेता जैकी श्रॉफ ने 69वां जन्मदिन मनाया। जैकी यानि की बॉलीवुड के 'भिडू' का सफर फिल्मों से कहीं ज्यादा दिलचस्प और संघर्षों से भरा रहा है। मुंबई की एक चॉल में पले-बढ़े जैकी का बचपन बेहद कठिनाइयों में गुजरा। परिवार की आर्थिक हालत इतनी कमजोर थी कि दो वक्त के भोजन का इंतजाम भी मुश्किल से होता था। जैकी के पिता काकूभाई श्रॉफ एक बिजनेसमैन थे, लेकिन घाटा लगने पर उन्होंने ज्योतिष का काम शुरू किया। वे जानते थे कि उनका बेटा जयकिशन काकूभाई श्रॉफ (जैकी) एक दिन बड़ा सितारा बनेगा, मगर गरीबी ने जैकी का विश्वास तोड़ दिया था। जैकी पढ़ाई में रुचि नहीं रखते थे। 7 साल की उम्र में पहली बार मां के कहने पर स्कूल गए, लेकिन पढ़ाई से हमेशा दूरी बनाकर रखी। एक बार उन्होंने पिता से पढ़ाई छोड़ने की इच्छा जताई तो पिता ने सहजता से कहा, 'कोई बात नहीं, वैसे भी तुम्हें एक्टर बनना है।' यह बात जैकी के दिल में बस गई।

जीवनयापन के लिए जैकी ने कई छोटे-मोटे काम किए कभी मूंगफली बेची, कभी ताज होटल में शेफ का काम किया और कभी विज्ञापन एजेंसी में नौकरी की। इस संघर्षभरे दौर में बस स्टैंड पर एक अजनबी ने उनकी पर्सनैलिटी की तारीफ करते हुए उन्हें मॉडलिंग करने की सलाह दी। यही सलाह उनके जीवन का बड़ा मोड़ बनी। उन्होंने नेशनल एडवरटाइजिंग कंपनी का पहला मॉडलिंग प्रोजेक्ट हासिल किया और 7,500 रुपये कमाए, जो उस समय उनके लिए बड़ी रकम थी। कुछ मॉडलिंग प्रोजेक्ट्स के बाद जैकी की मुलाकात देव आनंद से हुई और उन्हें 1982 की फिल्म 'स्वामी दादा' में पहला रोल मिला। हालांकि यह भूमिका छोटी थी, लेकिन इसी बीच उन्हें सुभाष घई की फिल्म 'हीरो' में लीड रोल का बड़ा मौका मिला। शूटिंग के दौरान एक गंभीर दुर्घटना में उनकी नाक और जबड़ा टूट गया, लेकिन निर्देशक सुभाष घई ने उनका साथ नहीं छोड़ा और पूरी फिल्म उनके साथ मिलकर पूरी की।

'हीरो' के बाद जैकी श्रॉफ एक सुपरस्टार बन चुके थे। उन्होंने 'आज का दौर', 'युद्ध', 'कर्मा', 'त्रिमूर्ति', 'लज्जा', 'काश' और 'दिल ही तो है' जैसी सफल फिल्मों में बेहतरीन भूमिकाएं निभाईं। उनकी सहज अदाकारी, स्टाइल और सरल स्वभाव ने उन्हें दर्शकों का 'जैकी दादा' बना दिया। आज जैकी श्रॉफ मनोरंजन जगत के सबसे सम्मानित और प्रिय कलाकारों में से एक हैं एक ऐसा सितारा जिसने गरीबी, संघर्ष और हादसों को मात देकर हिंदी सिनेमा में अपनी अलग पहचान बनाई। बता दें कि हिंदी सिनेमा में कई ऐसे कलाकार हुए जिन्होंने न केवल अपनी अदाकारी से दर्शकों का दिल जीता, बल्कि अपनी स्टाइल और व्यक्तित्व से युवाओं के लिए फैशन आइकॉन भी बने। इनमें सबसे चमकता नाम है बॉलीवुड के 'भिडू', यानी जैकी श्रॉफ का।

जालंधर मर्डर केस पर गरमाई सियासत, सुखबीर बादल ने पंजाब सरकार पर कसा तंज

चंडीगढ़ (एजेंसी)। जालंधर में आम आदमी पार्टी (आप) के नेता की सरेआम गोली मारकर हत्या किए जाने के मामले ने पंजाब की राजनीति को गरमा दिया है। इस घटना को लेकर शिरोमणि अकाली दल के अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल ने पंजाब की आम आदमी पार्टी सरकार पर तीखा हमला करते हुए राज्य की कानून-व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। सुखबीर बादल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट करते हुए कहा कि पंजाब में अपराध पूरी तरह बेलगाम हो चुके हैं और हालात इतने खराब हैं कि सत्तारूढ़ पार्टी के अपने नेता भी सुरक्षित नहीं हैं। उन्होंने लिखा कि आम आदमी पार्टी के नेता अपनी ही सरकार में असुरक्षित महसूस कर रहे हैं, जो कानून-व्यवस्था की विफलता का सबसे बड़ा प्रमाण है। उन्होंने जालंधर के मॉडल टाउन इलाके में गुरुद्वारा साहिब के बाहर हुई घटना का जिक्र करते हुए कहा कि आम आदमी पार्टी के नेता लक्की ओबराए की दिनदहाड़े गोली मारकर हत्या कर दी गई। यह वारदात न सिर्फ चौंकाने वाली है, बल्कि यह भी दर्शाती है कि अपराधियों में कानून का कोई डर नहीं बचा है। सुखबीर बादल के मुताबिक, सार्वजनिक स्थान पर इस तरह की घटना राज्य की सुरक्षा व्यवस्था की पोल खोलती है। अकाली दल प्रमुख ने आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा कि वर्ष 2026 में अब तक पंजाब में करीब 25 हत्याएं हो चुकी हैं, जबकि महीने के पहले सप्ताह में ही 9 हत्याओं के मामले सामने आए थे। उन्होंने कहा कि ये वारदातें किसी एक इलाके तक सीमित नहीं हैं, बल्कि पूरे राज्य में फैल चुकी हैं। चाहे कोर्ट कॉम्प्लेक्स हो, व्यस्त बाजार, शादी समारोह का स्थल हो या फिर गुरुद्वारा साहिब के बाहर—अपराध हर जगह हो रहे हैं। सुखबीर बादल ने सरकार और पुलिस द्वारा गैंगस्टरों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियानों पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि सरकार भले ही सख्त कार्रवाई के दावे करे, लेकिन जमीनी हकीकत इससे बिल्कुल अलग है। अपराधियों के हौसले लगातार बढ़ते जा रहे हैं और आम नागरिक खुद को असुरक्षित महसूस कर रहा है।

भाजपा विधायक को 'लुटेरा' कहने वाले उप्र कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय पर एफआईआर

लखनऊ (एजेंसी)। सरोजनी नगर से भाजपा विधायक राजेश्वर सिंह को 'लुटेरा' कहने के मामले में उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अजय राय के खिलाफ लखनऊ में एफआईआर की गई है। यह मामला अजय राय द्वारा एक राजनीतिक कार्यक्रम के दौरान दिए गए बयान से जुड़ा है, जिसमें उन्होंने विधायक पर देश और प्रदेश को लूटने का आरोप लगाया था। भाजपा नेता शिवशंकर सिंह उर्फ शंकरी की शिकायत पर सरोजनी नगर थाने में यह मुकदमा दर्ज किया गया है। शिकायत में बताया गया कि 1 फरवरी 2026 को सरोजनी नगर के गौरी-बिजनौर रोड स्थित नटकुर तिराहा पर एक राजनीतिक सभा आयोजित की गई थी। इस सभा को संबोधित करते हुए अजय राय ने कहा था कि विधायक राजेश्वर सिंह देश और प्रदेश को लूटने का काम कर रहे हैं और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) में रहते हुए भी लूट-खसोट जारी रही। शिकायतकर्ता के अनुसार, अजय राय का बयान पूरी तरह असत्य, तथ्यहीन और मानहानिकारक है, जिससे विधायक की छवि को नुकसान पहुंचा है। तहरीर में यह भी आरोप लगाया गया है कि भाषण को योजनाबद्ध तरीके से रिकॉर्ड कर सोशल मीडिया पर वायरल किया गया। भाजपा नेता ने 'रुद्रदमन सिंह' नामक फेसबुक अकाउंट से वीडियो साझा किए जाने का आरोप लगाया है।

बिहार में नीट छात्रा की मौत का मामला : राबड़ी देवी ने पुलिस पर तथ्यों को छिपाने का आरोप लगाया

पटना (एजेंसी)। बिहार की पूर्व मुख्यमंत्री और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) की नेता राबड़ी देवी ने राज्य में नीट छात्रा की मौत के मामले में पुलिस और सरकार पर तथ्यों को छिपाने का आरोप लगाया है। यह घटना पिछले महीने 6 जनवरी को पटना के चित्रगुप्त नगर स्थित छात्रावास में हुई थी। जहानाबाद निवासी छात्रा को अचेत अवस्था में पाया गया था और कई दिनों तक कोमा में रहने के बाद 11 जनवरी को उसने निजी अस्पताल में दम तोड़ दिया। बजट सत्र के तीसरे दिन विधानपरिषद के बाहर पत्रकारों से बात करते हुए राबड़ी देवी ने कहा कि राज्य में किसी भी जिले में अपराध नहीं हो रहे हैं ऐसा नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार और गृह मंत्री इस मामले में चुप हैं और सभी तथ्यों को छिपाने के बाद इसे सीबीआई को सौंप दिया गया। राबड़ी देवी ने कहा कि सरकार दोषियों को बचाने की कोशिश कर रही है क्योंकि अपराध में शामिल लोग सरकार का हिस्सा हैं। सीबीआई क्या करेगी? यह एजेंसी भी केंद्र सरकार के नियंत्रण में है। इस मामले पर जनता दल यूनाइटेड के विधानपरिषद सदस्य नीरज कुमार ने राबड़ी देवी की टिप्पणियों को मीडिया में सुर्खियां बटोरने की कोशिश करार दिया। उन्होंने कहा कि बिहार सरकार अपराधियों को कानूनी कार्रवाई से नहीं बचाती और इस तरह के आरोप निराधार हैं। परिवार ने अधिकारियों पर मामले को दबाने का आरोप लगाया था। बिहार सरकार ने मामले की जांच के लिए केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो से सिफारिश की थी। फिलहाल विशेष जांच दल इस घटना की जांच कर रहा है। राबड़ी देवी ने विधानसभा में कहा कि इस बजट में बिहार के लोगों के लिए कुछ नहीं है और सरकार केवल जनता को गुमराह कर वोट हासिल करने की कोशिश कर रही है।

रांची के जाने-माने कारोबारी और बिल्डर अनुराग सरावगी ने की आत्महत्या

रांची (एजेंसी)। रांची के जाने-माने बिल्डर और व्यवसायी अनुराग सरावगी ने मेन रोड स्थित ब्लेयर अपार्टमेंट की छठी मंजिल पर स्थित अपने फ्लैट से कूदकर आत्महत्या कर ली। इस घटना से न केवल इलाके में हड़कंप मच गया, बल्कि राजधानी के कारोबारी जगत में भी शोक की लहर दौड़ गई है। जानकारी के अनुसार अनुराग सरावगी गुरुवार रात करीब 11 बजे अपार्टमेंट में अपने फ्लैट की बालकनी से नीचे कूद गए। ऊंचाई से गिरने के कारण उनकी मौके पर ही मौत हो गई। तेज आवाज सुनकर अपार्टमेंट के सुरक्षाकर्मी और स्थानीय लोग घटनास्थल की ओर पहुंचे, जहां उनका शव पड़ा मिला। इसके बाद तत्काल पुलिस को सूचना दी गई। बताया जा रहा है कि अनुराग गुरुवार की रात घर पर अकेले थे। उनकी पत्नी और दोनों बच्चे किसी रिश्तेदार के यहां तमिलनाडु गए हैं। अपार्टमेंट में रहने वाले कुछ लोगों ने पुलिस को बताया है कि वह देर रात किसी से मोबाइल पर ऊंची आवाज में बात कर रहे थे। घटना की जानकारी मिलते ही हिंदपीढ़ी थाना की पुलिस मौके पर पहुंची। मामले की गंभीरता को देखते हुए सिटी एसपी, कोतवाली डीएसपी समेत वरीय पुलिस अधिकारी भी घटनास्थल पर पहुंचे।

सरकारी जांच में हुआ चौंकाने वाला खुलासा, एयर इंडिया के 70 फीसदी विमानों में तकनीकी खराबी

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश की प्रमुख विमानन कंपनी एयर इंडिया के बेड़े को लेकर एक चिंताजनक रिपोर्ट सामने आई है। सरकार ने संसद में जानकारी दी है कि एयरलाइन के हर 10 में से 7 विमानों में किसी न किसी तरह की तकनीकी खामी पाई गई है। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, एयर इंडिया के लगभग 70 फीसदी विमान तकनीकी रूप से समस्याओं का सामना कर रहे हैं, जो सभी भारतीय एयरलाइन्स में सबसे अधिक है।

नागरिक उड्डयन राज्य मंत्री मुरलीधर मोहोल ने लोकसभा में एक लिखित प्रश्न के उत्तर में बताया कि जनवरी 2025 से 3 फरवरी 2026 तक विभिन्न एयरलाइनों के कुल 377 विमानों में बार-बार गड़बड़ी होने के मामले दर्ज किए गए। सरकार द्वारा प्रस्तुत आंकड़ों के विश्लेषण से पता चलता है कि एयर इंडिया के जिन 166 विमानों की जांच की गई, उनमें से 137 विमानों में तकनीकी खामियां पाई गईं। इसी समूह की अन्य कंपनी एयर इंडिया एक्सप्रेस के भी 101 विमानों में से 54 में बार-बार खराबी की बात सामने आई है। जांच के दायरे में केवल एयर इंडिया ही नहीं, बल्कि अन्य निजी एयरलाइन्स भी रहीं। इंडिगो के 405 विमानों का विश्लेषण किया गया, जिनमें से 148 विमानों में तकनीकी समस्याएं मिलीं। वहीं, स्पाइसजेट के 43 विमानों में से 16 और अकासा एअर के 32 विमानों में से 14 विमानों में बार-बार गड़बड़ी होने की पुष्टि हुई है। इस अवधि के दौरान विमानन सुरक्षा नियामक, नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने सुरक्षा मानकों को सुनिश्चित करने के लिए कुल 3,890 निगरानी निरीक्षण किए।

हालांकि, मंत्री ने यह भी स्पष्ट किया कि पिछले तीन वर्षों में उड़ानों के दौरान तकनीकी खराबी की कुल घटनाओं में धीरे-धीरे कमी आई है। आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2023 में खराबी के 448 मामले सामने आए थे, जो 2024 में घटकर 421 रह गए। सरकार का दावा है कि डीजीसीए के पास हवाई अड्डा संचालकों और विमानों की निगरानी के लिए एक व्यवस्थित सुरक्षा तंत्र मौजूद है, जिसके तहत औचक निरीक्षण और नियामक ऑडिट किए जाते हैं। नियमों के उल्लंघन या सुरक्षा मानकों में कोताही पाए जाने पर डीजीसीए द्वारा सख्त प्रवर्तन कार्रवाई की जाती है। एयरलाइन्स के लिए यह अनिवार्य कर दिया गया है कि वे किसी भी तकनीकी घटना की रिपोर्ट तुरंत नियामक को दें। ऑडिट के दौरान मिलने वाली कमियों को दूर करने के लिए संबंधित एयरलाइन्स को सुधारात्मक कदम उठाने के निर्देश दिए जाते हैं ताकि यात्रियों की सुरक्षा से कोई समझौता न हो।

शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने मुख्यमंत्री योगी को लिखा पत्र, कहा- गोवंश यदि सुरक्षित हैं इसका हो परीक्षण

वाराणसी (एजेंसी)। ज्योतिषपीठ के शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने गोवंश को लेकर शुक्रवार को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को एक पत्र लिखा है। उन्होंने आरोप लगाया है कि हाल ही में राज्य के पशुपालन मंत्री ने उनके द्वारा उठाए गए गोकशी के गंभीर मुद्दे को 'भ्रम' और 'असत्य' करार दिया। मंत्री ने दावा किया था कि राज्य में गो-वंश पूर्णतः सुरक्षित है। शंकराचार्य ने पत्र में कहा कि धर्मसत्ता और राजसत्ता के बीच सत्य की स्थापना के लिए आवश्यक है कि दावों का धरातलीय एवं वैज्ञानिक परीक्षण हो। यदि शासन का विश्वास अडिग है कि राज्य में गोहत्या पूर्णतः बंद हो चुकी है, तो पारदर्शिता के लिए ज्योतिषपीठ के प्रतिनिधियों को कुछ बिंदुओं पर अनुमति एवं पूर्ण सहयोग प्रदान किया जाए। उन्होने मांग की कि निर्यातित मांस का डीएनए परीक्षण कराया जाए। हापुड़, अलीगढ़, मेरठ और उन्नाव जैसे निर्यात केंद्रों से रैंडम सैंपलिंग कर स्वतंत्र जांच की अनुमति दी जाए। चर्म शोधन इकाइयों का निरीक्षण किया जाए। कानपुर एवं अन्य क्षेत्रों में आने वाली खालों के वैज्ञानिक परीक्षण हेतु प्रवेश की अनुमति प्रदान की जाए। परिवहन एवं सीमा निरीक्षण किया जाए। अंतर्राज्यीय सीमाओं और प्रमुख मार्गों पर संदिग्ध वाहनों के आकस्मिक निरीक्षण में प्रशासनिक सहयोग दिया जाए। नगर निकायों एवं निजी वधशालाओं की व्यवस्था की धरातलीय जांच के लिए 'सरप्राइज ऑडिट' का अधिकार प्रदान किया जाए। इसके अलावा गौशाला एवं निस्तारण केंद्रों का ऑडिटरू सरकारी गौशालाओं में मृत्यु के कारणों एवं शवों के निस्तारण की प्रक्रिया की स्वतंत्र जांच कराई जाए और अधिकृत प्रयोगशालाओं की सूची जारी की जाए। शंकराचार्य ने कहा कि इन बिंदुओं के तहत संकलित नमूनों की निष्पक्ष जांच के लिये शासन द्वारा मान्यता प्राप्त प्रयोगशालाओं की सूची उपलब्ध कराई जाए, जिनकी रिपोर्ट को शासन साक्ष्य के रूप में स्वीकार करता हो। इससे भविष्य में जांच परिणामों पर कोई विवाद नहीं रहेगा।

उत्तर भारत में ठंड का प्रकोप जारी: पहाड़ों पर बर्फबारी और मैदानों में घने कोहरे का अलर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर भारत के कई राज्यों में कड़ाके की ठंड और कोहरे का दोहरा सितारा जारी है। हिमाचल प्रदेश के 14 शहरों में रात का तापमान 5 डिग्री सेल्सियस या उससे नीचे दर्ज किया गया है, जिससे समूचा राज्य शीत लहर की चपेट में है। मौसम विभाग ने मैदानी इलाकों के लिए घने कोहरे की चेतावनी जारी की है। आने वाले दिनों में हमीरपुर, बिलासपुर, कांगड़ा और मंडी के निचले इलाकों में दृश्यता काफी कम रहने का अनुमान है।

केवल हिमाचल ही नहीं, बल्कि मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड में भी ठंड ने लोगों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। मध्य प्रदेश में पश्चिमी विक्षोभ और साइक्लोनिक सर्कुलेशन सिस्टम का असर खत्म होते ही उत्तरी हवाओं ने ठिठुरन बढ़ा दी है। राज्य के ग्वालियर समेत 8 शहरों में न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस से नीचे गिर गया है, जबकि 30 से अधिक जिलों में घना कोहरा देखा गया। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में भी सुबह के समय घने कोहरे और बर्फीली हवाओं के कारण जनजीवन प्रभावित हुआ है। पहाड़ी राज्यों में मौसम एक बार फिर करवट लेने वाला है। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार, 9 फरवरी से ऊंचाई वाले क्षेत्रों में बर्फबारी का नया दौर शुरू हो सकता है। उत्तराखंड में 3000 मीटर से अधिक ऊंचाई वाले स्थानों पर बारिश और हिमपात की संभावना है। वहीं, हिमाचल प्रदेश में एक नया पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने से 10 और 11 फरवरी को राज्य के अधिकांश हिस्सों में भारी बारिश और बर्फबारी के आसार जताए गए हैं। आगामी 7 और 8 फरवरी को दिल्ली, उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश में सुबह के वक्त घना कोहरा छाए रहने का अनुमान है। इस दौरान न्यूनतम तापमान सामान्य से नीचे रह सकता है, जिससे सुबह और रात की ठंड और अधिक महसूस होगी। पहाड़ी क्षेत्रों में हो रही हलचल का सीधा असर मैदानी इलाकों के तापमान पर पड़ेगा, जिससे फिलहाल सर्दी से राहत मिलने की उम्मीद नहीं है। प्रशासन ने कोहरे को देखते हुए वाहन चालकों को सावधानी बरतने और ठंड से बचाव के पुख्ता इंतजाम करने की सलाह दी है।

मणिपुर में फिर भड़की हिंसा: नए उपमुख्यमंत्री के शपथ ग्रहण के विरोध में भारी बवाल

चुराचांदपुर (एजेंसी)। मणिपुर में नई सरकार के गठन और शपथ ग्रहण समारोह के साथ ही राज्य में एक बार फिर अशांति का माहौल पैदा हो गया है। विशेष रूप से चुराचांदपुर जिले में गुरुवार को स्थिति उस समय अनियंत्रित हो गई, जब नए उपमुख्यमंत्रियों के रूप में नेमचा किपगेन और एल दिखो के शपथ ग्रहण के खिलाफ विरोध प्रदर्शन हिंसक संघर्ष में बदल गया। पूरे क्षेत्र में व्याप्त भारी तनाव को देखते हुए प्रशासन ने व्यापक सुरक्षा बल तैनात कर दिए हैं।

हिंसा की शुरुआत गुरुवार शाम करीब 6 बजे तुइबोंग मेन मार्केट इलाके में हुई। यहां सैकड़ों की संख्या में युवा प्रदर्शनकारी सड़क पर उतर आए और सुरक्षा बलों को पीछे धकेलने की कोशिश करने लगे। जब सुरक्षा बलों ने प्रदर्शनकारियों को रोकने का प्रयास किया, तो भीड़ उग्र हो गई और पत्थरबाजी शुरू कर दी। प्रदर्शनकारियों ने सड़क के बीचों-बीच टायर जलाकर आवागमन बाधित कर दिया। युवाओं का यह आक्रोश उस समय चरम पर पहुंच गया, जब उन्हें सूचना मिली कि कुकी-जोमी समुदाय के तीन विधायक सरकार का हिस्सा बनने जा रहे हैं। इनमें नेमचा किपगेन ने उपमुख्यमंत्री पद की शपथ ली है, जबकि एलएम खाउते और नगुरसंगलुर के भी सरकार में शामिल होने की खबरें हैं। स्थानीय कुकी संगठनों ने पहले ही अपने समुदाय के विधायकों को स्पष्ट चेतावनी दी थी कि वे वर्तमान परिस्थितियों में सरकार में शामिल न हों। समुदाय का एक बड़ा धड़ा इस बात से आहत है कि इंफाल में हुई पिछली हिंसा के दौरान जान-माल और धार्मिक स्थलों का भारी नुकसान हुआ था, जिसकी टीस अभी भी बरकरार है। समुदाय का मानना है कि ऐसे समय में सत्ता में साझेदारी करना उनके हितों और भावनाओं के खिलाफ है। इसी नाराजगी के चलते चुराचांदपुर में विरोध प्रदर्शन और बंद का आह्वान किया गया।

राजनीतिक परिदृश्य की बात करें तो, एन बीरेन सिंह के इस्तीफे के करीब एक साल बाद राज्य में नई सरकार का उदय हुआ है। युमनाम खेमचंद सिंह ने मणिपुर के 13वें मुख्यमंत्री के रूप में पदभार संभाला है। उनके साथ भाजपा की नेमचा किपगेन और नगा पीपुल्स फ्रंट (एनपीएफ) के एल दिखो ने उपमुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली है। इस नई राजनीतिक व्यवस्था को क्षेत्रीय गुटों ने स्वीकार करने से इनकार कर दिया है, जिससे टकराव की स्थिति बनी हुई है। हालात पर काबू पाने के लिए असम राइफल्स और पुलिस के जवानों को मोर्चे पर लगाया गया है। शुरुआती झड़पों के बाद सुरक्षा बलों को कुछ समय के लिए पीछे हटना पड़ा, लेकिन भीड़ के लगातार बढ़ते दबाव को देखते हुए अंततः आंसू गैस के गोले छोड़े गए। वर्तमान में, आदिवासी संगठन ज्वाइंट फोरम ऑफ सेवन ने सुबह 6 बजे से शाम 6 बजे तक पूर्ण बंद का आह्वान किया है। संगठन ने सख्त चेतावनी दी है कि यदि कोई विधायक या नेता इस बंद और समुदाय की भावनाओं का उल्लंघन करता है, तो उसे गंभीर परिणाम भुगतने होंगे। सुरक्षा एजेंसियां संवेदनशील इलाकों में फ्लैग मार्च कर रही हैं ताकि स्थिति को और बिगड़ने से रोका जा सके।

गोलवलकर से जुड़ी टिप्पणी को लेकर फंसे दिग्विजय, नहीं होगी मानहानि याचिका खारिज

-कोर्ट ने कहा कांग्रेस नेता के खिलाफ दायर मानहानि याचिका में वैध कारण बनता है

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह, राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ (आरएसएस) और दूसरे सरसंघचालक एमएस गोलवलकर से जुड़ी एक टिप्पणी को लेकर फंसते नजर आ रहे हैं। इस मामले में उनके खिलाफ दायर एक मानहानि याचिका को कोर्ट ने खारिज करने से इनकार कर दिया है। 8 जुलाई 2023 को सोशल मीडिया पर किए गए एक पोस्ट में दिग्विजय सिंह ने दूसरे सरसंघचालक गोलवलकर की एक तस्वीर साझा करके उसके कैप्शन में लोगों से सवाल पूछा था कि क्या वह दलितों, पिछड़े वर्गों, मुसलमानों और भूमि, जल व जंगल से जुड़े मुद्दों पर गोलवलकर के विचारों से परिचित हैं?

इस पोस्ट को लेकर संघ के स्वयंसेवक शशिकांत चंपानेकर ने दिग्विजय सिंह के खिलाफ मामला दायर किया है। उन्होंने आरोप लगाया कि इससे संघ की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचा है। याचिका के दाखिल होने के बाद कोर्ट ने सुनवाई शुरू कर दी है। राज्यसभा सांसद सिंह ने इस याचिका को खारिज करने की अपील करते हुए तर्क दिया कि यह मामला कानूनन विचारणीय नहीं है। इस पर सिविल जज राजेश बी. खंडारे ने कहा कि दिग्विजय सिंह के खिलाफ दायर मानहानि याचिका में वैध कारण बनता है। इसी वजह से इसे खारिज नहीं किया जा सकता है। दिग्विजय सिंह की ओर से दलील दी गई कि याचिका कर्ता को यह मुकदमा दायर करने का कोई अधिकार नहीं है क्योंकि संघ न तो कोई पंजीकृत संस्था है और न ही कानूनी व्यक्ति है। ऐसे में वह मुकदमा दायर नहीं कर सकता। उन्होंने यह भी सवाल उठाया कि आखिर कोई व्यक्तिगत सदस्य संघ और गोलवलकर की ओर से हर्जाना कैसे मांग सकता है?

इस पर याचिकाकर्ता की ओर से कहा गया कि आपराधिक मानहानि कानून के तहत किसी पहचाने जाने योग्य समूह की मानहानि की जा सकती है और उस समूह का कोई आहत सदस्य कानूनी कार्रवाई कर सकता है। उन्होंने यह भी कहा कि सोशल मीडिया पोस्ट से जुड़े गंभीर और विचारणीय मुद्दे हैं, जिनका फैसला केवल साक्ष्य दर्ज होने के बाद ही किया जा सकता है, न कि वाद खारिज करने के चरण पर। दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद कोर्ट ने निष्कर्ष निकाला कि इस वाद को खारिज नहीं किया जा सकता। कोर्ट ने कहा कि याचिका में कारण बनता है, संघ सदस्य के मुकदमा दायर करने के अधिकार को इस चरण पर कानून द्वारा प्रतिबंधित नहीं कहा जा सकता और वाद के मूल्यांकन या कोर्ट फीस की पर्याप्तता जैसे मुद्दे बिना सुधार का अवसर दिए वाद खारिज करने का आधार नहीं बन सकते।

कोयला खदान में विस्फोट से अब तक 18 की मौत, कई मलबे में दबे, बचाव कार्य जारी

-राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री ने जताया दु:ख, मृतकों के परिवारों को सहायता की घोषणा

शिलांग (एजेंसी)। मेघालय के ईस्ट जयंतिया हिल्स जिले में गुरुवार को कोयला खदान में विस्फोट ने पूरे देश को हिला दिया। अवैध रूप से संचालित इस खदान में अचानक हुए धमाके के बाद चीख-पुकार मच गई। मजदूरों को संभलने का मौका तक नहीं मिला। विस्फोट इतना भीषण था कि कई मजदूर अंदर ही फंस गए। राहत और बचाव टीमें मौके पर पहुंची। भारी मशक्कत के बाद 18 मजदूरों के शव निकाले जा चुके हैं, कई लोगों के अब भी मलबे में दबे होने की आशंका है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इस दर्दनाक हादसे ने खदानों में सुरक्षा व्यवस्था और अवैध खनन के मुद्दे को फिर से चर्चा में ला दिया है। हादसे की खबर मिलते ही राज्य सरकार और केंद्र सरकार दोनों सक्रिय हो गईं। पीएम मोदी ने हादसे पर गहरा शोक जताते हुए मृतकों के परिजनों के लिए आर्थिक सहायता का ऐलान किया। वहीं मेघालय के सीएम कॉनराड संगमा ने घटना की उच्चस्तरीय जांच के आदेश दिए हैं। प्रशासन का कहना है कि दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी और अवैध खनन को किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

रिपोर्ट के मुताबिक शुरआती जांच में सामने आया है कि यह खदान अवैध रूप से संचालित की जा रही थी। पुलिस के मुताबिक विस्फोट खदान के अंदर हुआ, जिससे मजदूरों को बाहर निकलने का मौका नहीं मिला। प्रशासन ने इस मामले में भारतीय न्याय संहिता, खान और खनिज विकास एवं विनियमन अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया है। बचाव कार्य के लिए एनडीआरएफ, एसडीआरएफ और विशेष टीमों को लगाया गया है।

हादसे पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने भी दुख जताया और मृतकों के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की। समाजवादी पार्टी के नेता अखिलेश यादव और कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी ने भी घटना की जांच और पीड़ित परिवारों को उचित मुआवजा देने की मांग की है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सीएम संगमा से बातचीत कर केंद्र की ओर से हर संभव मदद का भरोसा दिलाया है। प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से मृतकों के परिजनों को दो-दो लाख रुपए और घायलों को 50 हजार रुपए देने की घोषणा की गई है। इसके अलावा मेघालय सरकार ने मृतकों के परिवारों को तीन-तीन लाख रुपए की सहायता देने का ऐलान किया है। सरकार का कहना है कि यह मदद पीड़ित परिवारों को तत्काल राहत देने के लिए दी जा रही है। हादसे के बाद लोगों में गुस्सा है।

सीएम कॉनराड संगमा ने कहा है कि इस हादसे के लिए जिम्मेदार लोगों को बख्शा नहीं जाएगा। सरकार अवैध खनन के खिलाफ सख्त कदम उठाने की तैयारी में है। प्रशासन ने साफ किया है कि राज्य में वैज्ञानिक खनन को बढ़ावा दिया जाएगा और सुरक्षा नियमों का उल्लंघन करने वालों पर कड़ी कार्रवाई होगी।

पश्चिम बंगाल समेत 5 राज्यों में विधानसभा चुनाव की तैयारियां तेज, अगले महीने तारीखों का एलान संभव

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल समेत देश के पांच राज्यों में इस साल होने वाले विधानसभा चुनावों को लेकर चुनाव आयोग ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। सूत्रों के अनुसार, मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के नेतृत्व में चुनाव आयोग जल्द ही संबंधित राज्यों का दौरा शुरू करेगा। इन दौरों का उद्देश्य चुनाव की तारीखों के एलान से पहले कानून-व्यवस्था, प्रशासनिक तैयारियों और अन्य जरूरी व्यवस्थाओं का जमीनी स्तर पर आकलन करना है। माना जा रहा है कि मार्च के पहले सप्ताह के बाद कभी भी चुनावों की आधिकारिक घोषणा की जा सकती है।

इस साल जिन पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव होने हैं, उनमें पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, केरल, असम और पुडुचेरी शामिल हैं। पश्चिम बंगाल विधानसभा की 294 सीटों का कार्यकाल 7 मई 2026 को समाप्त हो रहा है। वहीं, तमिलनाडु की 234 सदस्यीय विधानसभा का कार्यकाल 10 मई, केरल की 140 सदस्यीय विधानसभा का कार्यकाल 23 मई, असम की 126 सदस्यीय विधानसभा का कार्यकाल 20 मई 2026 को पूरा होगा। इसके अलावा, पुडुचेरी की 30 सीटों वाली विधानसभा का कार्यकाल 15 जून 2026 को खत्म हो रहा है। संवैधानिक प्रावधानों के तहत इन सभी राज्यों में कार्यकाल समाप्त होने से पहले नई विधानसभा का गठन अनिवार्य है।

सूत्रों के मुताबिक, चूंकि चार राज्यों की विधानसभा का कार्यकाल मई महीने में और पुडुचेरी का जून में समाप्त हो रहा है, इसलिए चुनाव आयोग समय से पहले सभी आवश्यक प्रक्रियाएं पूरी करने में जुट गया है। खासतौर पर पश्चिम बंगाल विधानसभा का कार्यकाल सबसे पहले 7 मई को समाप्त हो रहा है, जिसे ध्यान में रखते हुए आयोग की प्राथमिकता भी इसी राज्य पर अधिक रहने की संभावना है।

आयोग फरवरी के अंत से लेकर मार्च के पहले सप्ताह तक इन राज्यों का दौरा कर सकता है। इस दौरान संबंधित राज्यों के मुख्य सचिव, पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) और मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) के साथ बैठकें की जाएंगी। इसके अलावा, सभी प्रमुख राजनीतिक दलों से भी संवाद किया जाएगा, ताकि चुनाव से जुड़े उनके सुझावों और आपत्तियों को सुना जा सके और यदि कोई वैध बिंदु हो तो उसे चुनावी प्रक्रिया में शामिल किया जा सके।

गौरतलब है कि पिछले साल बिहार विधानसभा चुनावों में तारीखों के एलान से लेकर पूरी चुनावी प्रक्रिया समाप्त होने तक कुल 42 दिन का समय लगा था। बिहार में चुनाव की घोषणा 6 अक्टूबर 2025 को हुई थी और दो चरणों में मतदान के बाद 16 नवंबर को पूरी प्रक्रिया संपन्न हुई, जबकि विधानसभा का कार्यकाल 22 नवंबर तक था। इसी पैटर्न को देखते हुए अनुमान लगाया जा रहा है कि इन पांच राज्यों में भी चुनावों की घोषणा मार्च के पहले सप्ताह के बाद की जा सकती है। राजनीतिक दृष्टि से बेहद अहम माने जा रहे इन चुनावों को लेकर सभी दलों की निगाहें अब चुनाव आयोग के आधिकारिक एलान पर टिकी हुई हैं।

स्वामी, प्रकाशक, अनीता शर्मा द्वारा मुद्रक, रजनी कुमारी- मैसर्स साई प्रिंटिंग प्रेस D-85 सेक्टर-6 नोएडा, गौतमबुद्धनगर से मुद्रित एवं जी-271 एचआईजी, प्रताप विहार, सेक्टर-11, गाजियाबाद (उ०प्र०) से प्रकाशित। संपादक -अतुल शर्मा *
ईमेल-rashtriyashikhar@gmail.com (समस्त विवादों का क्षेत्र गाजियाबाद न्यायालय रहेगा) (* इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन तथा कानूनी मामलों हेतु उत्तरदायी)
समाचार संपादक-आरव शर्मा (एडवोकेट) 9310230557, 9625163807
(PRGI No. - UPHIN/25/A0086)